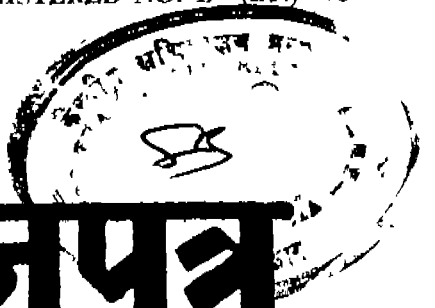




# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 31, 1982 (श्रावण 9, 1904)  
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 31, 1982 (SRAVANA 9, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 26 जून 1982

सं० ए० 32014/1/80-प्रणा०-II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा प्रत्येक के आगे दर्शाई गई अवधि अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, निम्नलिखित नियुक्तियां करते हैं

- (1) श्री एम० पी० बसल, सहायक नियंत्रक (त० स०), श्री एम० एल० धवन उप नियंत्रक (त० स०), जिन्हें 3-6-82 से 9-7-82 तक अवकाश स्वीकार किया गया है, के स्थान पर 3-6-82 से 9-7-82 की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से उप-नियंत्रक (त० स०) के पद पर कार्य करेंगे।
- (2) श्री एम० एम० शर्मा अधीक्षक (त० स०) 3-6-82 से 9-7-82 तक श्री एम० पी० बसल, सहायक नियंत्रक (त० स०) जिन्हें उप-नियंत्रक (त० स०) के पद पर पदोन्नत किया गया है, के स्थान

पर तदर्थ आधार पर सहायक नियंत्रक (त० स०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करेंगे।

- (3) श्री जे० जे० चक्रवर्ती, अन्वेषक, (त० स०) श्री एम० एम० शर्मा अधीक्षक (त० स०) जिन्हें सहायक नियंत्रक (त० स०) के पद पर पदोन्नत किया गया है के स्थान पर 3-6-82 से 9-7-82 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर अधीक्षक (त० स०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करेंगे।

यह नियुक्तियां पूर्णतः तदर्थ आधार पर हैं और तदर्थ रूप से नियुक्त किए गए व्यक्तियों को इन नियुक्तियों के आधार पर बरिष्ठता अथवा नियमित नियुक्ति का कोई हक नहीं मिलेगा।

य० रा० गांधी

अवर सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

संघ लोक सेवा आयोग

## गृह मन्त्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

(केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1982

सं० एस-161/67-प्रशासन-5—दिनांक 27 जनवरी, 1982 की समसंख्यक अधिमूचना के रूप में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपर विधि सलाहकार श्री एस० पी० भारद्वाज जिन्होंने दिनांक 28-2-1982 को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, की सेवाएं दिनांक 1-9-1982 से दिनांक 28-2-1983 तक 6 मास के लिए और बढ़ाते हैं।

दिनांक 8 जुलाई, 1982

सं० एम-2/65-प्रशासन-5—58 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर, श्री एम० रामाकृष्ण, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद दिनांक 30 जून, 1982 (अपराह्न) से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० पी-6/67-प्रशासन-5—58 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर, श्री पी० एन० नम्मीसन, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मद्रास दिनांक 30 जून, 1982 (अपराह्न) से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 1-10/82 सी० एफ० एस० एल०/5187—राष्ट्रपति जी, अपने प्रसाद से, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो दिल्ली में श्री पी० एम० नायर वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (अंगुली-चिह्न) को 24-6-82 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, केन्द्रीय न्याय वैज्ञानिक विज्ञान प्रयोगशाला में अस्थायी रूप से सहायक निदेशक (अंगुली-चिह्न) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० ए/19036/9/82-प्रशासन-5—निदेशक/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से निम्नलिखित निरीक्षकों को उनके नाम के सामने दी गई तिथि से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

अधिकारी का नाम	शाखा जिसमें पदस्थापित किया गया	तदर्थ प्रोन्नति की तिथि
----------------	--------------------------------	-------------------------

1	2	3
सर्वश्री/-		
1. एस० के० रतन	समन्वय	3-4-82 (अपराह्न)
2. सुरेन्द्रन के० नायर	विशेष एकक	14-6-82
3. के० एन० सिंह	शिलीग	5-4-82 (अपराह्न)
4. एस० प्रसाद	सी० आई० यू० (एन० सी०)	3-4-82
5. एन० सी० आ	सा० अ० स्कंध बम्बई	22-5-82

1	2	3
सर्वश्री		
6. ए० प्रसाद	रतन	4-5-82
7. एम० पी० शर्मा	सी० आई० यू० (ई-II)	3-4-82

आर० एस० नामकाल  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 जुलाई 1982

सं० ई-38013(4)/5/82-कार्मिक—राष्ट्रपति श्री एस० एम० छिब को 30 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर प्रोन्नत करके के० श्री० सु० ब० यूनिट एच० आई० एल० रसायनी में, सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सुरेन्द्रनाथ  
महानिदेशक

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० ई-29020/2/82-सा० प्रशा०-1—राष्ट्रपति, 1 जनवरी, 1981 से श्री आर० सी० निवारी को मूल रूप से के० श्री० सु० ब० में सहायक कमांडेंट के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 जुलाई, 1982

सं० ई-31013/(1)/1/82-सा० प्रशा०-1—राष्ट्रपति, श्री एन० एन० डी० कौल, सहायक कमांडेंट उ० ब० प० क्षेत्र, के० श्री० सु० ब० नई दिल्ली को, 23 जून, 1982 के पूर्वाह्न से 31 जुलाई, 1982 (अपराह्न) तक सहायक महा निरीक्षक उ० ब० प० क्षेत्र, नई दिल्ली के रैंक में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से प्रोन्नत करते हैं।

शिव राज बहादुर  
महानिदेशक

(भारत के महापंजीकार का कार्यालय)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 जुलाई 1982

सं० 10/28/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, सांख्यिकी विभाग से कम्प्यूटर केन्द्र के प्रोग्राम सहायक/कन्सोल ऑपरेटर, श्री आई० डी० शर्मा को नई दिल्ली में, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 19 जून, 1982 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, अस्थायी रूप से, नियमित आधार पर सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ नियुक्त करते हैं।

2. श्री शर्मा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/44/81—प्रशा० I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को, जो उनके नामों के सामने दशित राज्यों के जनगणना कार्य निदेशालयों में कार्यरत हैं, उन्हीं कार्यालयों में उनके समक्ष दशित तारीखों से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, प्रतिनियुक्ति पर, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सर्व्व नियुक्त करते हैं।

क्र० अधिकारी का नाम सं०	कार्यालय का नाम जिसमें कार्यरत है।	नियुक्ति की तारीख	निर्धारित मुख्यालय
1	2	3	4
सर्व्वश्री			
1. पी० के० रीत	जनगणना कार्य निदेशालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर	1-6-1982 (पूर्वाह्न)	भुवनेश्वर
2. जे० थोमस मकडे	जनगणना कार्य निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई	16-6-1982 (पूर्वाह्न)	बम्बई

पी० पदमनाभ  
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय  
आर्थिक कार्य विभाग  
बैंक नोट मुद्रणालय,

देवास, दिनांक 4 जुलाई 1982

सं० बी० एन० पी० /सी/5/82—विभागीय पदोन्नति समिति (सबूह "ख") की अनुशंसा के आधार पर निम्नलिखित अधिकारियों की मूल नियुक्ति, उनके समक्ष दर्शाये गये पदों और तिथि के अनुसार की जाती है।

क्रम सं०	नाम	पद जिस पर स्थानापन्न रूप से नियुक्ति की गई	मूल नियुक्ति की तिथि
सर्व्वश्री			
1. डी० आर०			
	मान सिंह	सहायक अभियन्ता (यांत्रिक)	27-2-81
2. एस० एल०			
	मलहोत्रा	सहायक अभियन्ता (वास्तुनकूलन)	23-5-81

जे० सी० गुसाटी  
उप-महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा परीक्षा विभाग  
महालेखाकार का कार्यालय (प्रथम) आन्ध्र प्रदेश  
हैदराबाद-500476, दिनांक 7 जुलाई 1982

सं० प्रशा० I/8.132/82-83/132—श्री गुलाम याज-  
दानी लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र  
प्रदेश सेवा से निवृत्त हुये दिनांक 30 जून 1982 (अपराह्न)।

सं० प्रशा० I/8.132/82-83/132—श्री टी० लक्ष्मी-  
पति लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश  
सेवा से निवृत्त हुये दिनांक 30-6-1982 (अपराह्न)।

सं० प्रशा० I/8.132/82-83/132—श्री वि० र०  
जयावेलु लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय आन्ध्रप्रदेश  
सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 30-6-82 अपराह्न

सं० प्रशा० I/8.132/82-83/132—श्री ओ० बी०  
नरसिंहम, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र  
प्रदेश सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 30-6-1982 (अपराह्न)।

सं० प्रशा० I/8.132/82-83/132—श्री जी० जे०  
मान्युयल लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय आन्ध्र  
प्रदेश सेवा से निवृत्त हुये दिनांक 1-7-1982 (पूर्वाह्न)।

बी० मेसन  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

## कार्यालय . निदेशक लेखा परीक्षा डाक-तार

दिल्ली-110054, दिनांक 13 जुलाई 1982

सं० प्रशासन-III/132/23(ग)/अधिसूचनाएं—निदेशक लेखा परीक्षा डाक-तार ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्था-  
नापत्र लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नत एवं नियुक्त करने तथा उनके सामने दर्शाये डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों  
में अगले आदेशों तक नियुक्ति के लिए सहर्ष आज्ञा दे दी है। उनकी पदोन्नतियां तदर्थ आधार पर है तथा संशोधनाधीन है।

क्र० सं०	नाम	डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय जिसमें अनुभाग अधिकारी के रूप में संबद्ध है।	डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय जहां नियुक्त किया गया।	लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करने की तिथि
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	सूनील भूषण बोष	कलकत्ता	"उससे नीचे नियम" के अन्तर्गत प्रोफार्मा पदोन्नति बम्बई	14-9-81 पूर्वाह्न
2.	विश्वलिगम रामास्वामी-I	मद्रास	"उससे नीचे नियम" अन्तर्गत प्रोफार्मा पदोन्नति	5-10-81 पूर्वाह्न
3.	अमिया कुमार चक्रवर्ती	कलकत्ता	"उससे नीचे नियम" के अन्तर्गत प्रोफार्मा पदोन्नति	30-10-81 पूर्वाह्न
4.	सांहन लाल-II	लखनऊ	जयपुर	30-10-81 पूर्वाह्न
5.	जयदेव करार	कलकत्ता	"उससे नीचे नियम" के अन्तर्गत प्रोफार्मा पदोन्नति	22-1-82 पूर्वाह्न
6.	मधुकर राजा राम बोके	नागपुर	दिल्ली	29-1-82 पूर्वाह्न
7.	पी० राधा कृष्णामूर्ति	हैदराबाद	बम्बई	22-1-82 पूर्वाह्न
8.	भुवन चन्द्र हजारा	कलकत्ता	"इससे नीचे नियम" के अन्तर्गत प्रोफार्मा पदोन्नति	29-1-82 पूर्वाह्न
9.	मुशील चन्द विश्वास	कलकत्ता	दिल्ली	29-1-82 पूर्वाह्न
10.	बंगलौर श्री निवासन	मद्रास	दिल्ली	18-2-82 पूर्वाह्न
11.	अरुण विकास बैनर्जी	कलकत्ता	लखनऊ	12-2-82 पूर्वाह्न
12.	अमलेन्दु भट्टाचार्यजी	कलकत्ता	अहमदाबाद	24-2-82 पूर्वाह्न

केवल धूपर  
उप निदेशक लेखा परीक्षा (मुख्यालय)

## रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा

आर्डनेंस फैक्टरी बांडे

कलकत्ता, दिनांक 6 जुलाई 1982

सं० 33/जी/82—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफ-  
सरो को उप प्रबन्धक/डी०ए०डी०जी०ओ० एफ० के पद पर  
उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं।

1. श्री ए० के० प्रभाकर सहायक प्रबन्धक (परखा-  
वधि) 30-4-82
2. श्री बी० शाहा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि) 30-4-82

सं० 34/जी/82—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफसर  
को स्थापनापत्र सहायक प्रबन्धक/टी० एस० ओ० के पद पर

उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं।

1. श्री एस० बी० धाम्बुस्वामी, फोरमैन 29-4-82

दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० 32/जी/82—स्वेच्छा निवृत्ति पर श्री आर० ए०  
कृष्णन, संयुक्त महाप्रबन्धक, एच० ई० फैक्टरी किरकी,  
(स्थायी प्रबन्धक) दिनांक 1 मितम्बर, 1981, अपराह्न से  
सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,  
सहायक महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां,

सं० 7/82/ए/ई-1—योग्य चिकित्सा अधिकारी ने श्री  
पी० जी० गोस्वामी, मौलिक एवं स्थायी स्थानापन्न सहायक



स्टाफ अफसर को सरकारी सेवा में स्थायी रूप से असमर्थ घोषित किया है तथा डी० जी० ओ० एफ० ने नियम 38 सी० सी० एस० पेंशन नियमों 1972 के अन्तर्गत उन्हें असमर्थ पेंशन स्वीकृत किया है। तदनुसार, श्री गोस्वामी की तबदला पेंशन स्थापना में दिनांक 11-6-82 से की जाती है, जिस तारीख में चिकित्सा अधिकारी उन्हें आगामी सरकारी सेवा करने में स्थायी रूप से असमर्थ घोषित किया है।

सी० एस० गौरीशकरन्,  
मदस्य/कार्मिक

वाणिज्य मंत्रालय  
(वस्त्र विभाग)

व्यवस्थापक विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1982

सं० ए०-19011/29/79-प्रशासन II (क)—राष्ट्रपति श्री बी० कृष्णास्वामी आयंगर, निदेशक (प्रोसेसिंग), बुनकर सेवा केन्द्र, मद्रास, को 30 जून 1982 (अपराह्न) में निवृत्ति की आयु होने पर सरकारी सेवा में निवृत्ति की अनुमति देते हैं।

दिनांक 5 जुलाई 1982

सं० ए०-19011/10/79-प्रशासन II (क)—राष्ट्रपति, श्री पी० के० प्रभाकर, उप निदेशक (डिजायन), बुनकर सेवा केन्द्र बंगलूर को 30 जून, 1982 के अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छिक सेवा निवृत्ति की अनुमति देते हैं।

पी० शंकर,  
अपर विकास आयुक्त व्यवस्थापक

कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन

गांधीधाम दिनांक 18 मई 1982

सं० एफ० टी० जेड०/प्रशासन/7/2/77—विकास आयुक्त, कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम-कच्छ, परीक्षक, सीमा शुल्क समाकर्ता, मद्रास के स्थानायक अधीक्षक श्री एम० रामनाथन, परीक्षक, कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम, जिसका वर्तमान रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-850-40-1000-ई० बी०-40-1200 है। प्रति नियुक्ति को सामान्य शर्तों पर वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० 10(24)160-ई० 3 दि० 4-5-1961 के आधार पर जैसा किसमय समय पर संशोधन हुआ है। दिनांक 19-4-82 को दोपहर से नियुक्ति करते हैं।

निरंजन सिंह,  
विकास आयुक्त,  
कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-11, दिनांक 7 जुलाई 1982

सं० ए० 19018(546)/81-प्रशा० (राज०)—भारत लैडर कारपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली में सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) (दक्षिणी क्षेत्र) के रूप में नियुक्ति होने पर श्री के० एम० नायडू ने लघु उद्योग सेव संस्थान, मद्रास के अधीन केन्द्रीय पादुका प्रशिक्षण केन्द्र, मद्रास में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (चर्म/पादुका) के अपने पद का कार्यभार 19-4-1982 (अपराह्न) से छोड़ दिया।

सी० सी० राय,  
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० प्र०-1/1(1156)—राष्ट्रपति पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड 1) श्री टी० बी० पोटे की तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 15-4-1982 से आगामी 6 मास के लिए अथवा पद के नियमित रूप से भरे जाने तक के लिए जो भी पहले हो, जारी रखने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सोहन लाल कपूर,  
उप निदेशक (प्रशासन),  
कृष्ण महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० प्र० 6/246(49)/57—राष्ट्रपति निरीक्षण-शक कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) (भारतीय निरीक्षण सेवा, समूह ए के ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा) श्री एन० एन० भादुड़ी को दिनांक 26 मई, 1982 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय, कलकत्ता में उपनिवेशक निरीक्षण (इंजीनियरी) (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह-ए के ग्रेड-II) इंजीनियरी शाखा के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री एन० एन० भादुड़ी की तदर्थ आधार पर नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं मिलेगा और तदर्थ आधार पर की गई सेवा ग्रेड में बरीयता और पक्षोन्नति तथा स्थाईकरण की पात्रता के लिए नहीं गिनी जायेगी।

सोहन लाल कपूर,  
उप निदेशक (प्रशासन)

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1982

सं० 29/6/81-एस० 2—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जे० चक्रवर्ती को आकाशवाणी सिल्वर में दिनांक 24-5-1982 (पूर्वाह्न) में फार्म रेडियो अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करने है।

सं० 29/7/81-एस-2—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री भागचन्द पवार का आकाशवाणी मूरतगढ़ में दिनांक 14-4-1982 (पूर्वाह्न) में फार्म रेडियो अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करने है।

एम० बी० सेपाद्रि,  
उप निदेशक प्रशासन,  
कृते महानिदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० ए० 19012/4/79-भण्डार-I—राष्ट्रपति ने चिकित्सा सामग्री भण्डार, मद्रास के सहायक डिपो मैनेजर श्री पी० के० गुह को 5 मई, 1982 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक तीन महीने की अवधि के लिये चिकित्सा सामग्री भण्डार, करनाल में डिपो मैनेजर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल,  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० ए० 12025/13 78 (एन० टी० आई०) एडमिन I—राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में पशु चिकित्सा (वैटर्नरी) अधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने पर डा० टण्डन ने 13 मई, 1982 अपराह्न से राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलूर में पशुचिकित्सक के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

टी० सी० जैन,  
उप निदेशक प्रशासन  
(ओ० एण्ड एम०)

## रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1982

## मार्गजनिक अधिसूचना

सं० 82/आर० ई०/161/6—उत्तर रेलवे क निम्नलिखित खंडों पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को समान्य सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे के निम्नलिखित खंडों पर उनके सामने उल्लिखित तारीख को 25000 बॉल्ट, 50 माइलिन,

ए० सा० शिरोपरि कर्षण तारों में बिजला चालू कर दी गई है। इस तारीख को तथा उसके बाद इस शिरोपरि कर्षण तारों को सदा “बिजलीयुक्त” माना जायेगा तथा किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को इन शिरोपरि लाइनों के पास आने या उन पर कोई काम करने का सर्वथा मनाहू रहेगा।

खंड	दिनांक
निजामुद्दीन—बाणक्यपुरी	14-6-82
बाणक्यपुरी—पटेल नगर	15-6-82
पटेल नगर—सदर बाजार	30-6-82
नई दिल्ली—तिलक ब्रिज—निजामुद्दीन	

हिम्मत सिंह,  
सचिव, रेलवे बोर्ड

## भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र

## कार्मिक प्रभाग

बम्बई 400 085, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० पी० ए० 15(1)/77-आर-4/678—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र श्री राधे श्याम उपाध्याय को निक अधिकारी/इजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के प्रभाग/अनुभाग बी० पी० पी० परियोजना में दिनांक 29 जून, 1982 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० सी० पाल,  
उप स्थापना अधिकारी

## परमाणु ऊर्जा विभाग

## विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई 5, दिनांक 2 जुलाई 1982

सं० बि० प्रा० इ० प्र०/32(20)/82-प्रशासन/पी० II—काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य प्रशासन अधिकारी, एक स्थायी लेखापाल एवं स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० एम० गणावा को काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना में लेखा अधिकारी-II के पद पर स्थानापन्न रूप से रु० 840-40-1000-र० रो०-40-1200 के वेतनमान पर मई 3, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जुलाई 1982

सं० बि० प्रा० इ० प्र०/3(283)/82-स्थापना-I/9110—निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्द्वारा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री पी० वासू को जून 21, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक इसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर

वर्ष आधार पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह व्यक्ति श्री एस० आर० आर० राव के स्थान पर की गयी है जिनकी पदोन्नति हुई है।

सं० नि० पा० २५/३(१९८२)/११५५पना 1/917/-  
निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजिनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्-  
गत क्रय तथा भण्डार निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी  
व्यक्ति तथा स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री बी० बी०  
राव को जून 25, 1982 के पूर्वाह्न में आगामी आदेश  
परी होने तक के लिए इस प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी  
पद पर तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-880-  
० रो०-40-960 के वेतनमान पर अस्थायी रूप से नियुक्त  
करते हैं।

आर० वि० बाजपेयी,  
सामान्य प्रशासन अधिकारी

#### क्रय और भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 5 जुलाई 1982

सं० क्र० भनि०/23/3/79-स्थापना/15043—पर-  
माणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक  
सहायक भंडार अधिकारी श्री के० चन्द्रशेखरन की भंडार  
अधिकारी के रूप में पदोन्नति हो जाने पर भंडारी श्री नील-  
ठ बाबूराव नाडकर्णी को रुपये 650-30-740-35-810-  
० रो०-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 के वेतन  
मान में तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में 15 मई 1982  
पूर्वाह्न से 15 जून 1982 (पूर्वाह्न) तक के लिए  
स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

सं० क्र० भनि०/23/3/79-स्थापना/15049—परमाणु  
ऊर्जा विभाग के क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने  
सहायक भंडार अधिकारी श्री जान वरीद की छुट्टी मजूर  
हो जाने पर भंडारी श्री का० ई० जॉर्ज को रुपये 650-  
३०-७४०-३५-८१०-२० रो०-३५-८८०-४०-१०००-२० रो०-  
४०-१२०० के वेतन क्रम में तदर्थ आधार पर 30 अप्रैल,  
1982 (पूर्वाह्न) से 11 जून, 1982 (अपराह्न) तक के  
लिए इसी निदेशालय में स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी  
नियुक्त किया है।

बी० जी० कुमकर्णी,  
सहायक कार्मिक अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 6 जुलाई 1982

सं० क्र० भनि० 2/15/80-स्थापना/15048—परमाणु  
ऊर्जा विभाग के क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक  
स्थायी भंडारी श्री पा० की० राधाकृष्णन को रुपये  
50-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२०  
१०-४०-१२०० के वेतन क्रम में इसी निदेशालय में तदर्थ  
आधार पर 28 दिसम्बर, 1981 पूर्वाह्न से 30 अप्रैल, 1982  
अपराह्न तक के लिए स्थानापन्न रूप में और 1 मई,

1982 (पूर्वाह्न) में अन्य आदेशों तक के लिए नियमित  
रूप में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० जी० मफे,  
प्रशासन अधिकारी

(भारा पाना मयत्र)

तृतीकोरिन-628007, दिनांक 17 अप्रैल, 1982

प्रकरण

मधुर्ष भापासंतु/स्था०/ह-4/तृती०/को०/636—भारी पानी  
मंत्रालय तृतीकोरिन के औद्योगिक स्थापना के श्री ए० आर०  
हरिहरन, अस्थायी कारीगर 'सी' को 15 जून, 1981 से  
14 अगस्त, 1981 तक छुट्टी स्वीकृत की गई थी। अगस्त  
7, 1981 को हरिहरन ने एक तार द्वारा अपनी छुट्टी 31  
अक्टूबर, 81 तक बढ़ाने का निवेदन किया। 17-8-81 को  
तार द्वारा श्री हरिहरन को सूचित किया गया कि उसकी  
छुट्टी मजूर नहीं की गई है, अतः तुरन्त ड्यूटी पर हाजिर हों।  
श्री हरिहरन 14-8-81 तक स्वीकृत छुट्टी के उपरान्त ड्यूटी  
पर हाजिर नहीं हुए। जब श्री हरिहरन स्वीकृत छुट्टी  
14-8-81 के उपरान्त ड्यूटी पर हाजिर नहीं हुए तो 14-8-81  
में अनधिकृत रूप में गैरहाजिर रहने के लिए उन्हें केन्द्रीय  
सिविल सेवा (वर्गीकरण नियन्त्रण एवं अपील) नियम 1965  
के उप नियम 14 के अन्तर्गत शापन सं० भापासंतु/स्था०  
ह-4/9026, दिनांक 18 सितम्बर, 81 को आरोप पत्र  
दिया गया। केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियन्त्रण  
एवं अपील) नियम 1965 के उप नियम 14 के अन्तर्गत  
जांच की गई। और जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट 12-11-81  
को प्रस्तुत की, जिस में उन्होंने कहा कि श्री हरिहरन  
15-8-81 से अनधिकृत रूप से गैर हाजिर रहे और उन्होंने  
केन्द्रीय सिविल नियम (अखिल) 1964 के उपनियम 14  
(i) (ii) का उल्लंघन किया है। जिस के अनुसार सर-  
कारी कर्मचारी को सम्पूर्ण समय में कोई ऐसा कार्य नहीं करना  
चाहिए जिससे वह सरकारी कर्मचारी न रहे। किन्तु इस से  
यह सिद्ध होता है कि उन्होंने ऐसा किया है। मैं जांच अधि-  
कारी के निष्कर्ष से सहमत हूँ। एक सरकारी कर्मचारी का  
स्वयं इस प्रकार गैर हाजिर रहना, किसी भी प्रकार यह सिद्ध  
नहीं करना कि वे अपने कर्तव्य के प्रति किसी भी स्तर पर  
निष्ठावान हैं। प्रकरण के सब पहलुओं पर विचार करने के  
उपरान्त मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि श्री हरिहरन सेवा  
में प्रतिधारण करने योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं।

आदेश

अतः, अब, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं  
अपील) नियम 1965 के उप नियम 12 (2) (ब) के अन्तर्गत  
प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, मैं इसके द्वारा आदेश देता

हू कि उक्त श्री ए० आर० हरिहरन को तुरन्त सेवा से बर्खास्त कर दिया जाय।

सी० बी० रामामूर्ति  
नार्थ प्रबंधक

प्रतिनिधि पेंपिन

श्री ए० आर० हरिहरन,  
32 एए, प्राइवेट लेन,  
चेन्नरमैन मुत्तुगमियर रोड,  
मदुराई-9.।

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० ए०-39012/6/81-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, गया एयरपोर्ट, गया के कार्यालय के श्री ए० के० सरकार, तकनीकी अधिकारी का दिनांक 30-9-81 (अपरान्ह) में सरकारी सेवा में त्यागपत्र मंजूर कर लिया है।

प्रेम चन्द,  
सहायक निदेशक प्रणामन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलय,

कानपुर, दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० 2/1982—निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षको, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने प्रशासनिक अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/लेखा परीक्षक वर्ग 'ख' वेतनमान में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर पदोन्नति होने पर प्रशासनिक अधिकारी/लेखा परीक्षक/केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' के पद का कार्य-भार उनके नाम के सामने दिये गये स्थान तथा तारीख को ग्रहण किया।

क्रम सं०	नाम	स्थान का नाम जहाँ पर पदोन्नति पर कार्यभार ग्रहण किया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
मर्चश्री			
1	य० आर० मेन	लेखा परीक्षक, मुख्यालय कानपुर	30-4-81 पू०
2	राधे श्याम सिन्हा	लेखा परीक्षक मुख्यालय कानपुर	29-8-81 पू०
3	एम० के० बत्रा	प्रशासनिक अधिकारी मुख्यालय कानपुर	13-4-82 पू०
4	ए० के० कार	प्रशासनिक अधिकारी, कानपुर डिवीजन II	24-4-82 अप०

सं० 3/1982—इस समाहर्तलय के निम्नलिखित वर्ग 'ख' अधिकारी अधिकर्षता की आयु प्राप्त होने पर उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से सरकारी सेवा में सेवा निवृत्त हो गये —

क्रम सं०	अधिकारी का नाम व पद	दिनांक
1	2	3
मर्चश्री		
1	जी० डी० सिन्हा, अधीक्षक, वर्ग 'ख' गोला रज, सीतापुर डिवीजन	31-8-81 अपरान्ह
2	हरि बाबू शर्मा, अधीक्षक वर्ग 'ख' मुख्यालय कानपुर	31-10-81 अपरान्ह
3	डी० डी० जैन, अधीक्षक वर्ग "ख" बरेली डिवीजन	30-11-81 अपरान्ह
4	के० के० चतुर्वेदी, अधीक्षक वर्ग 'ख' कॉयम-गज, फर्रुखाबाद डिवीजन	31-12-81 अपरान्ह
5	जे० के० दुरैया, अधीक्षक वर्ग 'ख' गुर-महायगंज, फर्रुखाबाद डिवीजन	31-12-81 अपरान्ह
6	डी० एन० चतुर्वेदी, अधीक्षक वर्ग 'ख' फर्रुखाबाद डिवीजन	31-1-82 अपरान्ह
7	एस० एन० मरवाह, अधीक्षक वर्ग 'ख' लखीमपुर रेंज, सीतापुर डिवीजन	31-1-82 अपरान्ह
8	एभ० एन० खन्ना, अधीक्षक वर्ग 'ख' बरेली डिवीजन	28-2-82 अपरान्ह
9	जे० एस० सक्सेना, अधीक्षक वर्ग 'ख' मुख्यालय, कानपुर	31-3-82
10	जे० एन० निवारी, अधीक्षक वर्ग 'ख' कानपुर डिवीजन-I	31-3-82 अपरान्ह
11	एम० के० बत्रा, प्रशासनिक अधिकारी, मुख्यालय, कानपुर।	30-4-82 अपरान्ह

जे० राम कृष्णन,  
समाहर्ता

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 6 जुलाई 1982

सं० ए० 19012/988/82-स्था० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री विश्वपति बामु, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 23 मार्च, 1982 की पूर्वाह्न से छः महीने की अवधि तक अथवा पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं ।

सं० ए-19012/988/82-स्था० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्रीमति जे० प्रसन्ना कुमारी को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 17 मई, 1982 की पूर्वाह्न से छः महीने की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं ।

मेहंगा राम,  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जून 1982

निदेश सं० जगाधरी/62/81-82—यत, मुझे, गो०  
सं० गोपाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको  
स्थान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
निम्नलिखित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु  
अधिक है

गौर जिसकी सं० नं० 5-82 है तथा जो शिवाजी पार्क, यमुना  
नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीग  
र्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, जगाधरी में रजिस्ट्रार कर्ता अधिनियम, 1908 1908 का  
16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
सके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
रिस्तारिक रूप में कीमत नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः --

(1) पुष्पा देवी पत्नी भाषानन्द, सम्पत्ति निम्नांकित  
नि० पटवापुर, बिमला देवी, पत्नी प्रेम प्रकाश नि०  
210-273 बलजान नगर दिल्ली-8, शान्ति, देवी  
पत्नी जगदश लाल, निहाल देवी नि० एम०  
एच० 4/51 न्यू माता नगर, देहली-85 गन्तोष  
कोहली पत्नी प्राण नाथ नि० 16 विष्णु नगर,  
जगाधरी, राजिन्दर नाथ पुत्र नाथ राम नि० 38/2  
चन्दर नगर, आलम बाग लखनऊ ।

(अन्तरक)

(2) श्री राज पाल मेठिया पुत्र सुब्बा, राम मेठिया  
सं० नं० 5-82, शिवाजी पार्क यमुना नगर ।

(अन्तरितियाँ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में-किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० नं० 5-82 शिवाजी पार्क, यमुना नगर में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रार कर्ता के कार्यालय,  
जगाधरी में, रजिस्ट्रार सहाय 1312 दिनांक 15-10-81 पर  
दिया है ।

गो० मि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

तारीख 16-6-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 16 जून 1982

निदेश सं० जगाधरी/65/81-82-यन., मुं०, गो० सि०  
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० नं० 507 जैसिको कालोनी है तथा जो  
जगाधरी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रारों अधिकारी के कार्यालय, जगा-  
धरी में रजिस्ट्रारों अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधिनियम तारीख अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पक्षापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन लाल पुत्र श्री गुरधत्ता मल नि० जैसिको  
कालोनी, जारोदा गेट, जगाधरी

(अन्तरक)

(2) श्रीमति लाजवन्ता देवी पत्नी सोम प्रकाश म० नं०  
507, जमिको कालोनी, जगाधरी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

संपत्ति मकान नं० 507 जैसिको कालोनी, जगाधरी में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
जगाधरी में, रजिस्ट्री संख्या 4158 दिनांक 8-10-81 पर  
दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-6-1982

मोहर :

प्रकट जाहें दी दू गद,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जून 1982

निदेश स० जगाधरी/63/81-82—यसः, मुझे, गो० सि०

गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० नं० 536-एल है तथा जो माडल टाउन, यमुनानगर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रभू प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेद प्रकाश चोपड़ा पुत्र श्री राजा राम चोपड़ा,  
मि० 636-एल माडल टाउन, यमुनानगर

(अन्तरक)

(2) श्री जसपाल सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह, म०  
नं० 536-एल, माडल टाउन, यमुनानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और कथों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 536-एल माडल टाउन, यमुनानगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्री संख्या 4273, दिनांक 12-10-81 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-6-1982

मोहर :



प्रकट आई० टी० एन० एल०—

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जून 1982

निदेश सं० अम्बाला/41/81-82—यतः मुझे, गो० सि०

गोपाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० नं० 316, महेश नगर है तथा जो अम्बाला  
छावनी में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 [(1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वारस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आई/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को वर्गीकृत करता हूँ—

(1) श्री लिलोक चन्द बुल होशियार सिंह नि० 18 बी,  
महेश नगर, अम्बाला छावनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति करुणा बालिया पत्नी श्री मनोहर बालिया,  
म० नं० 316, महेश नगर, अम्बाला छावनी।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना पाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निम्न  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति की वर्णन के अन्वय में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादस्थापना के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### सम्पत्ति

सम्पत्ति मकान नं० 316, महेश नगर, अम्बाला कैंट में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
अम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 4014, दिनांक 29-10-81 पर  
दिया है।

गो० सि० गोपाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख 16-6-1982  
मोहरः

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गुरनाम सिंह पुत्र पूरण सिंह, नि० कैलाश नगर,  
माडल टाउन, अम्बाला शहर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना(2) श्री भगवान सिंह पुत्र श्री शोभा सिंह म० न०  
90, कैलाश नगर, माडल टाउन, अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, राहतक

राहतक, दिनांक 16 जून 1982

निर्देश स० अम्बाला/50/81-82--यत, मुंझे, गो०  
सि० गोपालआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक हैऔर जिसकी म० न० 90, कैलाशनगर है तथा जो माडल  
टाउन, अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, ~~अर्जुन~~ ~~सिंह~~  
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों

अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;सम्पत्ति म० न० 90 कैलाश नगर, माडल टाउन, अम्बाला  
शहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्री मख्या 3703 दिनांक 7-10-  
81 पर दिया है।नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --तारीख 16-6-1982  
मोहरगो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेज, राहतक

प्रारूप आर्द्र टी एन-एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सेचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जून 1982

निदेश सं० अम्बाला/42/81-82—यन, मुझे, गो० मि०  
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु से अधिक है

और जिसकी सं० न० 1428 है तथा जो वार्ड न० 6  
अम्बाला शहर में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में स्वीकृत नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमति अमर देवी, श्री बदरी प्रसाद नि० अम्बाला  
शहर

(अन्तरक)

(2) श्री जवाहर लाल पुत्र श्री माती लाल सं० न०  
1428 वार्ड न० 6 अम्बाला शहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान न० 1428 वार्ड न० 6 अम्बाला शहर  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 3982 दिनांक 26-10-82  
पर दिया है।

गो० मि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज रोहतक

तारीख 16-6-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जून 1982

निदेश सं० अम्बाला/44/81-82—यतः, मुसे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० नं० 5088-वार्ड-3/12 12-बी-III है तथा जो अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रस्तुत 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के प्राधिकार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथाः--

(1) सर्वश्री निर्मल कुमार, कोमल कुमार, अनिल कुमार पुत्रान श्री कमला बन्ती विद्यवा श्री धर्म प्रकाश, श्रीमति रीता जैन पत्नी श्री निर्मल कुमार नि० बी०-328/1, ग्राम सिंह रोड, मिबिल लाहम, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति निशाला जैन पत्नी श्री सुशील कुमार नि० 5088/3, अम्बाला शहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अन्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 5088, वार्ड नं० 3/1212 बी-III अम्बाला शहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 3958 दिनांक 23-10-81 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 16-6-1982  
मोहरः

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जून 1982

निर्देश सं० अम्बाला/46/81-82--यत, मुझे, गो०  
सि० गोपाल

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मजमूदा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० ए० एम० सी०/606/3-बी/2,  
है तथा जो माडल टाउन, अम्बाला शहर में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1981

को-प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरक 1 हुई किमा धाय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में  
रही करते या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या।

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  
9-176GI/82

(1) श्री विजय कुमार लाम्बा पुत्र मुख राज नि०  
कैलाश नगर, माडल टाउन, अम्बाला शहर।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय नारायण दास पुत्र राम रूप, शकुन्तला  
पत्नी श्री विजय नारायण सं० नं० 606/ए० एम०  
सी०/3, कैलाश नगर अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संकेतकरण:--उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० नं० ए० एम० सी०/606/3-बी/2, माडल  
टाउन, अम्बाला शहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 3817  
दिनांक 15-10-81 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल

मजमूदा प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 18-6-1982

मोहर

प्रकृष माई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जून 1982

निदेश सं० अम्बाला/48/81-82—यस, मुझे, गो० सि०  
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० नं० 205 है तथा जो माडल टाउन,  
अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अम्बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी ऋण की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी ऋण या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री साई दास खन्ना पुत्र हरि चन्द नि० सी०-  
529, सरस्वती विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरचन्स लाल लाम्बा पुत्र मूल राज, देवेन्द्र कुमार  
पुत्र हरचन्स लाल नि० 324-बी, माडल टाउन,  
अम्बाला शहर

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 205, माडल टाउन, अम्बाला शहर  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-  
लय, अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 3710 दिनांक 6-10-81 पर  
दिया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 18-6-1982

मोहर:

प्रकृष बाई. टी. एम्. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जून 1982

निर्देश सं० सोनीपत/83/81-82—यतः, मुझे, गो० सि०  
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसका  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
सहायक आयकर अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि 73 कनाल 17 मरले है तथा जो  
किसोरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने में अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती बरकी बिधवा कंवल सिंह, इन्दर सिंह, महेंद्र  
सिंह, हुकम चन्द एवम् श्रीमती सतबीरों, शेर सिंह  
पुत्र फूल सिंह, गांव किशोरा ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री हरीश कपूर, सतीश कपूर, अरुण कपूर  
पुत्रान श्री देस राज नि० सी०-12, कैलाश कालोनी,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बा१  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 73 कनाल 17 मरले गांव किशोरा में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 3189, दिनांक 17-10-81 पर  
दिया है ।

गो० सि० गोपाल  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख 18-6-1982

मोहर :

प्ररूप धार्डी० टी० एम० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जून 1982

निदेश सं० गुड़गावां/78/81-82—यत, मुझे, गा० सि०  
गोपाल

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी म० नं० 1375, सेक्टर नं० 4, अर्बन एस्टेट  
है तथा जो गुड़गावां में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्या-  
लय, गुड़गावां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हरबन्स लाल साहनी पुत्र श्री कान्ता राम साहनी  
टी-452, बलजीत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मुख राज साफल श्री आणा नन्द म० नं०  
105-आर, न्यू कालोनी, गुड़गावां।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ब्यक्त में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 1375 सेक्टर नं० 4, अर्बन एस्टेट,  
गुड़गावां में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय, गुड़गावां में, रजिस्ट्री संख्या 2840 दिनांक  
6-10-81 पर दिया है।

गा० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज रोहतक

तारीख : 18-6-1982  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जून 1982

निर्देश सं० गुन्गावा/128/81-82—यन मुझे, गो० सि०  
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी कोठी न० 2 का 1/2 भाग है तथा जो  
न्यू कालोनी, गुडगावा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-  
गुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, गुडगावा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री त्रिलोचन सिंह पुत्र मुजान सिंह, न्यू कालोनी,  
गुडगावा

(अन्तरक)

(2) श्री राजन सूटा पुत्र जय दयाल सूटा, कोठी न० 2,  
न्यू कालोनी, गुडगावा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठी न० 2 का 1/2 भाग, न्यू कालोनी, गुडगावा  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
गुडगावा में, रजिस्ट्री मख्या 3059 दिनांक 26-10-81  
पर दिया है।

गो० सि० गोपाल

गक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 18-6-1982  
मोहर

प्रकरण आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जून 1982

निदेश सं० बल्लभगढ़/500/81-82—यतः, मुझे, गो०

सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका म० नं० 117 है तथा जो चाबला कालोनी, बल्लभगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री जवाहर लाल पुत्र हरद्वारी लाल नि० दयालपुर त० खुर्जा (प्र० प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्रीमति प्रेमवती पत्नी श्री बिहारी लाल पुत्र हीरा लाल नि० गांव धौज ग्राम म० नं० 117, चाबला कालोनी, बल्लभगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरित लेख लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति मकान नं० 117, चाबला कालोनी, बल्लभगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 9805 दिनांक 1-10-81 पर दिया है ।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

तारीख 18-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जून 1982

निदेश सं० बल्लभगढ़/501/81-82—यतः, मुझे, गो०  
सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी दुकान तजदीक जानकी धर्मशाला है तथा जो बल्लभगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री शिवजी राम पुत्र श्री माधो राम 10/8, गली सुभाष चन्द्र, देहली-32 ।

(अन्तरक)

(2) श्री शाम लाल पुत्र किशन लाल, बाजार ऊंचा गांव बल्लभगढ़ अब ग० न० 211, बाई न० 6, गली न० 3, बल्लभगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

संपत्ति दुकान जानकी धर्मशाला के निकट बल्लभगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 10014 दिनांक 6-10-81 पर दिया है ।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 18-6-1982

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जून 1982

निर्देश सं० बल्लभगढ़/432/81-82—यतः, मुझे, गो०  
सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी दुकान नं० 414, नेहरू ग्राउंड है तथा जो एन०  
आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ए० में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एस० के० शर्मा, एडवोकेट पुत्र श्री राम सहाय  
शर्मा, नि० गोन्द रेगने रोड, गडगावां।

(अन्तरक)

(2) श्री मेहर चन्द पुत्र श्री एन० सी० गेरा, नि० 5-एन,  
2-ए न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 414, नेहरू ग्राउंड, फरीदाबाद में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 9844 दिनांक 1-10-81  
पर दिया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 18-6-1982

मोहर :

प्रत्य आई० सी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 जून 1982

निदेश सं० बल्लभगढ़/433/81-82—यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी दुकान नं० 415-बी, नेहरू ग्राउंड है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि—

4—176GI/82

(1) श्रीमति नरेण शर्मा पत्नी श्री एस० के० शर्मा, एडवोकेट, गेले रोड, गुडगावा

(अन्तरक)

(2) (1) श्री सन्तराम गेरा पुत्र एन० सी० गेरा, नि० म० नं० 93, सेक्टर 15-ए, फरीदाबाद ।

(2) श्री अजय गेरा पुत्र श्री एन० सी० गेरा, म० नं० 88, सेक्टर 15-ए, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के सम्बन्ध कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मर्यादित होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदनाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 415-बी, नेहरू ग्राउंड, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 9845 दिनांक 1-10-81 पर दिया है ।

गो० सि० गोपाल

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख 18-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जी० मुरगेशन, जी० युवराज, के० गंगाधरन चेट्टियार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री कुमजिलाल, बेय्या नारायण प्रकाश बेय्या  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जून 1982

निवेश सं० 16731—अतः मुझे आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36 है, जो वाल्लरस रोड, 9 रिप्पी स्ट्रीट  
माउन्ट रोड मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, ट्रिपलिकेन (डाकुमेंट सं० 923/81) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन प्रकट, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से है कि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 36 वाल्लरस रोड और 9 रिप्पी  
स्ट्रीट, माउन्ट रोड, मद्रास-2

(डाकुमेंट सं० 923/82)।

आर० पी० पिल्लै

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेन रेंज, मद्रास।

तारीख: 8-6-1982

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) रास पति

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० नासयणस्वामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जून, 1982

को यह सूचना जारी करन पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

निदेश सं० 11698—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिना उर्वा बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० 23/1, 24 और 25 (पार्ट) है, जो चिन्नानादमपट्टी में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्गामी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, गांधीपुरम (डाकुमेंट सं० 4786/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति या प्रभोदस्वामी के प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मान्यता

भूमि—एस० एफ० सं० 23/1, 24 और 25 (पार्ट) चिन्नानादमपट्टी।  
(डाकुमेंट सं० 4786/81)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 9-6-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जून, 1982

निदेश सं० 11705—यसः, मुझे, आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 328/7/2 है, जो लक्ष्मीनगर  
मैन रोड, तिरुप्पुर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, तिरुप्पुर (डाकुमेंट सं० 2874/81)  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सेनबकवल्लु, तमगम्माळ मुत्तुस्वामी सुब-  
मनियम, कृष्ण, मुरलीधरन, और सेनतिल।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० पलनियप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 328/7/2 लक्ष्मी-  
नगर, मैन रोड, तिरुप्पुर।

(डाकुमेंट सं० 2874/81)।

आर० पी० पिल्लै

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 4-6-1982

मोहर :



प्रकरण आर्. टी. एन. एस -----

(1) श्री जोसेफ एन्ड्रू रॉ. सिलवा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री एस. कृष्णस्वामी

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

निवेश सं० 11693—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्ल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 1/1475 है, जो ट्रिची रोड  
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5661/81) में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आर्/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 1/1475, ट्रिची रोड, कोयम्बटूर  
(डाकुमेंट सं० 5661/81)।

आर० पी० पिल्लै

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

तारीख: 1-6-1982

माहूर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री जोसफिन पनचूट

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सचना

(2) श्री एस० कृष्णस्वामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1982

निदेश सं० 11693—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 1/1475 है, जो ट्रिप्ली रोड  
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5660/81) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
से कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 8/258, ट्रिप्ली रोड, कोयम्बटूर  
(डाकुमेंट सं० 5660/81)।

आर० पी० पिल्लै  
सधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1जून-1982

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1982

निदेश सं० 11693—यतः मुझे, आर० पी० पिस्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 1/1475 है, जो ट्रिची रोड कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5659/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय भी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों: कर्ता।—

(1) श्रीमती लूयिस आनटू ठि सिलवा

(अन्तरक)

(2) श्री एस० कृष्णस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांधले :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 1/1475 ट्रिची रोड, कोयम्बटूर।  
(डाकुमेंट सं० 5659/81)।

आर० पी० पिस्ले  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 1-6-1982

मोहर :

प्रकृष्य आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री टरेसा रोसरियो

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री एस० कृष्णस्वामी

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1982

निदेश सं० 11693—यत मुझे, भार० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 15,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 1/1475 है, जो ट्रिचि रोड कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5658/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित करे गए हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुरोध अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

भूमि और निर्माण टी० एस० 1/1475 ट्रिचि रोड, कोयम्बटूर।

(डाकुमेंट सं० 5658/81)।

भार० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 1-6-1982  
मोहर

प्रमुख बाईं टी. एन. एस. -----

(1) श्री केसव मैकेल टी० सिलवा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० कृष्णस्वामी

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन जेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून, 1982

निर्देश सं० 11693—अन. मुस. आर० पी० पिल्सै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० 1/1475 है, जो टिन्नी रोड  
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुगृही में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5647/81) में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम० दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की वृद्धि, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तिवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए

अन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  
5—176 GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एम० 1/1475 टिन्नी रोड,  
कोयम्बटूर।

(डाकुमेंट सं० 5647/81)।

आर० पी० पिल्सै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन जेंज-II, मद्रास।

तारीख: 1-6-1982

मोहर:

प्ररूप आर्. टी. एन्. एस.-----

(1) श्री जोसफन पनचट

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० कृष्णस्वामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1982

निदेश सं० 11693—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 1/1475 है, जो टिची रोड,  
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5648/81) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
व्यस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 1/1475, टिची रोड, कोयम्ब-  
टूर।

(डाकुमेंट सं० 5648/81)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 1-6-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

(1) जेरेसा रोसारियो

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री एम० कृष्णस्वामी

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।---

निर्देश सं० 11693--यन., मुझे, आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० टी० एम० 1/1475 है, जो ट्रिची रोड,  
कोयम्बटूर-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5649/81) में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
16 अक्टूबर, 1981

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

कोई पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

ननसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

भूमि और निर्माण टी० एम० सं० 1/1475, ट्रिची रोड,  
कोयम्बटूर।

(डाकुमेंट सं० 5649/81)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 1-6-1982

मोहर .

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री अनटोनि जोसफ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० कृष्णस्वामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1982

निदेश सं० 11693/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ने अधिक है, और जिसकी सं० टी० एस० 1/1475 है, जो ट्रिची रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5650/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन लागू श्रवतूर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अहित नहीं किया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा दूंगा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वितीयों से के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 1/1475, ट्रिची रोड, कोयम्बटूर।

(डाकुमेंट सं० 5650/81)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 1-6-1982

मोहर :



प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

(1) लूडम आनद्र दि मिल्वा

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० कृष्णस्वामी

(अन्तरिक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11 मद्रास

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 1 जून 1982

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

निवेदन सं० 11693---यनः, मुझे, आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हम  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसका सं० टी० एम० 1/1475 है, जो ट्रिची रोड,  
कोयम्बटूर में स्थित है (आर० इमाने उपायक अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के  
कार्यालय, कोयम्बटूर (डकुमेंट सं० 5651/81) में रजिस्ट्रार  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्षे प्रतिफल से अधिक है और अन्तरण (अन्तरिक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एम० 1/1475, ट्रिची रोड,  
कोयम्बटूर।

(डकुमेंट सं० 5651/81)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

आर० पी० पिल्लै

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित धारितियों में

तारीख : 1-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1982

निदेश सं० 11693—यन मुझे, आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका सं० टी० एम० 1/1475 है, जो ट्रिचि रोड,  
कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के  
कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5652/81) में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1909 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
अक्तूबर, 1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गोमप आनंदु दि मिल्वा

(अन्तरक)

(2) श्री एम० कुण्डम्बामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी  
के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एम० 1/1475, ट्रिचि-रोड,  
कोयम्बटूर।

(डाकुमेंट सं० 5652/81)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-II, मद्रास

तारीख : 1-6-1982

मोहर :

प्रकृष्ट भाग टी.एन.एस.-----

(1) श्री केशन मैकेन डि मिल्ले

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम. कण्ठनाम

(अन्तर्गत)

## भारत सरकार

आयलिय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून, 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराया हुआ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश्व  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इस  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

निर्देश सं० 1169 :—यतः मुझे, आर० पी० मिल्ले  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एम० 1/1475 है, जो द्विती रोड,  
कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में श्रीर  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की कार्यालय,  
कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5656/81), में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रजिस्ट्रार  
के भीतर कथित नहीं किया गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

श्रीर और निर्माण टी० एम० सं० 1/1475, द्विती रोड,  
कोयम्बटूर।

(डाकुमेंट सं० 5656/81)।

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूचन  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित:—

तारीख : 1-6-1982

मोहर :

आर० पी० मिल्ले  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास।

प्रारूप धारा 10 टी० एन० एस०

(1) श्री अन्टोनि जोसफ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० वृण्णस्वामी

(अन्तर्गति)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यज्जन रैंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून, 1982

निदेश सं० 11693--यन० मु० आ० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

श्री एन० एस० टी० एम० सं० 1/1175 है, जो द्विती  
रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
आयिन्वय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5657/81) में  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एम० 1/1475, द्विती रोड,  
कोयम्बटूर।

(डाकुमेंट सं० 5657/81)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
यज्जन रैंज-2 मद्रास।

तारीख : 1-6-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० आर०-2/  
10-81/6025--प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मिरसपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधिन तारीख अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिस्व बेकमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चातिष्ठ या छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

6—176 GI/82

(1) श्री जगमल सिंह सुपुत्र श्री खजान सिंह, निवासी  
ग्राम हैदरपुर, जी० ए० श्री नेकी राम, सुपुत्र  
श्री उदमी, निवासी ग्राम मिरसपुर, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री हारा लाल,  
सुपुत्र स्वर्गीय श्री गीरी लाल, निवासी 2131,  
मुकीमपुरा, एस० मंडी, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शायिस्व:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृतसूची

कृषि भूमि तादादी 1 बीघा (1000 वर्गगज), खसरा  
नं० 588, ग्राम मिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 21-6-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एनए० 2/एस० आर०-2/  
10-81/6026—अर्ज मुन्ने, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसका मूल्यांकन भूमि है तथा जो ग्राम मिरसपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूचि में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकार, के कार्यालय, नई दिल्ली;  
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अर्जन तारीख अवतुष, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निर्म्मांकित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री जगमल सिंह सुपुत्र श्री खजान सिंह, निवासी  
नैदगपुरा, दिल्ली द्वारा ज० ए० श्री नेकी रामा,  
सुपुत्र श्री उदम; निवासी ग्राम मिरसपुर, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री राजीन्दर जैन सुपुत्र श्री गोपी राम जैन,  
निवासी 5288 कोल्हापुर, हाउस एन० मडी,  
दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वेषाक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि तादादी 1 बीघे (1000 छतरा न० बर्गगज  
588, ग्राम मिरसपुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 21-6-1982  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/

10-81/6018—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981 को  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री अतर सिंह, करतार सिंह, दरीयाओ सिंह  
सुपुत्र श्री धर्मा, राजीन्दर सुपुत्र एस० सरदार सिंह,  
मुख्तियार सिंह, मोहीन्दर सिंह नफीसिंह सुपुत्र  
श्री दाता राम, निवासी—ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री श्याम लाल सुपुत्र श्री मथुरा प्रसाद और  
गोरधन दास सुपुत्र श्री बाबू सिंह निवासी—शास्त्री  
नगर, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि-बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे 10 बिघे, ग्राम--सिरसपुर,  
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 21-6-1982  
मोहर :

**वक्तु आई. टी. एन. एच.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस०-आर०-2/

10-81/6020--अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-होलम्बी कलाँ,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्ध;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

(1) श्री जगजीत सिंह सुपुत्र श्री राम सरूप, निवासी-  
ग्राम और पो० होलम्बी खुर्द, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला रानी पत्नी गुरु वत्त, निवासी-  
के०-4, मोडल टाउन, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे 16 बिघे, ग्राम-होलम्बी  
कलाँ, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-6-1982

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/  
10-81/6058—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981 को  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्याम लाल सुपुत्र श्री मथुरा प्रसाद और  
गोरधन दास सुपुत्र श्री बालू राम, निवासी—शास्त्री  
नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शान्ती देवी पत्नी पं० ज्ञान, निवासी—मेरठ,  
यु० पी०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 बीघा ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-6-1982

मेहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर०-2/  
10-81/5973—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खेरा खुर्द,  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीयत् नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री भारत सुपुत्र श्री सुधन, निवासी ग्राम खेरा  
खुर्द, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बलजी सिंह सुपुत्र श्री केवल राम, निवासी  
शमैयपुर, दिल्ली, और श्री ए० सी० दुग्गा सुपुत्र  
श्री लाधा राम निवासी आर०-524 न्यू राजीन्द्र  
नगर, नई दिल्ली, श्री देविन्दर कुमार बिज  
सुपुत्र श्री एन० आर० बिज, निवासी मुलतानी  
ढान्डा, पहालगंज, नई दिल्ली, श्री अमीत गोयल  
सुपुत्र श्री जे० पी० गोयल, निवासी डी-13 ए/  
8, मोल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे 11 बिघे, ग्राम खेरा खुर्द,  
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 21-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एम्० आर०-2/  
 10-81/6024---प्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
 और जिसकी मंख्या भूमि है तथा जो होस्पिटल रोड, चानन-  
 सिंह, पार्क, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
 कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर,  
 1981 को  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐत  
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है चा  
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच  
 ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित  
 नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण यह हुई कि जो आय का भाग उक्त अधि-  
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
 से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
 लिए, और/या

(ख) ऐसा किया आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राम लाल सुपुत्र श्री रेवा राम, निवासी-  
 टोडापुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुबाश चन्द जैन सुपुत्र श्री मदन महाजन,  
 निवासी-196/4, सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 217-1/2 वर्गगज, होस्पिटल रोड, चानन-  
 सिंह पार्क, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-6-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर०-2/  
10-81/8503—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-6 है तथा जो राजन बाबू रोड, आदर्श  
नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर,  
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृह्य है और मैंने यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्तों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विरेन्द्र कुमार और श्रीमती सुनन्दा, निवासी  
ई-6, राजन बाबू रोड, आदर्श नगर, दिल्ली-33।  
(अन्तरक)

(2) श्री भूप सिंह और श्रीमती मूर्ती देवी, दोनों  
निवासी 810/48, ली नगर, नई दिल्ली-35।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है

अनुसूची

ई-6, राजन बाबू रोड, आदर्श नगर, दिल्ली-33  
आबादी ग्राम भारोला, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 21-6-1982  
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री बेग राज सुपुत्र श्री कालू, निवासी ग्राम और गो० होलम्बी कलां, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वल्लभ सिंह सुपुत्र श्री मंगल सिंह निवासी ए/2 रवर्ण सिंह रोड, आदर्श नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-2/  
10-81/6022—प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी कलां, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत् में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

7-176G1/82

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 बीघे, 6 बिघे, ग्राम होलम्बी कलां, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 21-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/  
10-81/6021—अन. मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी  
कलां, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर,  
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री बेग राज सुपुत्र श्री कालू, निवासी ग्राम  
होलम्बी कलां, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला रानी, पत्नी स्वर्गीय श्री गुरु  
दत्त, निवासी के०-4, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

कृषि भूमि तावादी 8 बीघे 12 बिस्के, ग्राम होलम्बी  
कलां, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख . 21-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

(1) श्री सुबे सिंह सुपुत्र श्री, हरलाल सिंह,  
निवासी-ग्राम-केर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/  
10-81/6037—यत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-नागली  
शकरावती, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिवार  
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रिवरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
अक्तूबर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदत्त  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सहायता के लिए,अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(2) ईश्वर सिंह शर्मा सुपुत्र श्री छत्तर सिंह,  
निवासी-आर०-जेड-22, नया बाजार,  
नजफगढ़, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 बिघा 9 बिघे, मु० न० 32,  
किला न० 21/1, ग्राम-नागली शकरावती, दिल्ली ।नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रज-2, नई दिल्लीतारीख - 21-6-1982  
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एफ०/2/एस० आर०-2/

10-81/5871—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे०-10/13 है, तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ग्राम ततारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) एस० गुरबचन सिंह सपुल श्री एस० रणधीर सिंह कुकरेजा, निवासी-स्टेशन रोड, पटना-1

(अन्तरक)

(2) मै० सुभाष चन्दर कथुरीया एच०यू०एफ०, द्वारा कर्ता श्री सुभाष चन्दर कथुरीया और मै० रमेश चन्दर कथुरीया एण्ड सन्स एच०यू०एफ०, द्वारा, कर्ता-श्री रमेश चन्दर निवासी-ए०-47, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अमुखा

प्लॉट नं० जे०-10/13, क्षेत्रफल-272 वर्गगज, स्थापित राजोरी गार्डन, नई दिल्ली एनीया ग्राम-ततारपुर, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख . 21-6-1982

मोहर :



## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 29 मई 1982

निर्देश सं० आई०एन०सी०/एक्यू 2/एम०आर 2/10-81 6070,—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू-जेड-64 ए/5, है तथा जो मुखर्जी पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पश्चात् प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना —

- (1) बल्लभ कोर पत्नी श्री प्रेम सिंह,  
निवासी-141 एम० पी० मुखर्जी पार्क,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) जगन नाथ शर्मा सपुत्र श्री बल्लभ राम शर्मा,  
निवासी-डब्ल्यू-जेड-46 विष्णु गार्डन, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

मकान न० डब्ल्यू-जेड-64 ए/5, भूमि का माप- 233-1/3 वर्गगज, स्थापित-मुखर्जी पार्क, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

तारीख 25-5-1982  
माहर

प्ररूप आई टी. एन. एस.-----

(1) एस० शम सिंह सपुत्र श्री एस० कौशिक सिंह,  
14/22, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) इन्दरजीत कौर पत्नी एस० हरपाल सिंह,  
208-एच०, एम०आई०जी० फ्लेट्स,  
राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०-2/एस-आर/  
2/10-81/6044—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक हैऔर जिसकी सं० ई०-2 है तथा जा फतेह नगर, मोहल्ला  
गुरुनानक पुरा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर,  
1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लॉट न० ई-2 तादादी 200 वर्गगज, खसरा न०  
454 फतेह नगर, मोहल्ला गुरुनानक पुरा, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

तारीख 25-5-1982

मोहर

प्ररूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एसयू/2/एस-आर-2/10-

81/5916,—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो पंखा रोड दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981  
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल को लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मदन मोहन जैन सपुत्र श्री एल०सी०जैन,  
निवासी-196/4,  
मदर बाजार, दिल्ली केन्द्र

(अन्तरक)

(2) श्री वासुदेव जैन सपुत्र श्री मदन मोहन जैन,  
निवासी-ए० 2/287 पंखा रोड,  
जनकपुरी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ऑफ़ेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 351 वर्ग मीटर, स्थापित पंखा रोड,  
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू० 2/एम०आर०—2/10—  
81/5795.—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-64, है तथा जो इन्दरपुरी, कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृष्टापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए।

अतः धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैं सउथ एरिया, इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 10-वरिया गंज, नई दिल्ली रजि० आफिस राजपुरा पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) मैं डालमियां ब्रिस्कट्स प्रा० लि०, राजपुरा, पटियाला (दिल्ली आफिस 10-दरियागंज, नई दिल्ली )

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-64, इन्दरपुरी कालोनी, नई दिल्ली, 256.68 वर्गमीटर (306.7/8 वर्गगज) ।

नरेन्द्र सिंह,

सभ्य प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख 21-6-1982

स्रोतः

प्रारूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/10-  
81-6063—अन. मुखे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मिरसपुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हटने किसी आय की दायित्व, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूर्खता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-176 OI/82

(1) श्री लक्ष्मी नारायण गर्मा सुपुत्र श्री रामजीलाल,  
निवासी-ए-229, शास्त्री नगर,  
दिल्ली प्रशासन दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मरन जीत सिंह सोधी सुपुत्र श्री रघवीर सिंह,  
सोधी निवासी-ए०ई-1, टैगोर गार्डन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सादादी 14 विघे (700 वर्गगज), खसरा  
नं० 215, ग्राम-मिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन-रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 25-5-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज 2, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्स/2/एम०आर० 2/10-81/5814—अन मुझे नरेन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संपत्ति प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कादीपुर दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया रहा जा रहा है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री जय प्रकाश, प्रेम प्रकाश, और श्रीम प्रकाश,  
पुत्र श्री प्यारे लाल,  
निवासी-ग्राम-मुखमेल पुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री भीम सिंह पुत्र श्री राम मेहर  
निवासी-ग्राम सिधोला, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जा के लिए कार्यवाहियां करवा रहा हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

राष्ट्रीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राय 20-8 में यथा परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 14 बिघे 8 बिघे, ग्राम-कादीपुर,  
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज 2 नई दिल्ली,

तारीख : 25-5-1982  
माहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्स/2/एस०आर०-2  
10-81/6064—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम सिरसपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) संबंध में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा सपुत्र श्री रामजीलाल, निवासी-ए० 229, शास्त्री नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद सपुत्र स्वर्गीय श्री फतेह चन्द, निवासी-सी० 3/30, अशोक विहार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन काले कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वस्वीकरण :—इस सूचना में और परोक्ष, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 14 बिघे (700) वर्ग गज, खसरा नं० 215, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,

मक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री सुधीश कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री  
निवासी—अंशारी रोड, दरिया गज, दिल्ली ।  
(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री देविन्दर सिंह सुपुत्र एम० कर्नार सिंह,  
निवासी—गुरुनानकपुरा, बिहार ।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आर०2/10-  
81/6070—अतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी,  
दिल्ली में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
त्रयोषणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 9-1/2 बिघे, खसरा नं० ग्राम—  
बुरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर :



प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एन्यू०-2/एस०आर०-2/  
10-81/5835--अतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-ककरौला,  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981,  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री उमराव सिंह सुपुत्र श्री नेकीराम,  
निवासी--ग्राम-शाहवाड,  
पोस्ट पालम, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना कखर पत्नी श्री हरदेव कखर,  
निवासी--बी०-1/632 जनकपुरी,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 8 बिघे 8 बिघे, ग्राम-ककरौला,  
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०२/एस०आर० 2/  
10-81/6061—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मिरमपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अवतुंबर, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ईश्वर सिंह सुपुत्र श्री सूरत सिंह,  
निवासी बी-1447, शास्त्री नगर,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कमल कुमार मित्तल सुपुत्र स्वर्गीय श्री भागवती  
प्रसाद मित्तल, निवासी-553 जोशी रोड,  
करोल बाग, दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 400 वर्गगज, खसरा नं० 32, ग्राम  
सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 21-6-1982

मोहर :

प्रमाण आहूट, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू० 2/एम०आर० 2/

10-81/6019—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर,  
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) अतरसिंह, दरीयाओ सिंह,  
करतार सिंह सुपुत्र श्री धरमा,  
मुख्तियार सिंह, महेन्द्र सिंह,  
नाफे सिंह सुपुत्र श्री दत्ता राम,  
राजीन्द्र सिंह सुपुत्र श्री सरदार सिंह,  
निवासी ग्राम सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) ग्राम लाल सुपुत्र श्री मथुरा प्रसाद और गार-  
धन दास शर्मा सुपुत्र श्री बार्नसिंह,  
निवासी शास्त्री नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 विघे 10 विश्वे, स्थापित ग्राम सिरसपुर  
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख: 21-6-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/

10-81/6027—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृत्ति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगमल सिंह सुपुत्र श्री खजान सिंह,  
निवासी-ग्राम-हैदर पुर,  
दिल्ली जी०ए० श्री नेकी राय,  
सुपुत्र श्री उदमी,  
निवासी-ग्राम-मिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीजय गोपाल सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण,  
निवासी-23/3, शक्ति नगर, दिल्ली,

(2) ललीत कुमार जैन सुपुत्र श्री त्रिलोक चन्द जैन,  
निवासी 4494 गली राणा पाटनवाली,  
पहाड़ी धीरज दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमरसूची

भूमि तादादी 1 बिघा (1000 वर्गगज) खसरा न० 588, स्थापित ग्राम-सिरसपुर दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आर० 2/10-81/  
6049—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सञ्चन अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी संख्या कृपि भूमि है तथा जो ग्राम-लिबासपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर,  
1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थाप्यपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल व, ऐव दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के  
बोच ऐव अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आरितियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रपञ्जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहे था, छिपान  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-176GI/82

(1) शिवराज, मनी राम सुपुत्र श्री मंगल राम, दया चन्द,  
सिराज, वेद राज, गंज राज, सुपुत्र श्री भोजो राम,  
मंगल राम और भाजी राम सुपुत्र श्री हरदेव,  
सभी निवासी-ग्राम और पोस्त लिबासपुर  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) अशोक कुमार सुपुत्र श्री राम प्रसाद,  
निवासी-109/2/एच, ब्लाक 'ए' सी० सी०  
कालोनी, दिल्ली-110007,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताफरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि तादादी 679 वर्गगज, खसरा नं० 30/5, ग्राम-  
लिबासपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,

तारीख : 21-6-1982

मोहर :

प्रखण आर्द्ध टी एन एम - -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/10-  
 81/6013—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के  
 अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-निवासपुर,  
 दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
 पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
 लय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर,  
 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
 पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
 निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक का आय-व में  
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
 और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या धन प्राप्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने  
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
 मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अश्वनी शर्मा, सुपुत्र श्री हरबंश लाल शर्मा, निवासी-  
 ग्राम-समेयपुर, दिल्ली जी० ए० श्री मंगफल सिंह सुपुत्र  
 श्री दीप बन्द  
 (अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार सुपुत्र श्री राम लुभाया,  
 निवासी-9635 गली नीम वाली,  
 नवाब गंज, दिल्ली ।  
 (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
 समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
 में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित है,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिना भय है ।

अनुसूची

भूमि तादादी 12 बिघे (600 वर्गगज), खसरा नं०  
 27/25, ग्राम-निवासपुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,  
 सक्षम अधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली,

तारीख : 21-6-1982  
 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 21 जून 1982

निर्देश नं० आई०ए०सी०/एक्यू० 2/एसआर०-2ए-10-81/

6065—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन मध्यम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ईश्वर सिंह सुपुत्र श्री सूरत सिंह,  
निवासी-बी० 1447, शास्त्री नगर, दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री बाबू लाल और शंकर लाल सुपुत्र श्री मामन चन्द  
निवासी-सी० 107 अशोक विहार, भाग-1,  
दिल्ली ।  
(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिनांक आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 1 [बिघा यानी (1000 वर्गगज).  
खसरा नं० 32, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 21-6-1982,  
मोहर

प्रारूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/  
10-81/6030—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकौली,  
नियर ग्राम-अलिपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-  
वद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
अक्तूबर, 1981 ए  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण यहाँ किमी प्राय को बाबत आयकर अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किमी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नरिन्दर कुमार सुपुत्र श्री बिहारी लाल  
निवासी-29/5 ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली द्वारा श्री बिहारी लाल सुपुत्र श्री  
किशन चन्द सचर निवासी-29ई/5 ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) म० आशा राम मुकुन्द लाल,  
निवासी-5583, नया बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

सहजीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिघे, खसरा सं०  
183, स्थापित ग्राम-बकौली नियर अलीपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली,

तारीख: 21-6-1982

मोहर:



प्ररूप बाह्य, टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आर०/11-  
81/5981—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम लिबासपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अवतूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एवं उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री मोहन लाल सुपुत्र श्री नेतराम, निवासी-ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली, जी०ए० श्री शिवराज सिंह, मैनी राम सुपुत्र श्री मांगेश राम, बया चन्द, वेदराज, गीरज, हसराम सुपुत्रगन श्री भोजराम, निवासी-लिबासपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाल कृष्ण हन्डा सुपुत्र लाला गुरुसहाय हन्डा, अनिल कुमार हन्डा, सुनील कुमार हन्डा, प्रदीप कुमार हन्डा सुपुत्र श्री बाल कृष्ण हन्डा, सभी निवासी-5-सी०/99, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 770 वर्ग गज, खासरा न० 24/23  
स्थापित एरिया ग्राम लिबासपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली ।

तारीख 21-6-1982  
मोहर

प्रश्न नम्बर टी.एन.एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/10-  
81/5957—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम लिबासपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में पूर्व  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981,  
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है---

(क) अन्तरण है कि किसी नाम की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कभी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;  
बाँट/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी पत्र या अन्य वास्तियों  
की, किन्हीं भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या कि वा वास्त वास्त वास्त वास्त वास्त  
वास्त के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्ग  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

(1) मोहन लाल सुपुत्र श्री नेत राम,  
निवासी-शामपुर, दिल्ली  
जी०ए० श्री शिवराज, इत्यादि,

(अन्तरक)

(2) दीन दयाल सुपुत्र श्री ज्योति साद निवासी-  
92 विवेका नन्द पुरी, दिल्ली ।

(2) प्रीतम प्रसाद जैन सुपुत्र श्री सूरज भान जैन,  
निवासी-2904/7, गली नं० 165, गणेश पुरा,  
वी नगर दिल्ली ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नफाहस्ताक्षरी के पाद  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि तादादी 770 वर्गगज, ग्राम लिबासपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,

सहायक अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली ।

तारीख : 21-6-1982

प्ररूप आई डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

(1) श्री के० आर० कृष्णामूर्ति  
सुपुत्र श्री के० रंगा स्वामी,  
निवासी-ई-6ए, ई० गं० ए० (एम० आई० जं०)  
प्लेट्स, मायापुरी,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार खन्ना,  
सुपुत्र स्वर्गीय श्री राम गोपाल खन्ना,  
निवासी ए-5, इन्दरपुरा,  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/10-81/  
6116—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

श्रीरजिपकी संख्या ए-5, है तथा जो इन्दरपुरी, बालोनी, नगायण,  
में स्थित है (श्रीरजिपमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्तित  
है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधिन दिनांक अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० ए-5, इन्दरपुरी कालोनी, एरिया नरायणा नई  
दिल्ली क्षेत्रफल 200 वर्गगज, खसरा नं० 1607।

नरेन्द्र सिंह  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 25-5-1982  
मोहर :

प्रारूप भाषा टी. एन. एच. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/10-  
81/8046—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-पालम, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचा में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रारता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
सार्वजनिक अक्षर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितीयों)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मीर सिंह

सुपुत्र श्रीपत राम,  
निवासी-ग्राम-पालम,  
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमता कान्ता कथूरिया

पत्नी श्री आई० के० कथूरिया  
निवासी: डा-133,  
ई० ओ० कैलाश कालोनी,  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादाई: 18 बिघे खसरा नं० 84/1 और 17/2,  
ग्राम-पालम, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 15-6-1982

मोहर

प्ररूप आदेश. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/10-  
81/6047—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा  
269-ब के अधीन गभ्रम प्राधिकारी से यह निश्चय करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृपि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्तित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
नारिख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिनी  
(अंतरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निर्धारितानुसार उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में कार्यावित्त  
रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री होशियार सिंह  
सुपुत्र श्री भरतु, निवासी ग्राम पालम,  
दिल्ली

(अन्तरिनी)

(2) श्रीमती बीना कथूरिया  
पत्नी श्री कृष्ण कथूरिया,  
निवासी-डो-133, ई० ओ० कैलाश कार्यालय,  
नई दिल्ली

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि नारादी 17 ब्रिम्बे, खमरा नं० 84/18, 17/2.  
ग्राम पालम, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--  
10-176GI/82

नारिख : 15-6-1982  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के प्रचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-2/10-  
81/6048---प्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के प्रचीन सख्त प्राधिकारी को; यह विस्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन  
तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के उद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बान्धित रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रचीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री सुम राम और लटे राम  
मुमुक्षु श्री बहाल सिंह,  
निवासी-ग्राम-पालम,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन शरोड़ा  
पत्नी श्री आई० के० शरोड़ा,  
निवासी डी-133, ई० ओ० कलाण,  
नई दिल्ली।

!(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहुस्वाधारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

कृषि भूमि नादादो 17 बिस्वे, खसरा नं० 84/17/2,  
और 84/18, ग्राम-पालम, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सहायक अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-11002

तारीख : 15-6-1982  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 15 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/10-  
81/5922;—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का जिनका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री होशियार सिंह  
सुपुत्र श्री भरतु  
निवासी ग्राम-पालम,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० ए० सी० सी० डी० कारपोरेशन,  
16-एफ० कनाट मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 17 बिस्वे, खसरा न० 84/18, 17/2,  
ग्राम-पालम, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

मक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/10-

81/5900—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम लिबासपुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रत्यक्ष प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये  
बीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, (जन्म भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जा चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अशोक कुमार  
सुपुर श्री होटे चन्द,  
निवासी-21-इस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुन्दर लाल  
सुपुत्र लाला राम,  
मार्फत मे० लाला राम सुन्दर लाल,  
निवासी समालखा मंडी,  
जिला करनाल,  
हरियाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 विधा 6 ब्रिश्चे, खमरा न० 30/14,  
स्थापित-ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-6-1982

मोहर



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून, 1982

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/10-

81/6055—अत मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम टिकरी कला, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितीयों के बीच ए० से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राम जीवन  
मुपुर श्री निहाल सिंह,  
निवासी ग्राम-और पो० टिकरी कला,  
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार गुप्ता  
मुपुत्र श्री तुलसी राम,  
निवासी-58 माडल बस्ती,  
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तावाची 14 बिघा 15 बिघे, स्थापित-ग्राम टिकरी  
कला, दिल्ली, खसरा नं० 41/1 (4-16), 9 (5-1), 10  
(4-18)।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/10-81/  
5815—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विन्यास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मर्यादा कृषि भूमि है तथा जा कादोपुर, दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरक्रां) और अन्तरिती  
(अन्तरिग्नितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जय प्रकाश,  
प्रेम प्रकाश, श्रीम प्रकाश  
मुपुत्रगण श्री भूरे लाल  
निवासी-मुखमेल पुर,  
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री भीम सेन  
मुपुत्र श्री गम मेहर,  
निवासी-मिधोला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

कृषि भूमि 16 बिघे 18 बिघे, खसरा नं० 1149, 1150/2  
1157, 1158/ग्राम-कादोपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली 11002

तारीख : 15-6-1982

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश न० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/10-  
81/8462—यत् मुझे, नरेन्द्र सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या 49, नया न० 49/57 केवल पार्क एक्स० ग्राम  
आजावपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में 25 फीसदी आय का वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर 19 के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति में  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, में अन्तर्-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री नरायण सिंह  
मुपुत्र श्री रूप चन्द  
निवासी—317 नीमरी कालोनी  
दिल्ली  
प्रटार्नी श्री अन्तर् सिंह  
मुपुत्र श्री मनोहर सिंह,  
निवासी—318 नीमरी कालोनी,  
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्ध्या खन्डेनवाल  
पत्नी श्री सुरेश खन्डेनवाल,  
निवासी—बी-52,  
सी० सी० कालोनी,  
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

पुराना न० 49, अथवा नया न० 49/57 एरिया 250 वर्ग-  
गज, स्थापित—केवल पार्क एक्स० ग्राम न० 63, ग्रामआजाव-  
पुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 25-5-1982  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/10-  
81/5851—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अवसूचक, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरलियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क  
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्याम लाल  
सुपुत्र श्री मथुरा प्रसाद,  
निवासी-ए—406,  
शाम्बी नगर,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री गोरधन दाम,  
सुपुत्र श्री बाबू सिंह,  
निवासी—ए-465, शाम्बी नगर,  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे 10 बिस्वे, खमरा नं० 53  
(2-0), 159 (4-16), 54 (3-4), 47 (2-14),  
46 (2-10), ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर विभाग

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

मं. अ. प्र. सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/10-

81/5913—यन्त्र, मंजु, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (त्रिपे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो नजफ गढ़, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मंजु यह विश्राम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11=176G1/82

(1) श्री रोशन लाल  
सुपुत्र श्री बिशन सिंह,  
निवासी—नजफ गढ़,  
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री रणजीत सिंह  
सुपुत्र श्री आत्मा सिंह  
मेहर सिंह और कुलदीप कुमार जुनका,  
निवासी—ई-37, राजोरी गार्डन,  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

आ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 बिघा 17-2/3 बिस्वे, खसरा नं० 11/8, स्थापित ग्राम—नजफ गढ़, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-6-1982

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एम. एस. -----

## 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/

10-81/5912—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो नजफ गढ़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तागिख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय का अन्तर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शीर्षक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था निम्नलिखित में सविधान के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रोशन लाल  
सुपुत्र श्री बिशन सिंह,  
निवासी—ग्राम:नजफ गढ़,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्री रणजीत सिंह  
सुपुत्र श्री आत्मा सिंह,  
मेहर सिंह और कुलदीप कुमार  
निवासी—ई-37,  
राजौरी गार्डन,  
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, 'को' उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सादादी 1 बिघा 17-2/3 बिस्वै, खसरा नं० 11/8, ग्राम—नजफ गढ़, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-6-1982

मेहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/10-

81/6054—यतः, सुसे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की प्रनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रामा नन्द और रूप चन्द  
सुपुत्र श्री बुद्धा  
निवासी—ग्राम—सिरसपुर,  
दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा  
सुपुत्र श्री रामजी लाल,  
निवासी—ए-119,  
शास्त्री नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्धाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तावादी 3 बिघे 19 बिस्वे, खसरा न० 39, ग्राम—  
सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 25-5-1982  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

नदशा सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/10-81/6036---यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृपि भूमि है तथा जो ग्राम--सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में गृहिणी के लिये; और/या

- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा

- (1) श्री श्याम लाल

सुपुत्र श्री मथुरा प्रसाद  
और गोरधन सुपुत्र श्री बाबू सिंह  
निवासी--ग्राम सिरसपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

- (2) श्री पिशोरी लाल

सुपुत्र श्री देस राज,  
निवासी--सिरसपुर, दिल्ली

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 1 बिघे 10 बिस्ये, स्थापित--ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 25-5-1982

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एच० एस०—

(1) श्री महिन्दर यादव  
सुपुत्र श्री नैयदेव सिंह,  
निवासी—शामेपुर,  
दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

(2) श्री अश्वन्ती लाल  
सुपुत्र श्री चतुर भूज राम,  
निवासी—भाग-2,  
121 गुजरनवाला टाउन,  
दिल्ली-33

(अन्तरिती)

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० आर०-2/10-  
81/6041—यत, मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी मूल्या वृत्ति भूमि है तथा जो ग्राम शामेपुर, दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 2 बिघे 6 बिरखे (2300 वर्गगज), खसरा  
न० 34/12, 34/13, ग्राम शामेपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर

प्रत्येक आठ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/10-  
81/6033--यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम अधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसका संख्या धृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलापुर, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रार अधिकारी, क कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुए किसी नाम की वास्त, उक्त  
व्यक्तिगत के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्त  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची 4-तारीखी दत्तग प्रका नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. (1) श्री राम पालवार  
मुपुक्ष श्री रूप चन्द  
(2) श्रीमताः प्रान्ति, देवी और  
(3) श्रीमताः बाद कौर  
मुपुक्षी श्री जय लाल,  
निवास -- अलापुर  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. के० बी० बी० एस० एस० सिंगटम,  
25-डिपुटी गज,  
दिल्ली।  
(द्वारा 4 भागीदारी)

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धृषि भूमि नादादा: 8 बिघे 16 बिस्वे, खमरा न० 1430  
और 1434/2, ग्राम-अलापुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25.5-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

(1) श्री मोहन लाल  
सुपुत्र श्री नेत राम,  
निवासी ग्राम ग्रामपुर,  
[स्थान]

(अन्तरक)

(2) श्री वृज मोहन  
सुपुत्र श्री मुंशा लाल,  
निवासी-ई-10, मां० मां० कार्वाली,  
दिल्ली

(अन्तरिता)

निर्देश मां० आई० ए० मां०/एन्यू०/2/एस० आर०-2/10-  
81/5943-अन्त. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन अधिम प्रधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसका संख्या 2/पि भूमि है तथा जो ग्राम-निवासपुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रार/प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर, 1981

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिता  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण में हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यवाह में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

भूमि मादादो 990 वर्गगज, स्थापित निवासपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख : 21-6-82

मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/2/एम० आर०-2/10-

81/5978—अतः मझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

आय जिसका संख्या कृषि भूमि है तथा जो राम निवासपुर, दिल्ली में  
स्थित है (श्रीर डमने उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित बाकियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन लाल  
सुपुत्र श्री नेन राम,  
श्री बिरबल सिंह सुपुत्र श्री दीपा राम,  
निवासी ग्रामपुर, दिल्ली,  
जं० ए० श्री मुख्तियार सुपुत्र श्री टोडा.

(अन्तर्गत)

(2) श्री राम प्रकाश महेश्वरी  
सुपुत्र श्री कपूर लाल महेश्वरी  
निवासी 14/224 गुरु की मंडी,  
फुलेटी बाजार,  
आगरा

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमि तादादी 1260 वर्गगज, खसरा सं० 25/24, ग्राम-  
निवासपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-6-82

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत सरकार

वित्तविभाग, गृहमन्त्रालय और आयकर (निर्गमन)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्स०/2/एम०-आर०-2/10-81/6040-अन. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पञ्चम प्राधिकारी का, निम्नलिखित करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम निवासपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीग डगमें उपायुक्त शत्रुपुत्र; में श्रीग पुनरुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता या प्राप्ति के पश्चात् नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवर्तन तारीख अक्टूबर, 81 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुछ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के कारण से कम कर दिया गया अथवा उचित से सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पदोन्नतार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
12-176 GI/82

(1) श्री बमन लाल

मुपुत्र श्री पिन्की दास,  
निवासी ग्राम-निवासपुर, दिल्ली  
जी० ए० श्री निहाल सिंह  
मुपुत्र श्री भिषण राम,  
निवासी निवासपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला गुप्ता

पत्नी श्री राम निवास,  
निवासी-4/47, रूप नगर,  
दिल्ली

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाजार में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्यवस्थाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नादादी 1 बिघा और 5 बिघे, (1260 वर्गगज)  
खमरा न० 25/5 ग्राम निवासपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सहायक अधिवक्ता

सहायक आयकर आयुक्त (निर्गमन)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-6-82

भाहर

प्रकृष जार्नल. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/10-  
81/6014--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम निवासपुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से ऐसे उद्यमान प्रतिफल का  
बन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्णित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री अश्वानी शर्मा

मुपुत्र श्री हरवंश लाल,  
निवासी ग्राम-शामेपुर, दिल्ली  
जी० ए० स्वयं और श्री मनमूल सिंह,  
मुपुत्र श्री दीप चन्द

(2) श्री इन्दर जीत

मुपुत्र श्री कृष्ण लाल,  
निवासी-मकान नं० फाटक, नमन,  
हौज काजी, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 15 विघे, (750 वर्गगज) खसरा नं० 27/  
25, स्थापित ग्राम-निवासपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-6-82

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस०आर-2/

10-81/5972—अतः मुखे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम लिवासपुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन भारतीय दिनांक अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तरविन्दर पाल सिंह सुपुत्र श्री बशीर सिंह,  
निवासी गुजगवाल, जिला लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री गुरवीर सिंह, सुपुत्र श्री अवतार सिंह और  
श्री हरविन्दर सिंह सुपुत्र श्री अवतार सिंह  
निवासी 16/14 पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 18 विस्के (900 वर्गगज) खसरा न०  
24/1 ग्राम लिवासपुर दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, दिल्ली नई दिल्ली 110002

तारीख 21-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एफ्यू 2/एस०आर०-2/10-81/

6003 अतः मूख, नरेन्द्रसिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलिपुर दिल्ली में  
स्थित है (और इसके उदाहरण अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण का लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री फतेह और हुकमी सुपुत्र श्री राम सरूप, और  
राज रूप सुपुत्र श्री शिवन,  
निवासी ग्राम अलिपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री घनश्याम दास भाजनीया,  
निवासी ए-29, सी० सी० कालोनी, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देश्यकारी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनसखी

भूमि तादादी 1 बीघा, 17 बिस्वे, स्थापित ग्राम अलिपुर,  
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-दिल्ली 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-6-1982

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं. आई० ए० सी०/पसू० 2/प.म०आर०-2/10-81/

6037—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्ली  
में स्थित है (और अपने उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1 श्री राज सिंह, हुकम चन्द मुषुन श्री जगराम,  
निवासी ग्राम मटियाला, दिल्ली

(अन्तरक)

2 श्री चरण सिंह मुषुन श्री दरबाग सिंह,  
निवासी 211/4, पदम नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अजन क लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 13 बिस्वे, स्थापित ग्राम पालम, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, दिल्ली नई दिल्ली 110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश म० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस०आर०-2/10-81/  
6050—अत मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम निवासपुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप  
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 श्री शिवराज, मनिराम सुपुत्र श्री मंगल राम, दया चन्द,  
हंस राज, वेद राज, गज, राज सुपुत्र श्री भोजी राम,  
मंगतराम, भोजी राम, सुपुत्र श्री हरदेव  
निवासी ग्राम और पो० निवासपुर दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. श्री परमोद कुमार सुपुत्र श्री नरेश कुमार सुपुत्र  
श्री राम प्रसाद  
निवासी 109/2/एच, ब्लाक-ए,  
सी० सी० कालोनी, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अन्वय

भूमि तादादी 1720 वर्ग गज, खसरा न० 30/5, ग्राम—  
निवासपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 21-6-1982

मोहर

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्यटन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एम०आर०-2/10-  
81/6011—अन. मुझे नरेन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम टिकरी कला,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
तं कभी करने या उससे बचने में मूर्खता के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या लिया जाना चाहिए या छिपाने में  
मूर्खता के लिए;

अन. अन. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनमोहन लाल सुपुत्र श्री राम दाम,  
निवासी 14/32, पंजाबी बाग, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती राधा रानी पत्नी श्री कश्मीरी लाल, अग्रवाल  
निवासी 2-ए, न्यू गोविन्द गढ़ जालन्धर, पंजाब

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा: किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादाशी 1 बीघे 17 बिस्वे, ग्राम टिकरी कला,  
दिल्ली खसरा नं० 1132, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
पर्यटन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-6-1982

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एम०आर०-2/10-  
81/6051—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ़, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रेमवती पत्नी श्री सुरज प्रसाद,  
निवासी नजफगढ़, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. रेव० एक०-आर०-प्रत्योनी श्रेण तगावीन एम० डी० बी०  
मुपुत्र श्री रमेश श्रेष्ठागम्बील,  
निवासी डा. बीमका टैक्निकल पि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
14 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष में किया जा सकने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी श्रोखला, दिल्ली स्थापित-ग्राम-नजफगढ़,  
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 21-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/10-81/

6043—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम शामपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के, अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—176GI/82

1. श्री नरेन्द्र यादव सुपुत्र स्वर्गीय श्री नैवर सिंह, निवासी ग्राम शामपुर, दिल्ली  
जी० ए० श्री जानकीवास सुपुत्र श्री जदमल और ओमप्रकाश और श्री रघुबीर सिंह सुपुत्र श्री देवी दास, निवासी ग्राम सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री भारत राम सुपुत्र श्री प्रसादी राम, निवासी 121 भाग-2 गुजरनवाला टाउन, दिल्ली-33

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि तावादी 1 बीघा (1000 वर्ग गज) खसरा नं० 34/12 और 13, स्थापित-ग्राम-शामपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०-2/एम०आर०-2/10-81/  
 5823—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु से अधिक है  
 और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी दिल्ली  
 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
 वणिज्य है) रजिस्ट्री तथा अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप में अधिगत नहीं किया गया है:—

क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शाल्की स्वरूप सुपुत्र श्री शिवप्रसाद,  
 निवासी ग्राम बुरारी, दिल्ली प्रशासन  
 दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री कैलाश चन्द गुप्ता सुपुत्र श्री शिव प्रसाद  
 निवासी सी-5/4, राणा प्रताप बाग, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
 नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

कृषि भूमि 18 विस्ते खसरा नं० 475 ग्राम बुरारी  
 दिल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन-रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

मोहर

प्रत्यक्ष आदेश टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षर)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू-2/एस०आर०-2/10-

81/6056—अतः सुभे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० अपि भूमि है तथा जो ग्राम धेवरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहता था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्यारे लाल सुपुत्र श्री राम दत्त  
निवासी ग्राम धेवरा, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री गंगा विशन गुप्ता, सुपुत्र श्री कार्लो राम,  
निवासी ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आय भूमि तादात 8 बीघे 12 बिस्वे, ग्राम धेवरा,  
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षर)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-5-1982

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/10-  
81/6032—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसका सं० 23, डब्ल्यू० जैड 40/ए है, तथा जो मीनाक्षी  
गार्डन, ग्राम तिहाड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उषारानी खन्ना पत्नी श्री ब्रज मोहन खन्ना  
निवासी डब्ल्यू-जैड-40/ए, मीनाक्षी गार्डन,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री अवतारसिंह माकन, सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री मूलचन्द  
राज माकन, निवासी डी-78, अजय इन्कलेव, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 23, डब्ल्यू-जैड-40/ए, मीनाक्षी गार्डन, नई  
दिल्ली, ग्राम तिहाड़, एरिया, 133.33 वर्ग गज ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख 21-6-1982

माहूर



प्रमाण आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/10-81/  
6031—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नवादा, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मीर सिंह सुपुत्र श्री खेर सिंह और  
श्री बयानन्द सुपुत्र श्री किशनलाल  
ग्राम नवादा, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री राज गुप्ता, सुपुत्र श्री आर० पी० गुप्ता, और  
आर० पी० गुप्ता, सुपुत्र श्री फतेह चन्द  
निवासी ब्ल्यू-जेड-10 रतन पार्क दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादावी, 12 बिस्व, स्थापित ग्राम नवादा, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-6-1982

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एल. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/10-81/  
6029—प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली  
में स्थित और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री जगमल सिंह सुपुत्र श्री बजान सिंह  
निवासी ग्राम हैदरपुर, दिल्ली जी०  
श्री मेकी राम सुपुत्र श्री उदमी  
निवासी ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री भगवान गोयल सुपुत्र श्री काशा राम,  
निवासी 1795, राम गर्ला, मोहन गंज,  
सब्जी मंडी, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 1 बीघा (1000 वर्ग गज) खसरा नं० 583,  
ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख 25-5-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/10-81/

6028—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में संस्थापक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन करने के अन्तरक के शायिस्म में कमी करने या उसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोक्षार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री जगमल सिंह सुपुत्र श्री खजान सिंह  
निवासी ग्राम हैदरपुर, दिल्ली  
जी० ए०, श्री नेकी राम सुपुत्र श्री उषमी  
निवासी ग्राम सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री मितर सिंह सुपुत्र श्री राम चन्दर,  
मार्फत श्री राम कुमार जैन,  
निवासी 140, पंजाबी मोहल्ला, घंटाघर, सर्जो मंजी,  
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षित :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सादादी, 1 बीघा (1000 वर्ग गज), खसरा नं० 582, ग्राम मिरमपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982  
मोहर :

पञ्च भागों की एक भाग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/10-81

5875—प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रिथला, दिल्ली में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरीपाल, नाहर सिंह, धरम सिंह, राम पाल, प्रेमवती सुपुत्र श्री अमर सिंह,

(अन्तरक)

2. श्रीमती. मालती देवी, पत्नी श्री मदनलाल और आशा रानी पत्नी श्री भागारथो निवासी 1545 रानी बाग, शकुर बस्ती, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 1 बीघा 2 बिघे, खसरा नं० 943/1, 943/2, स्थापित ग्राम रिथला दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख 21-6-1982

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू-2/एम०आर०-2/10-81/6100—अतः मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन गणम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

14—176G1)82

1. श्रीमती बसन्ती पत्नी रवर्गीय श्री वेणु राय,  
निवासी ग्राम पालम, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रभा देवी पत्नी श्री मरुण कुमार,  
निवासी-डो-30, रामदेव इन्कलेव, उत्तम नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 10 विषये, खसरा नं० 105/15/1,  
स्थापित, ग्राम पालम, नई दिल्ली।

नरेन्द्र मिह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-6-1982

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब ( ) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/2/एम०आर०-2/10-81/6091—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मिरजापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच उसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-भरण में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री रिणी कुमार, शिवकुमार, कृष्ण कुमार, हरी कुमार, छोटे लाल, सुपुत्रगण श्री चान्दगी राम, सुपुत्र श्री ममीर सिंह, पृथ्वीराज, रघुबीर सिंह, सुपुत्र श्री तेजराम, निवामी ग्राम और पो० गानम, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री जवाहर सिंह सुपुत्र श्री साहब सिंह निवामी ग्राम डाबरो, दिल्ली ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादा, 4 बिघे, 16 बिघे, ग्राम मिरजापुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू-2/एस०आर०-2/10-81/  
6136—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो मिरजापुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) 'जिम्मेदारता अधिकारी' के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन  
तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1 श्री खजान सिंह सुपुत्र श्री भोला, श्रीमती ब्रह्मोदेवा  
सुपुत्री श्रीमती चुनीयाँ पत्नी श्री भागवाना,  
निवासो—लाघोत जिला—रोहतक, एण्ड ग्राम—  
पालम, नई दिल्ली और चुनी लाल सुपुत्र  
श्री कुल सिंह निवासी—पालम, नई दिल्ली-45।

(अन्तरक)

2 श्री पी० के० समल सुपुत्र श्री एस० एम० समल,  
निवासः—बेनहोड़ 139, बैकबैथ रोकले मेणन,  
बम्बई-21।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 4 बीघे 16 बिस्से, खसरा नं० 33/16,  
मिरजापुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 21-6-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/10-81/  
6135—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम—मिरजापुर, दिल्ली प्रशासन  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किताब या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, इस अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) श्री खजान सिंह सुपुत्र श्री भोला,  
निवासी—ग्राम पालम, नई दिल्ली।  
(2) श्रीमती ब्रह्मोदेवी, सुपुत्री श्रीमती चुनिया,  
पत्नी श्री भगवाना,  
निवासी—लाघत, जिला रोहतक और पालम,  
नई दिल्ली।  
(3) श्री चुनी लाल सुपुत्र श्री फूल सिंह,  
निवासी—ग्राम पालम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी किरण सुपुत्री श्री पी० के० समल,  
निवासी—इबनहाई, 139 बैकवेय, रीकलेमेटिक,  
बम्बई-21।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची.

कृषि भूमि नादादी 4-12 खसरा नं० 32/20/4 (0-19),  
33/25/1, एम०जी०एल०-11, 33/25/3, एम०जी०-1-1,  
33/25/4, एम०जी०-1-1, मिरजापुर दिल्ली प्रशासन,  
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 21-6-1982  
मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2

भापाल, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्यू०/2/एम०आर०-2/10-81/  
5836—अन मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वृषिभूमि है तथा जो ग्राम ककरौला, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री उमसाव सिंह मपुत्र श्री नेकी राम,  
निवासी साहानाद पालम, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरबस रानी केहर पत्नी श्री आर० एल० केहर,  
निवासी-बी-1/632, जनकपुरी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वृषि भूमि तादादी 4 बोरे 1 बिस्वे, किला नं० 28/20,  
ग्राम ककरौला दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-6-82

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आर्डी०ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/10-81/  
6939—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-ककरोला, दिल्ली  
प्रशासन, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलवान सिंह सपुत्र श्री राम सिंह,  
निवासी-ग्राम-नवादा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सूरज भान गोयल सपुत्र श्री नार्ई राम,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी, 2 बोघे 4 बिघे खसरा नं० 27/17, स्थापित  
ग्राम-ककरोला, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 25-5-1982

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2 एस०/आर-2/10-  
81/5859—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन यक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और त्रिमकोसं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम समेपुर दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उभय बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री गहीन्दर यादव सुपुत्र श्री नैदर सिंह,  
निवासी-ग्राम-समेपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कमल कुमार अग्रवाल सुपुत्र श्री गोकुल चन्द अग्रवाल,  
निवासी-1110 तथा बाजार, पहला मंजिल, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादाद 3 बीघे (3000 वर्ग गज) खमरा  
नं० 33/9, 33/12, ग्राम-समेपुर दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में  
हैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित वास्तविक, अर्थात्:—

तारीख: 25-5-1982

मोहर:

प्ररूप बाह्य. टी. एन एस -----

1 श्री राम नाथ और राम मेहर सुपुत्र श्री सनगा,  
निवासी ग्राम श्री पो० खार-खार,  
नरसीन महरौली, दिल्ली

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/एम० आर०-2/10-  
81/6094--अन मुसे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है

और जिसका सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खार-खार, रोड,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारों के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

2 श्री प्रेम चन्द सुपुत्र श्री चरनसिंह

निवासी ग्राम-श्री पो० बमनाली, दिल्ली।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 44 बीघे 5 बिस्वे ग्राम-खार-खारी रोड,  
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2 दिल्ली नई दिल्ली-11001

तारीख : 25-5-1982

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/10-  
81/5885—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-जटिकरा, दिल्ली में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी धार की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किमो प्राप्त या किमा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात् --

15—176GI/82

1. श्री राम नारायण, सुपुत्र श्री मारुनिवासी, ग्राम-जटिकरा, दिल्ली

(अन्तरक)

2. कुमारी पूना मंशानी, सुपुत्री श्री एन० एस० मंशानी, निवासा-ए-5-सी/28-ए, जनकपुरी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में क्लिप्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 13 बी०वे, 8 बिस्बे, रकट नं० 26, खसरा नं० 1, खसरा नं० 2, 3/1, रकट नं० 22, खसरा नं० 21/2 ग्राम जटिकरा दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्रत्येक आई टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/10-81/6038—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम ककरोला, दिल्ली में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्गीकृत है) के अधीन प्राधिकारी को कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तावक रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री बलवान सिंह सुपुत्र श्री रामसिंह  
निवासी ग्राम नवादा, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री सूरजमान गोपन सुपुत्र श्री हरी राम  
निवासी डब्ल्यू जेड-13 बमईधारापुर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्भन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 2 बीघे 16 बिस्वे खसरा नं० 27/18,  
ग्राम ककरोला दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज 2

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं आई० ए० सी०/एकरू०-2/एस०आर०-2/10-  
81/6052—प्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफगढ़, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से अभिहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रेमवती पत्नी श्री सूरज प्रकाश,  
निवासी नजफगढ़ दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री फादर एन्थनी, थाइपाराम्बल एस० डी० बी०  
सुपुल मि० वर्केंस थाइपा राम्बल  
निवासी डी० बी० टेकनिकल इन्टीच्युट, ओखला,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
अवरोधित करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है। वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 बीघे 16 बिस्वे ग्राम नजफगढ़, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख 25-5-1982

मोहर :

प्रमुख भाग: टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पक्यू सं०-1एस०आर-2/10-81/5813--अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रोशनपुरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपानवद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. श्री बकशोश सिंह सुपुत्र श्री खूशाल सिंह  
निवासी सी-7/335, जनकपुरी, नई दिल्ली  
(अन्तरक)
2. श्रीमती सरोज देवी पत्नी श्री सुभाष जैन,  
निवासी शिवाजी मार्ग, नजफगढ़, दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 बोघे 12 बिस्वे, स्थापित ग्राम रोशनपुरा, दिल्ली खसरा नं० 307, 308, 309

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

मो.दि. 21-6-1982

मोहर :



अरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/10-

81/6003—अतः भूमे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी कला,  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है) जो रजिस्ट्रार की प्रधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन  
दिल्ली अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और भूमे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किमा प्राप्ति की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कटौती  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी ऐसी प्राप्ति या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा की 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपति :—

1. श्री जगजित सिंह सुपुत्र श्रीराम सरूप,  
निवासी ग्राम होलम्बी, खुरद दिल्ली  
(अन्तरक)
2. श्री जगदीश चन्दर सुपुत्र श्री संत राम,  
निवासी बा-63, इन्डस्ट्रियल एरिया,  
जी० टी० रोड, करनाल दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि तादावी, 7 बोघे 17 बिस्वे, ग्राम होलम्बी कला  
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 21-6-1982  
मोहर :

प्रकृष आर् टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/10-81/5788—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रिथला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. रमेश्वर और राम मेहर, सुपुत्र श्री बलवन्त निवासी ग्राम रिथला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ओमप्रकाश सुपुत्र स्वर्गीय श्री रामगोपाल जी निवासी सी-151, नरायणा, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 10 बीघे 4 बिस्वे, स्थापित—ग्राम रिथला दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली 110002.

तारीख : 25-5-1982

मोहर

अथ आहं एन एस

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०री०-2/एस०आर०-2/10-81/6106—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिका है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती चानो पत्नी स्वर्गीय श्री रीशल सिंह और श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री सतवीर सिंह निवासी-डब्ल्यू-जेड-619 ग्राम—पालम, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री दयानन्द दहिया, ओमप्रकाश, धर्म पाल निवासी- मोष नं० 15, एक्स० सर्विस मैन स्टोर, सत्य निकेतन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त गणान्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 10-1/2 बिघे, मुस्तातीतल नं० 59, किला नं० 20/2, स्थापित ग्राम पालम, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 25-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/10/  
81/6105,—अन: मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कादीपुर, दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1 श्री भूरु सुपुत्र श्री नेता  
निवासी- ग्राम और पो० समेपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्री प्रेम कान्ता भाटिया, पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार भाटिया  
निवासी- 2 सी/3, न्यू रोहतक रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 8 एकड़, ग्राम- कादीपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख . 25-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० आर०-2/10/  
81/6102—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-पालम, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तुबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदत्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—176 GI/87

2. श्रीमती ब्रशन्ती पत्नी स्वर्गीय श्री देश राम  
निवासी-ग्राम-पालम, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. सोहन राम, सुपुत्र श्री हजाराम राम,  
निवासी-आर.जैड-58, उत्तम नगर दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 10 बिघे, स्थापित-ग्राम-पालम,  
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1981

सोह्रर :

प्ररूप आर्द टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०/सी० आर०-2/10  
81/6101—अत मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-पालम दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तुबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के हयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती वसन्ती पत्नी स्वर्गीय श्री देश राम,  
निवासी, ग्राम-पालम, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चंचल अरोड़ा, पत्नी श्री के० एल० अरोड़ा  
निवासी—आर० ए० बाजार, रुड़की, कैट (यू० पी०)  
(अन्तरिती)

का यह सूचना आरा क्रम के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

कृषि भूमि तादादी 10 बिघे, ग्राम-पालम, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

पत्राचार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/10/  
81/6092—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अक्तुबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री रामानन्द और रूप चन्द सुपुत्र श्री बुधा,  
निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा सुपुत्र श्री रामजीलाल,  
निवासी-ए-229, शास्त्री नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराए हों ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 बीघे 16 बिस्वे, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री बेगराज सुपुत्र श्री काशू,  
ग्राम-होलम्बी कलां, दिल्ली।

(अप्रतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/ए०/आर०-2/10/  
81/6082—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-होलम्बी खुर्द,  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री जगजीत सिंह सुपुत्र श्री राम सरूप  
निवासी—ग्राम होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 10 बीघे 3 बिघे, ग्राम-होलम्बी कलां,  
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002।

तारीख : 25-5-1982

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/10/  
81/6074—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-अलीपुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पत्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मंगे राम और राम पत सुपुत्र श्री मुखराम,  
निवासी-ग्राम-अलीपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती जोगिन्दर कौर पत्नी श्री सधनाम सिंह  
निवासी-9103, आजाद मार्केट, दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे 6 बिघे, स्थापित ग्राम अलीपुर,  
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-11000

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/  
10-81/6073--प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-अलीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मांगे राम और राम पत सुपुत्र श्री मुब राम,  
निवासी-ग्राम—अलीपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुन्ती रानी,  
निवासी—4583, आर्यापुरा रोशनारा रोड, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 2 बिघे 8 बिघे, ग्राम—अलीपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 25-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-2/

10-81/5792--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसका पञ्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री बीर सिंह सुपुत्र श्री हुकम चन्द,  
निवासी--ग्राम-बुरारी, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) रामा गर्मा पत्नी एस० के० गर्मा और डा० पी० सी० यागनिक सुपुत्र श्री पी० डी० यागनिक,  
निवासी--बी०/एम०-145 (पश्चिमी)  
शालीमार बाग, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी (0-10) बिगड़े, बसरा नं० 634,  
एरिया ग्राम-बुरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 21-6-1982

संहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/  
10-81/5810—प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरिस्तियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/का

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तावर्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रामकिशोर सुपुत्र श्री विद्या सागर,  
निवासी—ग्राम-बुरारी, दिल्ली  
द्वारा भटानी श्री प्रवीण कुमार जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार शर्मा सुपुत्र श्री एन० एन० शर्मा,  
निवासी—1576/30 एच० एम० नालवा करोल  
बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे, खसरा नं० 798, स्थापित—  
ग्राम-बुरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-6-82

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/  
10-81/5845—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में अंकित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मोहन लाल सुपुत्र श्री गोविन्द सहाय,  
निवासी-ग्राम बुरारी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्तोष कुमार अग्रवाल पुत्र श्री राम करन दाग,  
निवासी-आर०-54, माधन टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी (1-8) खमरा नं० 46/6/1, एरीया  
ग्राम-बुरारी दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/प्रा०प्रा०२/  
10-81/5857—अतः मझे, नरेन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि, स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹5,000/- से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में  
स्थित है (श्रीर इसमें उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्ष यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एक दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नये पैसे प्रवि-  
फल निर्धारित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में वृद्धि वि गी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
अ प्रयाजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था रिपान में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसर्ण  
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीयन व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) तारा गुप्ता पत्नी श्री ओ० पी० गुप्ता,  
5439 बस्ती हरफुल मिह भदर बाजार दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री सुन्दर कुमार प्रानन्द सुपुत्र श्री राम लाल प्रानन्द,  
निवास-प०-11-12, माधिका गज, ई०/प००,  
दिल्ली ।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि (0-15) खमरा न० 830/1, एरिया याम-  
बुरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 21-6-1982

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्चू०-2/एस०-आर०-2/  
10-81/5861-अन, मुझे, नरेन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इस-  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मिरसपुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
व्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बान्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्त्रियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सूत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री परस राम सुपुत्र श्री खेम चन्द, ए० अटार्नी श्री  
राजेन्द्र सिंह, बिजेन्द्र सिंह चान्दबिर, भरत सिंह  
सुपुत्र श्री जीत राम, सभी निवासी-ग्राम-मिरसपुर,  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाल्मी देवी पत्नी एल० माधु राम,  
निवासी--14/38, शक्ति नगर दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताशरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नादादी 1 बिघे और 6 बिघे, स्थापित-ग्राम  
मिरसपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-5-1982

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/

10-81/5940—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

अर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नरेला, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए य पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री शिवनरायण, राम किशन और श्री रामनिवास  
सभी सुपुत्रगण श्री भगवान दास, मनोहर लाल  
सुपुत्र श्री राम सरूप, राम कुमार सुपुत्र श्री रामपत,  
माणे राम सुपुत्र श्री भीखा मल, कनोज राम,  
राम चन्दर, शिव लाल सुपुत्र श्री गोधा राम  
निवासी-ग्राम नरेला, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगीन्दर सिंह, विजेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री रीसल  
सिंह, श्री धरम पाल, प्रह्लाद सिंह, महाबिर, सतबिर,  
जगदीश सिंह श्री रणबीर सिंह सुपुत्रगण  
श्री निहाल सिंह  
निवासी-राना उद्याल नरेला, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 15 बीघे खसरा नं० 1/13, 18, 19,  
22, 23/1, 2, 4/2, 3, 8, 9, 27/13, 14, 17, 18, 23/1,  
ग्राम नरेला, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002.

दिनांक : 21-6-1982

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस -----

(1) श्री बलजीत और अमर सिंह सुपुव श्री टीका  
निवासी-ग्राम बुरारी, दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०आर०-2/  
10-81/5827--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य का कम का दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरिमियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।कृषि भूमि तावादी 10 विश्वे, खसरा न० 874/4, ग्राम-  
बुरारी, दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/

10-81/5858—अतः मंजूर, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम समेयपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महीन्द्र यादव मुपुत्र श्री नैदर सिंह,  
निवासी—ग्राम समेयपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश चन्द अग्रवाल मुपुत्र श्री शिव नाथ अग्रवाल,  
निवासी—4110 नया बाजार, पहली मंजिल,  
दिल्ली।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 3 बीघे 6 बिघे, (3300 वर्गगज), खसरा नं० 33/9, 33/12, ग्राम—समेयपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-6-82

मोहर :

प्ररूप आई० टा० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 41) का  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-2/  
10-81/6083—अन. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन मशन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14/53-सी०, है तथा जो पंजाबी बाग, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टे प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय या बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्ति को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रामतो पुष्पा रानी पत्नी श्री राम प्रकाश,  
निवासी—कोठी नं० 14, रोड नं०-53,  
पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) डा० निर्मला वर्मा पत्नी श्री विद्या भूषण  
निवासी—गार्फन भारत भूषण मेडिकीरता,  
16/63—पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : -

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोद्घस्तान्तरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बना हुआ प्रो० नं० 14, रोड नं० 53, क्लास-सी०, स्थापित  
पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 21-6-1982

मोहर

प्ररूप धाई०टा०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-2/  
10-81/6098—अतः सुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी मंड्या कृषि भूमि है, जो जं ग्राम हरावली, जिला  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाध, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिम्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री कली राम सुपुत्र श्री जय राम  
निवासी—ग्राम हरावली, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री महेंद्र सिंह सुपुत्र श्री राम चन्द्र, पवन कुमार  
सुपुत्र श्री राम चन्द्र  
निवासी—कलानुधा जिला—रोहतास (हरियाणा)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्य

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धनोहस्ताक्षरी  
के पाम लिखित में किया जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1/4 हिस्से तादादी 37 बिघे 8 बिघे, स्थापित—  
ग्राम—हरावली, दिल्ली, खसरा नं० 21/5/2, 6/2, 22/1,  
2, 9, 10, 11, 12, 12 और 19।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/एस०आर०-2/  
10-81/9863—अतः भुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कुपि भूमि है तथा जो ग्राम-मिरसपुर, दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

18-176 GI/82

(1) श्री पारस राम सुपुत्र श्री खेम चन्द और दूसरे  
निवासी-ग्राम-मिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला जैन पत्नी श्री माशर चन्द जैन,  
निवासी-240-धिराम दिल्ली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि तादादी 1 बिघा 2 बिघे, (1100 वर्गगज)  
खसरा नं० 643, ग्राम-मिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-6-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को द्वारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, दिल्ली नई

नई दिल्ली, दिनांक 21 जन 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/10-  
81/5826—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वतंत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० इंचि भूमि है तथा जो ग्राम हस्तसाल, दिल्ली में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल व लिए अनुरोध का यह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल व पद्धति प्रविष्टा अधिक है और अतः (अन्तरकों) और प्रविष्टा (अनुरोधों) के बीच ऐसे अनुरोध के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरोध लिखित में सम्मिलित करने के कथित नहीं किया गया है।—

(क) अतः न हूँ किमा आग की दाबत उक्त अधि-  
करण व अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में करने या इस बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी कम आय या कम धन या अन्य प्राप्तिओं  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रसंगिक प्रावधानों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या प्रकट नहीं किया गया था छिपाने में

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के उद्देश्य (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री. याद राम सुपुत्र श्री बुधराम, ग्राम-हस्तसाल,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री. अनन्त राम सुपुत्र श्री. लाधा राम,  
निवासी-67/2 मीनाक्षी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त अधिनियम के अधिनियम के अन्तर्गत भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि में तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वतंत्र सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तर्विस्थापकी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे 15 बिघे, स्थापित-ग्राम-  
हस्तसाल, दिल्ली मुस्तातील न० 54, किला न० 8, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 21-6-1982

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/

10-81/5837—अत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन क्षयम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य- से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मुरजीत सिंह सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह निवासी-ग्राम-बुरारी, दिल्ली द्वारा अर्तार्थी श्री धन सिंह सुपुत्र श्री खचेरू (अन्तरक)

(2) श्री महेश प्रसाद सुपुत्र स्वर्गीय श्री राम आसरेय राय, निवासी-एम०-19, पोलीम लाइन, किंगजवे कैम्प, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो कि अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ है जो उक्त अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 13 विश्वे खसरा नं० 671, ग्राम-बुरारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक . 21-6-1982

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०एक्यू०/2/एस०-आर०-2/  
10-81-5860—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री परस राम सुपुत्र श्री खेम चन्द स्वयं और बिहाफ  
आफ श्री राजेन्द्र सिंह, बिजेन्द्र सिंह, चान्द विर  
और भरत सिंह सुपुत्र श्री जीतराम,  
निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश गुप्ता (माइनर) सुपुत्र श्रीमती बिमला  
देवी, 3968 नया बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ हो गा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि ताबादी 14 बिस्वे, (700 वर्गगज), खसरा नं०  
643, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 21-6-1982

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/  
11-81/6173—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15, रोड नं० 41, है तथा जो पंजाबी बाग,  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक नवम्बर, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री एस० सज्जन सिंह सेठी सुपुत्र एस० मेहर सिंह  
सेठी,  
निवासी-67/5, रोहतक रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) (1) श्री जय राम मलिक (2) सोम नाथ मलिक सुपुत्र  
स्वर्गीय श्री करम चन्द मलिक  
निवासी-57 बस्ती हरफुल सिंह, दिल्ली (3)  
कृष्ण लाल मलिक और (4) धरमवीर मलिक  
सुपुत्र श्री उत्तम चन्द, निवासी-1/13, पंजाबी बाग,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 15, रोड नं० 41, स्थापित—पंजाबी बाग, नई  
दिल्ली एरिया ग्राम—मादीपुर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली, 2195. 37  
वर्ग गज में बना हुआ है।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 21-6-1982  
मोहर :

(1) श्री के० एम० मुहम्मन कट्टि हाजि और पात्तुम्मावी  
(अन्तरक)

(2) श्री के० मोईनीन कोया  
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 24 जून 1982

निर्देश सं० एल० सी० 583/82-83—यतः मुझे, पी०  
जे० तोमसकुट्टि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूचि के अनुसार है, जो कालिकट में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालिकट में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
30-10-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी विभागीय आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

20½ costs of land with a building in Sy. No. 52/11A T.S.  
No. 17-10-599 of Kalathillanna Village.

पी० जे० तोमसकुट्टि  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 24-6-1982  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ए० रामचन्द्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० अब्दुल अलीम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 24 जून 1982

निदेश सं० एल० सी० 584/82-83—यतः मुझे, पी०  
जे० तोमसकुट्टि,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूचि के अनुसार है, जो कालिकट में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालिकट में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
6 अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रति उद्घोषित  
फन के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिकोण  
प्रतिफल से उद्घोषित प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच  
अन्तरण के लिए तब तक गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण के लिए तब तक कि वह तब तक नहीं किया गया  
है —

(क) अन्तरण यह है कि यह आय का बाजार मूल्य अधि-  
नियम के अधीन हो देता है अन्तरक के दायित्व  
में कम हो या अन्यथा तब तक कि वह तब तक नहीं किया गया  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निशियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपान में मुविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्यपि हस्ताक्षरी  
के पास लिखित में लिए गए होंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आ उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

124 Costs of land with a building in T.S. No. 614/1A and  
614/1B in Calicut.

पी. जे० तोमसकुट्टि  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 24-6-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जून, 1982

निदेश सं० खरड़/13/81-82—अतः भुझे, मुख देव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसमें इसके  
परामर्श 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्राम करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट सं० नं० 503 फेज 1 है तथा जो मोहाली  
तहसील खरड़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और भुझे यह विश्राम  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
घोषणा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-  
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तारा चन्द राणा सुपुत्र श्री ईश्वर.

राजस्थान निवासी 14/4, सैक्टर 4,  
नया नंगल जिला रोपड़।

(अंतरक)

2. श्री मंगल दाम सुपुत्र श्री कृष्ण लाल

निवासी मकान नं० 3220, सैक्टर

23-डी, चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 503 फेज 1, तहसील खरड़ मोहाली में स्थित है।

(जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय के  
विलेख संख्या 3918 अक्तूबर, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 25-6-82

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जून 1982

निर्देश सं० चण्डी/167/81-82—अन मुझे, मुखदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु से अधिक है  
और जिसकी संख्या 1/3 हिस्सा प्लॉट न० 77 है तथा जो इंडस्ट्री-  
यल एरिया, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 10/81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टि  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिधों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सृष्टि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

19-176GI/82

- 1 स/श्री दिनबाग सिंह और श्री बहादुर सिंह स/  
मुपुत्र श्री मन सिंह निवासी मकान न०  
285, सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़  
माध्यम उनके अटोर्नी श्री ग्राम दत्त कौशल  
मुपुत्र श्री बीरा चन्द कौशल, निवासी  
एम सी एफ-1, सैक्टर 27 सी, (अन्तरक)  
चण्डीगढ़ ।
- 2 श्री प्रीतम सिंह भरज और  
श्री सन्तोष सिंह भरज मुपुत्र  
श्री बाबा सिंह भरज निवासी 16/3,  
डब्लू०ई०ए० कारेल बाग, नई दिल्ली अब  
प्लॉट न० 17, सैक्टर 6, फरीदाबाद ।
- 3 श्री कृष्ण मलहोत्रा,  
प्लॉट न० 77, इंडस्ट्रीयल एरिया, (अन्तरिती)  
चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा आफ प्लॉट न० 77 इंडस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ ।  
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के चण्डीगढ़ के कार्यालय  
के विन्देश संख्या 1203 अक्टूबर, 1981 के अधीन दर्ज है) ।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 25-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

तुमिमाना दिनांक 25 जून 1982

निदेश सं० चण्डी/156/81-82—अतः मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस सी एफ नं० 415 है तथा जो सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 10/81

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुकित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम या या 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रभार प० श्री उत्तम सिंह,  
श्री उत्तम सिंह सुपुत्र श्री सुन्दर सिंह,  
श्री गुरचरनजीत सिंह सुपुत्र श्री उत्तम सिंह  
श्री राजदीप सिंह माइनर सुपुत्र श्री गुरचरन सिंह  
श्री मनपरीत सिंह  
श्रीमती राजपाल कौर प० श्री गुरचरन सिंह,  
सभी निवासी मकान नं० 1627, सैक्टर 7 -सी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती रजनी सेठी प० श्री परीतपाल सिंह सेठी  
मास्टर शेलू सेठी माइनर सुपुत्र म० परीतपाल सिंह सेठी  
मास्टर बावी सेठी  
मास्टर सुमीत सेठी  
सभी निवासी आर-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस सी एफ नं० 415 सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़।  
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1100 अक्टूबर 1981 के अधीन दर्ज है)।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 25-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जून, 1982

निदेश सं० चण्डी/183/81-82—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹० से अधिक है

और जिसकी संख्या बंगला नं० 230 है तथा जो सैक्टर 9—सी,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में, और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 10/81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल, से ऐन दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में तयित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री जगत सिंह
2. श्री विक्रम सिंह
3. श्रीमती गुरनेल कौर प० श्री जगदेव सिंह  
एस सी ओ 8-9, सैक्टर 17—बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री हरमोहन धवन सुपुत्र एस० आर० धवन  
श्री हरीश धवन श्रीमती राम प्रकाश धवन  
निवासी मकान नं० 2027, सैक्टर 21—डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 230, सैक्टर 9—सी चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के  
विलेख संख्या 1180 अक्टूबर 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 25-6-82

मोहर:

प्रकृष वाई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जून, 1982

निर्देश सं० चण्डी, 152/81-82--अत मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसका सख्या प्लॉट न० 516 है तथा जो सैक्टर 33-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10/81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या शनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचन के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अधीन:—

1 श्रीमती विमलजीत बैम निवासी 43/6 ब्रह्म कशलटेड क्वार्टर (रामपुर हरद्वार) माध्यम श्रीराम कवर गुप्ता सुपुत्र श्री टिका राम निवासी मकान न० 401, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2 श्री मनमोहन सिंह सुपुत्र श्री हरबन्स सिंह श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री मनमोहन सिंह माध्यम श्री मनमोहन सिंह निवासी मकान न० 727 सैक्टर 11, चण्डीगढ़।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 516 सैक्टर 33-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सख्या 198 अक्टूबर, 1981 के अधीन दर्ज है)।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, लुधियाना

तारीख 25 जून 1982  
मोहर



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जून 1982

1. श्री ओम प्रकाश वीरमानी मुपुत्र श्री गधा कृष्ण वीरमानी  
माध्यम  
श्री अश्वनी कुमार निवास 1686, सैक्टर 34-डी,  
चण्डीगढ़। (अन्तरक)
2. मि० लाजवन्ती निवासी 1686, सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्तर-  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

निर्देश सं० चण्डी/161/81-82—आ: मुझे, सुखदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमके पत्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 1000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी संख्या पी० न० 1686 है तथा जो सैक्टर 34-डी,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इस उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में,  
राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 10/81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, जिसमें दायमान प्रतिफल में, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वार्षिक रूप में कांशित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित कार्यों, अर्थात्:—

अनुसूची

प्लॉट न० 1686 सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जा कि राजस्वीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय  
के विलेख संख्या 1135 अक्टूबर 1981 के अधीन दर्ज है) 5

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 25-6-1982  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जून 1982

निर्देश सं० चण्डी/158/81-82—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 3407, सैक्टर 35-डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10/81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के पन-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रयोग, निम्नलिखित व्यक्तियों; यर्थात्

1. श्री केहर सिंह सुपुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी चण्डीगढ़ माध्यम स्पशल पावर आफ अटोरनी श्री विजय कुमार भल्ला सुपुत्र स्व० श्री जे० बी० भल्ला निवासी मकान नं० 624, फेज-1, मोहाली (एस०ए०एम०)। (अन्तरक)
2. श्री बी० एस० छाबड़ा सुपुत्र श्री बाल कृष्ण छाबड़ा और श्रीमती पुष्पा छाबड़ा निवासी 3209, सैक्टर 23-डी चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3407 सैक्टर 35-डी चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1112 अक्टूबर, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 25-6-1982

माहूर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मि० जमवला कीर प० श्री विष्णुपाल सिंह लांवा

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जून 1982

निदेश सं० चण्डी/164/81-82—अतः मुझ, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 26-सी (नया नं० 107) है तथा जो सैक्टर 10-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्--

1. मि० जमवला कीर प० श्री विष्णुपाल सिंह लांवा  
1. यामी 4/55 ड ई ए, करोल बाग, नई दिल्ली माध्यम  
1. लक्ष्मी मिश्रा प० लै० कर्नल मनकमेश्वर मिश्रा निवासी  
मकान नं० 283, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. ल० कर्नल मनकमेश्वर मिश्रा सुपुत्र लै० श्री हरीश चन्द  
मिश्रा निवासी 283 सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 28-सी (नया नं० 107) सैक्टर 10-ए, चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विनोद संख्या 1181 अक्तूबर, 1981 के अधीन दर्ज है)।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 25-6-1982  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जून 1982

निदेश सं० चण्डी/168/81-82—अन० मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना दी जा रही है कि यह सूचना देने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिंगकी संख्या प्लॉट नं० 612 है तथा जो सैक्टर 36-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमें उपायुक्त अनुमोदी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिमी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री पुरजान सिंह दानवालिया गुप्त आगरा 11  
निवासी 25 पी० एम० रा० सिंह  
नगर, जिला गंगा नगर (राज-पू०) । (अन्तरक)

2 श्रीमती बाल्मिकी कौर ब्राह्मणवालिया प० श्री  
हरविन्द सिंह निवासी ई-12 कैनाथ कलोनो, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिनी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्वेष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 612 सैक्टर 36-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है ।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1215 अक्टूबर, 1981 के अधीन दर्ज है) ।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

तारीख : 25-6-1982

मोहर :

\*प्रसूत आर्डी टी० एन० एम०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जून 1982

निर्देश सं० चण्डी/166/81-82—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 211 है तथा जो सैक्टर  
37-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच गेज प्रन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था निम्नलिखित में सुविधा के  
लिए;

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. श्रृंखला :—  
20—176GI/82

(1) श्री रामस्वरूप लोखा सुपुत्र श्री कांशी राम लोखा  
निवासी 286, सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती धनकौर ए० श्री कर्नल सिंह मनकू  
माध्यम श्री राधा सिंह सुपुत्र श्री कलिया सिंह  
निवासी मकान न० 3284,  
सैक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरितता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 211, सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ में है।  
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के चण्डीगढ़  
कार्यालय के विलेख संख्या 1190 अक्टूबर, 1981 के  
अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 25-6-1982  
मोहर :

प्रारूप आर्क टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 25 जून, 1982

निर्देश सं० चण्डी/165/81-82—अतः मुझे मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 329 है तथा जो सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमं दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में अधिन नहीं किया गया है --

(1) अन्तरण में हुई किसी काम को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए, और/या

(2) एमं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मि० असपाल कौर प० श्री बक्षीश सिंह  
निवासी गांव मनगवान, तहसील गढ़गढ़,  
जिला होशियारपुर ।

(अन्तरक)

(2) मि० हरविन्द कौर प० श्री जोगिन्द सिंह  
चावला माध्यम उसके अटोर्नी श्री प्रदुमन सिंह  
चावला सपुत्र श्री कर्मासिंह चावला निवासी  
मकान नं० 1067 सैक्टर 19-बी०, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिनी)

(3) सेंट्रल बैंक आफ इन्डिया  
मकान नं० 329 सैक्टर 21-ए,  
चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 329, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है ।  
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 1183 अक्टूबर, 1981 के अधीन दर्ज है । )

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना ।

तारीख 29-6-1982

मोहर :

प्रश्न नं० टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 29 जून 1982

निर्देश सं० चण्डी/189/81-82—अतः मुझे सुखदेव  
चन्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बूथ नं० 36 है तथा जो सैक्टर 16-डी,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जयकिशन दास अग्रवाल सुपुत्र श्री चन्द्रभान  
निवासी सी-33, नोर्थ गोडा माध्यम जनरल पावर  
आफ अटोरनी श्री कुलदीप सिंह सुपुत्र श्री  
नरिन्द्र सिंह निवासी 3247, सैक्टर 15-डी,  
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जासिन्द्र कौर प० श्री कुलदीप सिंह,  
निवासी 3247 सैक्टर 15-डी, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

(3) (1) मै० बख्शी साऊड सर्विसस बूथ नं० 56,  
सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़ ।

(2) मै० कुलदीप प्रापटी और आटो डीलरज

(3) मै० चम्पा खन्ना निवासी बूथ नं० 36,  
सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्ति के पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बूथ नं० 56, 16-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है ।  
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्या-  
लय के विलेख संख्या 1114 अक्तूबर, 1981 के अधीन  
दर्ज है ।)

सुखदेव चन्व  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज लुधियाना

तारीख : 25-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 30 जून, 1982

निर्देश नं० चण्डी/162/81-82—अतः मुझे मुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3331 है तथा जो सैक्टर  
21-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायव्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जोम्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री सरूप सिंह मुखर्जी सिंह माध्यम श्रीमती  
रामप्यारी निवास। 2866,  
सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री अटकम चन्द बल्लो,  
ऐकशन कन्ट्रोल-2,  
पी० डी० डी० बी० गण्ड आर, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाँच:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बंगसूची

मकान नं० 3331 सैक्टर 21-डी० चण्डीगढ़ में स्थित है।  
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्या-  
लय के विलेख संख्या 1164 अक्टूबर, 1981 के अधीन  
दर्ज है।)

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 30-6-1982  
मोहर:



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 30 जून 1982

निर्देश सं० चण्डी/154/81-82—अतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11पी है तथा जो सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के नियम, और/या

(ख) ग़मी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मि० राजिन्द्र कौर किरों प० मेजर जनरल जी० एस डिलों माठयम श्री रवी कुमार एस०सी० एफ० नं० 33, सैक्टर 7—सी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) मि० कृष्णा देवी अग्रवाल और मि० प्रदीप कुमार निवासी मकान नं० 126 सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 11-पी, सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़ में है।  
(जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1096 अक्टूबर, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 30-6-1982

मोहर:

प्ररूप आइ टी. एन्. एस. -----

1. विंग कमांडर जी० बी० सिंह (रिटायर्ड) सपुत्र  
डा० नारायण सिंह ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 30 जून, 1982

निर्देश सं० चण्डी/153/81-82—अतः मुझे सुखदेव  
चन्द,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान नं० 302 है तथा जो सक्टर  
35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981 ।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

2. 1. डा० (मि०) प्रवर्षी बाई नय्यर,
  2. डा० (मि०) लीला रामाकुमार और
  3. डा० केशवन नय्यर
- सभी निवासी मकान नं०, 302, सैक्टर 35-ए,  
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

मकान नं० 302 सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में है ।  
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्या-  
लय के विलेख संख्या 1094 अक्टूबर, 1981 के अधीन  
दर्ज है) ।सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख: 30-6-1982

मोहर:

परूप आई. टी. एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 30 जून 1982

निर्देश सं० चण्डी/169/81-82—अतः मुझे मुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या मकान नं० 105 है तथा जो सैक्टर  
18-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्मे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी  
(अन्तरिनीयों) के बीच गुंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित म-  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय को वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धात्विकों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती जगदीश कौर पं० श्री जसमेर सिंह  
निवासी मकान नं० ए-1/67, सफदरगढ़ इन्क्-  
लेब नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवनाथ तनबाड़ निवासी मकान नं० 50-51,  
सैक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया  
गया है ।

जनसूची

मकान नं० 105, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़ में है ।  
(जायदाद जा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्या-  
लय के निवेद्य संख्या 1220 अक्टूबर, 1981 के अधीन  
दर्ज है ।

मुखदेव चन्द  
सशम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, लुधियाना

तारीख : 30-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं० ए०सी०/रेंज-IV/-कल/1982-83—अत. मुझे  
के० मिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० है तथा जो गोविन्दपुर थाना—सोनापुर,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डायमंड  
हारबार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 30-10-1981

को पूर्वांश संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांश संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बाग़तबिक  
रूप में अभिलेखित नहीं किया गया है :-

(ग) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक से दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा पकड़ नहीं किया गया  
था या किया जाना बाह्य था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :-

(1) श्री गौरी प्रसाद चक्रवर्ती

(गन्तरक)

(2) श्री अब्दुल हमन घरासी

(गन्तरिणी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांश संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांश  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन-49.31 कटठाह बिल्डिंग के साथ पता—मौजा—  
गोविन्दपुर, थाना—सोनापुर, जिला—24, परगनाज डीड  
सं० 6011, 1981 का ।

के० मिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

निर्देश सं० राज/सहा०आ० अर्जन/1213--यतः मुझे  
वी० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० ई-2, ई-1, है तथा जो  
पाली में स्थित है, (और इसमें उपवाङ्ग अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय पाली  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 16-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
प्राप्त पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
का निम्नलिखित प्राप्ति अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

21-176 GI/82

(1) श्री हनुमान मल पुत्र महल चन्द चन्डालिया  
निवासी सरदार शहर पार्टनर आफ मैमर्स एम०  
के० सी०पी० टैक्सटाईल्स प्रा०

(अन्तरक)

(2) मैमर्स नाहटा फैब्रिकस (प्रा०) लिमिटेड, पाली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० ई०-1 एवं ई०-2 औद्योगिक क्षेत्र द्वितीय  
चरण, पाली जो जिला पञ्चिक, पाली द्वारा क्रम संख्या  
39-81 दिनांक 16-10-81 पर पञ्चिक बिक्रय पत्र में  
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी० के० अग्रवाल  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, जयपुर

तारीख 22-5-1982  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री तारा सिंह पुत्र धन सिंह गांव व डा० भील छपरा जगाधरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजिन्दर सिंह चरण बामन सिंह, सेवा सिंह नि० भील छपरा जगाधरी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जून 1982

यह सूचना जारी करके पूर्वांकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

निर्देश सं० जगाधरी/66/81-82-यनः, मुझे, गो० सि०

गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसका भूमि 71 कनाल 8 मरले भूमि सहित है तथा भील छपरा में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रारों अधिकांश के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख अक्टूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूरवस्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तद पाया गया प्रतिफल निर्मित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वर्णित रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी वगैरह या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) सभी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निताओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियम में किसी भी गति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 71 कनाल 8 मरले मकान सहित भील छपरा में स्थित है जिसका अधिनियम निरीक्षण रजिस्ट्रारों के कार्यालय जगाधरी में दिनांक 1-10-81, रजिस्ट्रार संख्या 1121 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल

मसम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

अ. अ. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

तारीख 16-6-1982

माहूर

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 26th June 1982

No. A-32014(1)80-Adm.H.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby makes the following appointments for the period indicated against each or until further orders whichever is earlier :—

1. Shri S. P. Bansal, Assistant Controller (DP) to officiate as Deputy Controller (DP) on ad-hoc basis for the period from 3rd June 1982 to 9th July 1982 *vice* Shri M. I. Dhawan, Deputy Controller (DP) granted leave for the period 3rd June 1982 to 9th July 1982.
2. Shri M. M. Sharma, Supdt. (DP) to officiate as Assistant Controller (DP) on ad-hoc basis for the period from 3rd June 1982 to 9th July 1982 *vide* Shri S. P. Bansal, Assistant Controller (DP) promoted as Deputy Controller (DP).
3. Shri J. J. Chakraborty, Investigator (DP) to officiate as Supdt. (DP) on ad-hoc basis for the period from 3rd June 1982 to 9th July 1982 *vice* Shri M. M. Sharma, Supdt. (DP) promoted as Assistant Controller (DP).

These appointments are purely on ad-hoc basis and will not entitle the ad-hoc appointees to claim seniority or regular appointment on the basis of these appointments.

Y. R. GANDHI

Under Secy.

for Chairman

Union Public Service Commission.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A. R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th July 1982

No. S-161(67)-AD-V.—In continuation of the Notification of even number dated 27th January 1982, the President is pleased to further extend the service of Shri S. P. Bhaidwal, Adl. Legal Adviser in the CBI who attained the age of 58 years on 28-2-1982, for a period of 6 months w.e.f. 1st Sept. 1982 to 28th Feb. 1983.

The 8th July 1982

No. M.2(65)-AD.V.—Shri M. Ramakrishna, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, Hyderabad on attaining the age of 58 years, retired from Government service with effect from 30th June, 1982 (A.N.).

No. P. 6(67)-AD.V.—Shri P. N. Nambisan, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, Madras on attaining the age of 58 years, retired from Government service with effect from 30th June, 1982 (A.N.).

No. 1-10 82-CFSL(AdV) 5 88.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Nayal Sr. Scientific Officer (Finger Print), Central Forensic Science Laboratory, New Delhi as Assistant Director (Finger Print) in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.L., New Delhi in a temporary capacity w.e.f. forenoon of 24th June 1982 until further orders.

No. 11/44/81-Ad. I.—The President is pleased to appoint, on deputation, the under-mentioned officers as Assistant Director (Data Processing) in the office of the Director of Census Operations in states as mentioned against each, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the date as indicated against each or till the post is filled in, on a regular basis whichever period is shorter :—

Sl. No.	Name of the officer	Office in which working	Date of appointment	prescribed Headquarters
1	2	3	4	5
1.	Sh P. K. Rout	DCO, Orissa, Bhubaneswar	1-6-1982 (F/N)	Bhubaneswar
2.	Sh. J. Thomas Machado	DCO, Maharashtra, Bombay	16-6-1982 (F/N)	Bombay

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

The 12th July 1982

No. A-19036(9 82)-A.D.V.—The Director, CBI and Inspector General of Police (Special Police Establishment) is pleased to promote the following Inspectors to officiate as Dy. Superintendents of Police in CBI on *ad-hoc* basis from the date mentioned against their names until further orders :—

Name of the Officer	Branch to Which Posted	Date of ad-hoc Promotion
S/Shri		
1. S. K. Rattan	Co-ordination	3.4.1982 (AN)
2. Surendran K. Nair	Special Unit	14.6.1982
3. K. N. Smith	Shillong	5.4.1982 (AN)
4. S. Paisad	CIU (NC)	3.4.1982
5. N. C. Jha	GOW : Bombay	22.5.1982
6. A. Prasad	Patna	4.5.1982
7. M. P. Sharma	CIU (E) II	3.4.1982

R. S. NAGPAL  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation.

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 1st June 1982

No. E-38013(4)582-Pers.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Chib, on promotion on ad-hoc basis, as Asstt. Commandant, CISF Unit, HIL Rasavani with effect from the forenoon of 30th April, 1982.

SURENDRA NATH  
Director General.

New Delhi-110003, the 9th July 1982

No. F-29020 2(82)-G.V.I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Tiwari substantively as Assistant Commandant in the Central Industrial Security Force w.e.f. 1st January, 1981.

The 13th July 1982

No. L-31013(1)182-GA-I.—The President is pleased to promote Shri N. N. D. Kaul, Assistant Commandant, NW Zone, CISF, New Delhi, to officiate in the rank of Assistant Inspector General, NW Zone, CISF, New Delhi on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 23rd June, 1982 till 31st July 1982 (AN).

SHIVRAJ BAHADUR  
Director General.

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 3rd July 1982

No. 10/28/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Y. D. Sharma, Programme Assistant/Console Operator in the Computer Centre, Department of Statistics, as Assistant Director (Programme) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 19th June, 1982, until further orders.

2 The headquarters of Shri Sharma will be at New Delhi.

MINISTRY OF FINANCE  
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

## BANK NOTE PRESS

Dewas, the 4th July 1982

No. BNP C/5/82.—On the recommendations of the DPC (Group 'B') the following officers are appointed in substantive capacity against the permanent posts and from the dates shown against each.

Sl. No.	Name	Post against which appointed in substantive capacity	Date of substantive appointment
1.	Shri D. R. Mansingh	Assistant Engineer (Mechanical)	27-2-81
2.	Shri S. L. Malhotra	Assistant Engineer (Air Conditioning)	23-5-81

J. C. GULATI,  
Dy. Gen. Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 7th July 1982

No. Admn.I/8.132/82-83/132.—**Sri Gulam Yazdani**, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service on 30th June 1982 A.N.

No. Admn.I/8.132/82-83/132.—**Sri T. Lakshminpathi**, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service on 30th June 1982 A.N.

No. Admn.I/8.132/82-83/132.—**Sri V. R. Jayavelu**, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service on 30th June 1982 A.N.

No. Admn.I/8.132/82-83/132.—**Sri O. V. Narasimham**, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service on 30th June 1982 A.N.

No. Admn.I/8.132/82-83/132.—**Sri G. J. Manual**, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired voluntarily from service on 1st July 1982 C.N.

B. MASON  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, POSTS &amp; TELEGRAPH

New Delhi-110054, the 13th July 1982

No. Admn. III/132/23(A)(2) Notification.—The Director of Audit, Posts and Telegraphs has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as officiating Audit Officers and to post them in the P&T Branch Audit Offices indicated against each until further orders. Their promotions are on *ad-hoc* basis and are subject to revision.

S. No.	Name	P&T Branch Audit Office to which belong as S. O.	P&T Branch Audit Office to which posted	Date of promotion as Audit Officers
1.	Shri Sunil Bhushan Ghosh	Calcutta	Given proforma promotion under N. B. R. Bombay	14-9-81 F.N.
2.	Shri Vishwalingam Ramaswamy-I	Madras		5-10-81 F.N.
3.	Shri Aranya Kumar Chakraborty	Calcutta	Given proforma promotion under N.B.R. Jaipur	30-10-81 F.N.
4.	Shri Sohan Lal-II	Lucknow		30-10-81 F.N.
5.	Shri Joydeb Karar	Calcutta	Given proforma promotion under N.B.R. Delhi	29-1-82 F.N.
6.	Shri Madhukar Raja Ram Dhoki	Nagpur		22-1-82 F.N.
7.	Shri P. Radha Krishnamurthy	Hyderabad	Bombay	22-1-82 F.N.
8.	Shri Bhuban Chandra Hazara	Calcutta	Given proforma promotion under N.B.R. Delhi	29-1-82 F.N.
9.	Shri Sushil Chandra Biswas	Calcutta		29-1-82 F.N.
10.	Shri Bangalore Srinivasan	Madras	Delhi	18-2-82 F.N.
11.	Shri Arun Bikas Banerjee	Calcutta	Lucknow	12-2-82 F.N.
12.	Shri Amalendu Bhattacharjee	Calcutta	Ahmedabad	24-2-82 F.N.

K. K. THAPAR  
Deputy Director of Audit (H.Q.).

MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

## ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 6th July 1982

No. 33/G/82.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. D.M./DADGOF with effect from the date shown against them :—

(1) Shri A. K. Prabhakar, AM (Prob)—30th April, 1982.

(2) Shri B. Saha, AM (Prob)—30th April 1982.

No. 34/G/82.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. A.M./TSO with effect from the date shown against him :—

(1) Shri S. B. Thambuswamy, Foreman—29th April, 1982.



The 8th July 1982

No. 32[G/82.—Shri R. V. Krishnan, Offg. Jt. General Manager, (Permt. Manager) retired voluntarily from service with effect from 1st Sept. 1981 (AN)

V. K. MEHIA  
Asstt. Director General, Ordnance Factories.

Calcutta-700069, the 2nd July 1982

No. 7/82[A/E-1.—Shri P. G. Goswami Subst. & Permtt. Assistant, Offg. Assistant Staff Officer has been declared permanently incapacitated for Govt. service by the Competent Medical Authority, and the D.G.O.F. has sanctioned invalid pension to him under Rule 38, C.C.S. Pension Rules, 1972. Shri Goswami is transferred to Pension Establishment accordingly w.e.f. 11th June 1982, the date on which the Medical Authority declared him permanently incapacitated for further service under Government.

C. S. GOURISHANKARAN  
Member/Personnel.

## MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

## OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 29th June 1982

No. A-19011/29-79-Admn II(A).—The President is pleased to permit Shri V. Krishnaswamy Iyengar, Director (Processing) in the Weavers' Service Centre, Madras to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th June 1982 on attaining the age of superannuation.

The 5th July 1982

No. A-19011/10/79-Admn II(A).—The President is pleased to permit Shri P. K. Prabhakar, Deputy Director (Designs) in the Weavers' Service Centre Bangalore to retire voluntarily from Government service with effect from the afternoon of the 30th June, 1982

P SHANKAR  
Addl. Development Commissioner for Handlooms

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

## KANDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION

Gandhidham-370230, the 18th May 1982

No. FTZ/ADMN/7/2/79/10932.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham—Kutch hereby appoints Shri S. Ramanathan Examiner (O.G.) Madras Collectorate of Customs as Appraiser, Kandla Free Trade Zone on usual deputation terms, in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/60 F. III dated the 4th May, 1961 as amended from time to time in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-1.B-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from A. N. of 19/4/1982 until further orders.

NIRANTAN SINGH  
Development Commissioner,  
Kandla Free Trade Zone.

## MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

## OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110011 the 7th July 1982

No. A-19013/15/6/1 Admn(G).—Consequent on his appointment as Assistant Manager (Technical) (Southern Region) in Bharat Leather Corporation Ltd., New Delhi

Shri K. S. Naidu relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (Leather/Footwear) at Central Footwear Training Centre, Madras under Small Industries, Service Institute, Madras with effect from the afternoon of 19-4-1982.

C. C. ROY  
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 9th July 1982

No. A-11(1156).—The President is pleased to the continuance of *ad-hoc* appointment of Shri T. V. Pote as Assistant Director (Litigation) (Grade I) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay for a further period of six months beyond 15-4-1982 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

S. L. KAPOOR  
Deputy Director (Administration)  
For Dte. General of Supplies and Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 8th July 1982

No. A-6 247(49)57.—The President is pleased to appoint Shri N. N. Bhaduri, Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) in the Office of Director of Inspection Calcutta to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg.) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 26th May, 1982 in the same office at Calcutta and until further orders.

2. The *ad-hoc* appointment of Shri N. N. Bhaduri will not bestow on him any right or claim for regular appointment and *ad-hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

S. L. KAPOOR  
Deputy Director (Administration)

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th July 1982

No. 29/6/81-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri I. Chakraborty to officiate as Farm Radio Officer at All India Radio, Silchar with effect from 24-5-1982 (F.N.).

No. 29/7/81-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Bhag Chand Panwar to officiate as Farm Radio Officer at All India Radio, Suratgarh with effect from 14-4-1982 (F.N.).

S. V. SESHADRI  
Deputy Director Administration  
for Director General

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th July 1982

No. A.19012/4/79-SI.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Guha, Assistant Depot Manager, Medical Store Depot, Madras to the post of Depot Manager, Medical Store Depot, Kaula for three months with effect from the forenoon of 5th May, 1982, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

SHIV DAYAL  
Dy. Director Administration (Stores)

New Delhi, the 8th July 1982

No. A.12025/13/78(NTI) Admn.I.—Consequent upon his appointment to the post of Veterinary Officer at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, Dr. K. N. Tandon relinquished charge of the post of Veterinarian at the National Tuberculosis Institute, Bangalore with effect from the afternoon of the 13th May, 1982.

T. C. JAIN  
Deputy Director Administration (O & M)

## MINISTRY OF RAILWAYS

## (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 20th July 1982

## PUBLIC NOTIFICATION

No. 82/RF/161/6.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises situated on the undernoted sections of the Northern Railway, that the 25000 Volts 50 cycles A.C. Overhead Traction wires have been energised on the date specified against the section. On and from the same date, the Overhead Traction wires shall be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead lines

Section	Date
Nizamuddin-Chanakyapuri	14-6-1982
Chanakyapuri-Patel Nagar	15-6-1982
Patel Nagar-Sadar Bazar	30-6-1982
New Delhi-Tilak Bridge-Nizamuddin	

HIMMAT SINGH  
Secy., Railway Board

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay 400085, the 9th July 1982

No. PA/15(1)/77-R-IV/678.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Radhe Shyam Upadhyay as Scientific Officer/Engineer Grade SB in BPP Project of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 29, 1982 until further orders.

B. C. PAL  
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 2nd July 1982

No. PPED/32(20)/82-Adm P.II.—Chief Project Engineer, Kakrapar Atomic Power Project is pleased to appoint Shri B. M. Ganatra, a permanent Accountant and officiating Asstt. Accounts Officer as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity in the Kakrapar Atomic Power Project with effect from the forenoon of May 3, 1982 until further orders.

The 5th July 1982

No. PPED/3(283)/82-Estt.I/9110.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. Vasu a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of June 21, 1982 until further orders vice Shri S. R. R. Rao, Assistant Accounts Officer promoted.

No. PPED/3(282)/81-Estt.I/9177.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri V. V. Sawant, a permanent UDC and officiating Assistant Accountant of Directorate of Purchase and Stores as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of June 25, 1982 until further orders.

R. V. BAJPAI  
General Administrative Officer

## DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400001 the 5th July 1982

No. DPS/23/3/79-Estt.I/15043.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints

Shri Nilkanth Baburao Nadkarni, Storekeeper, to officiate as Assistant Stores Officer (*ad-hoc*) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from May 15, 1982 (FN) to June 15, 1982 (FN) vice Shri K. Chandrasekharan, Assistant Stores Officer promoted as Stores Officer.

No. DPS/23/3/79-Estt.I/15049.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kanjirakkatt Essac George, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (*Ad-hoc*) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from April 30, 1982 (FN) to June 11, 1982 (AN) vice Shri John Vareed, Assistant Store Officer granted leave.

B. G. KULKARNI  
Assistant Personnel Officer

Bombay-400 001, the 6th July 1982

No. DPS/2/15/80-Estt.I/15081.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Parari Kizhakodan Radhakrishnan, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from December 28, 1981 (FN) to April 30, 1982 (AN) and in a regular capacity with effect from May 1, 1982 (FN) in the same Directorate until further orders.

K. P. JOSEPH,  
Administrative Officer

## HEAVY WATER PLANT

Tuticorin-628007, the 17th April 1982

## CASE

No. Ref. HWPT/Estt/H-4/TUT/CO/036.—Shri A. R. Hariharan, a temporary Tradesman 'C' in the industrial establishment of Heavy Water Plant in Tuticorin was granted leave from June 15, '81 to August 14, '81. A telegram dated August 7, '81 requesting for extension of leave upto October 31, '81 was received from Shri Hariharan and he was informed vide telegram dated 17.8.81 that the leave has not been granted and he should report for duty immediately. Shri Hariharan did not however turn up for duty after expiry of the leave sanctioned to him upto 14.8.81. Since Shri Hariharan did not report for duty after the expiry of the leave sanctioned upto 14-8-81 he was charge-sheeted under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 for unauthorised absence from 15.8.81 vide memorandum No. HWPT/Estt/H-4/9026 dated September 18, '81. The inquiry was conducted in terms of Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules 1965 and the Inquiry Officer has submitted his report dated 12-11-81 stating that the charge that Shri Hariharan remained absent unauthorisedly from 15.8.81 tantamounting to violation of the provisions contained in Rule 3(1)(iii) of CCS (Conduct) Rules 1964 according to which every Government servant shall at all times do nothing which is unbecoming of a Government servant has been proved. I agree with the findings of the Inquiry Officer. A Government servant absenting himself in this manner cannot be said to be devoted to his duty by any standards. After taking all aspects of the case into consideration I have come to the conclusion that Shri Hariharan is not a fit person to be retained in service.

## ORDER

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred under Rule 12(2)(b) of Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules 1965, I hereby order that the said Shri A. R. Hariharan be removed from service with immediate effect.

C. B. RAMAMURTY,  
Works Manager

Copy to :  
Shri A R Hariharan,  
32 AA, Private Lane,  
Chairman Muthuramier Road,  
Madurai-9.

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi the 8th July 1982

No A 39012 6 81 EC - The President is pleased to accept the resignation of Shri A. K. Sarkar, Technical Officer in the Office of the Aero Communication Station (Govt) Airport Guvt from Govt service w.e.f. 30.9.1981 (A/N)

PRF M CHAND  
Asstt Director of Administration

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Kanpur, the 8th July 1982

No 2/1982—Consequent upon their promotion to the grade of Administrative Officer/Asstt Chief Accounts Officer/ Examiner of Accounts, Central Excise, Group 'B' in the pay scale of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200, the following Office Superintendents, Central Excise assumed/tookover the charge of Examiner of Accounts/Administrative Officer, Central Excise Group 'B' on the dates and places mentioned against each —

Sl No	Name	Place of posting	Date of joining
S/Shri			
1.	U R Sen	Examiner of Accounts Hdqrs Office, Kanpur	30-4-81 F N
2.	Radhe Shyam Singh	Do	29-8-81 F N
3	M K Butra	Administrative Officer	13-4-82 F N
4	A K Kar	Administrative Officer Kanpur Division II	24-4-82 A N

No 3/82—The following Group 'B' Officers of this Collectorate retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each

Sl No	Name of the Officer & post held at the time of retirement	Date of retirement
1	2	3
S/Shri		
1	G D. Singh, Superintendent Gola Range, Sitapur Division	31-8-81 A N

1	2	3
S/Shri		
2	H B Sharma, Superintendent (Law) Headquarter Office Kanpur	31-10-81 A N
3	D D Jain, Superintendent Bareilly Division	30-11-81 A N
4	K K Chaturvedi, Superintendent Kanungo Farrukhabad Division	31-12-81 A N
5	J K Dhuraya, Superintendent Gursahaiganj, Farrukhabad Division	31-12-81 A N
6	D N Chaturvedi, Superintendent Farrukhabad Division	31-1-82 A N
7	S N Marwah, Superintendent Lakhimpur Range, Sitapur Division	31-1-82 A N
8	S N Khanna, Superintendent Bareilly Division	28-2-82 A N
9	J S. Sexena, Superintendent (Audit) Headquarter Office, Kanpur	31-3-82 A N.
10	J N Tewari, Superintendent Kanpur Division I	31-3-82 A N.
11	M. K. Batta, Administrative Officer Headquarter Office, Kanpur	30-4-82 A N

J RAMAKRISHNAN  
Collector

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 6th July 1982

No A 19012/988/82-Estt.V —Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Biswapati Basu, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the Scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 23rd March, 1982

No A 19012/998/82 Estt.V —Chairman, Central Water Commission hereby appoints Smt I. Prayanna Kumari to officiate in the grade of EAD/AE (Engineering) on purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 17.5.82.

MEHNGA RAM,  
Under Secretary

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. JDR/62/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing House No. 5-82 Shivaji Park, situated at Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Oct '81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpa Devi W/O Gopal Dass Chawla,  
Smt. Nihal Devi R/O Patwa Pur,  
Smt. Burda Devi wd/o Sh. Prem Parkash  
1/0 T-2/3, Baljit Nagar, Delhi,  
Smt. Shanti Devi w/o Jagadish Lal  
Nihal Devi 1/0 S. H. 4/54, New Moti Nagar,  
Delhi-15.

(Transferor)

- (2) Smt. Santosh Kohli w/o Prian Nath  
1/0 16 Vishnu Nagar, Jagadhari  
Shri Rajinder Nath s/o Nathu Ram,  
1/0 38/2 Chand Nagar, Alam Bach,  
Lucknow.

(Transferee)

- (3) Shri Rajpari Setia s/o  
Shri Munshi Ram Setia,  
House No. 5-82, Shivaji Park,  
Yamunanagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 5-82, Shivaji Park, Yamunanagar, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1347 dated 15-10-1981 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-6-82  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Madan Lal S/O Sh. Gurditta Mal,  
R/O Jesico Colony, Jaroda Gate,  
Jagadhari.

(Transferor)

(2) Smt. Tajwanti Devi w/o Som Parkash  
House No. 507, Jesico Colony,  
Jagadhari.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being house No. 507 situated at Jesico Colony, Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4158 dated 8-10-81 with the Sub Registrar, Jagadhari.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
22—176GI/82

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-6-82  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.I.F. COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. JDR 63 81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House No. 536-L, Model Town, situated at Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari on Oct. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ved Parkash Chopra s/o  
Shri Raja Ram Chopra,  
H/o 536-L, Model Town,  
Yamunanagar

(Transferor)

(2) Shri Jaspal Singh s/o  
Shri Mahender Singh  
House No. 536-L,  
Model Town, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 536-L, Model Town, Yamunanagar and is more mentioned in the sale deed registered at No. 1273 dated 1-10-82 with the Sub Registrar, Jagadhari

G. S. GOPALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-6-82

Sd/-

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak the 16th June 1982

Ref. No. AMB/41 81-82. -Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, - and bearing No.

House No. 316 Mahesh Nagar situated at Ambala Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala on Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tulok Chand S/O  
Shri Hushiar Singh  
R/O 18B, Mahesh Nagar,  
Ambala Cantt.

(Transferor)

(2) Smt. Kamna Walia S/O  
Shri Manohar Walia  
House No. 316,  
Mahesh Nagar, Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the afore-said persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 316, Mahesh Nagar, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4014 dated 29-10-1981 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-6-1982  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. AMB/50/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 90 Kailash Nagar situated at Model Town, Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurnam Singh S/O Sh. Puran Singh,  
R/O Kailash Nagar, Model Town,  
Ambala City. (Transferor)
- (2) Shri Bhagwan Singh S/O Shri Soba Singh,  
House No. 90 Kailash Nagar, Model Town,  
Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 90 Kailash Nagar, Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3703 dated 6-10-81 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-6-82  
Seal:



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
DLF COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. AMB/42/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1428 Ward No. 6, situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala on Oct 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amei Devi, Shri Badri Parshad,  
R/O Ambala City.

(Transferee)

- (2) Shri Jawahar Lal S/o Sh. Moti Lal,  
House No. 1428 Ward No. 6,  
Ambala City.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 1428 Ward No. 6, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3982 dated 26-10-1982 with the Sub Registrar, Ambala City.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-6-82  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. AMB/44/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 5088-W-3/1212-B-III, situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nirmal Kumar, Komal Kumar, Anil Kumar sons of Shri Kamla Wanti wd/o Late Sh. Dharam Parkash, Smt. Rita Jain w/o Shri Nirmal Kumar, r/o B-328/1, Sham Singh Road, Civil Lines Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Trishla Jain w/o Shri Sushil Kumar r/o 5088/3, Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 5088-W-3/1212-B-III, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3958 dated 23-10-1981 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-6-82  
Seal :

## FORM ITNS—

F UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No. AMB/46/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. AMC/606/3-B/2, Model Town, situated at Ambala city

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vijay Kumar Lamba S/o Mulakh Raj,  
R/O Kailash Nagar, Model Town,  
Ambala City.

(Transferor)

- (2) Shri Vijay Narain Dass s/o Ram Roop Shakuntal  
w/o Shri Vijay Narain.  
House No. 606/AMC/3, Kailash Nagar,  
Ambala City.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. AMC/606/3-B/2, Model Town Ambala City and as more mentioned in sale deed registered at No. 3817 dated 15-10-1981 with the Sub Registrar, Ambala

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-6-182  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No. AMB/48/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 205 Model Town, situated at Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Oct. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sain Dass Khanna s/o Shri Hari Chand,  
R/O C-529, Saraswati Vihar,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Harbans Lal Lamba S/O Shri Mool Rai,  
Devinder Kumar s/o Shri Harbans Lal,  
R/O 324-B, Model Town, Ambala City.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 205 Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3710 dated 6-10-81 with the sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Rohtak

Date : 18-6-182  
Seal .

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.F. COLONY

Rohtak, the 18th June 1982

Ref No SPT/83 81 82 - Whereas I G S GOPAL A being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 and bearing No Tind measuring 73 kanal 17 maula situated at Kishora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat in Oct 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23—176 GI/82

- (1) Smt. Bapthi wd/o Kanwal Singh, Inder Singh, Mohinder Singh, Hukam Chand and Smt. Satbiran, Sher Singh S/O Phool Singh R/O Village Kishora (Transferee)
- (2) S/Shri Harish Kapoor, Satish Kapoor, Arun Kapoor, sons of Shri Des Raj R/O C 12, Karlish Colony, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 73 kanal 17 maula situated at village Kishora Teh Sonapat and as more mentioned in the sale deed registered at No 3189 dated 16 10 81 with the Sub Registrar Sonapat

G S GOPAL A  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date 18-6 1982  
Seal

## FORM 1.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.I.F. COLONY

Rohtak, the 18th June 1982

Rel. No. GRG/78/81-82.—Whereas, I. G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 1375 Sector No. 4, Urban Estate situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbans Lal Sohm s/o  
Shri Kanta Ram Sohm,  
T-452, Baljeet Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mukul Raj c/o  
Shri Asha Nand,  
House No. 105-R,  
New Colony, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 1375 Sector No. 4, Urban Estate, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2840 dated 6-10-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-6-1982.  
Seal :

FORM IT.N.S.

(1) Shri Trilochan Singh S/O Sujan Singh,  
New Colony, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri Rajan Soota S/O Sh. Jai Dayal Soota,  
Kothi No. 2, New Colony, Gurgaon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, ROHTAK  
DIST. COLONY

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No. GRG/128 81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 portion of Kothi No. 2, situated at New Colony, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being 1/2 portion of kothi No. 2, New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3059 dated 26-10-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No BGR/500/81-82. --Whereas, I, G. S. GOPAL A being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 117, Chawla Colony, situated at Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh on Oct. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of sale persons, namely :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferring; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jawahar Lal S/O Hirdhari Lal  
K/O Dighpur Teh. Sahaspur (U.P.).  
(Transferor)
- (2) Smt. Premwati w/o Sh. Behari Lal  
s/o Hira Lal K/O Vill. Dhoj  
No. 117, Chawla Colony,  
Ballabgarh  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 117 Chawla Colony, Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9805 dated 1-10-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPAL A  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-6-1982  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Jawahar Lal S/O Hardwar Lal,  
R/o Dayalpur Teh Kharja (U.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Premwati w/o Sh. Behari Lal  
S/O Hira Lal R/O Vill. Dhoj,  
No. House No 117, Chawla Colony,  
Ballabgarh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No BGR/500/81-82—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing House No 117, Chawla Colony, situated at Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in Oct. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the persons, namely :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferring; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 117 Chawla Colony, Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9805 dated 1-10-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-6-182  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shivji Ram S/O Sh. Madho Ram,  
10/8 Gali Subhash Chand, Delhi-32.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal S/O Sh. Lishan Lal,  
Bazari Uchabon, Ballabgarh,  
Now House No. 211 Ward No. 6 Gali-3,  
Ballabgarh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No. BGR/501/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop near Janki Dharamshala situated at Ballabgarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being shop situated near Janki Dharamshala Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 10014 dated 6-10-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th June 1982

Ref No BGR 432/81 82—Where I, G S GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No 414 Nehru Ground, situated at N.I.T Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ballabgarh in Oct. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as above and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S K Sharma, Advocate, S/o Sh. Ram Sahai Sharma, R o Old Railway Road, Gurgaon (Transferor)
- (2) Shri Mehar Chand S/O Shri N C Gera R O S-N 2-A New Township, Faridabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being shop No 414, Nehru Ground, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No 9844 dated 1 10 1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh

G S GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date 18 6-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Smt. Naresh Sharma W/o  
Shri S. K. Sharma, Advocate,  
R/o Railway Road,  
Gurgaon

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

(2) 1. Shri Sant Ram Gera S/O Sh. N. C. Gera,  
R/O House No. 93, Sector 15-A, Faridabad.  
2. Shri Ajai Gera S/O Sh. N. C. Gera,  
R/O H. No. 88, Sector 15-A,  
Faridabad

(Transferee)

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th June 1982

Ref. No. BGR/433/81-82—Whereas I, G. S. GOPALA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Shop No. 415-B, Nehru Ground situated at Faridabad  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
Ballabgarh in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being shop No 415-B, Nehru Ground, Faridabad  
and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9845  
dated 1-10-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 18-6-182  
Seal :

**FORM ITNS**(1) Antony Joseph 86, Secretariat Colony, 7th St.,  
Madras.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)**(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Coimbatore-18.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-2,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 1st June 1982

Ref. No. F. 11693.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 11475 situated at Trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5657/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expired later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

Land and building at TS 11475, Trichy Road, Coimbatore. (Doc. 5657/81)

**R. P. PILLAI**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 1-6-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Shri Kenneth Michael D. Silva, 3, Hill Haven,  
Mount Road, Coonoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Coimbatore-18.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-2,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 1st June 1982

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in this Official Gazette.

Ref. No. F. 11693.—Whereas, I, R. P. PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. TS 1/1475 situated at Trichy Road, Coimbatore,  
(Doc. 5656/81)

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at  
Coimbatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore.  
(Doc. 5656/81).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-2, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons namely :—

24—176 GI/82

Date : 1-6-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Joseph Andrew D. Silva, 24, Chettipalayam Road, Podanur, Coimbatore-23.

(Transferor)

(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Coimbatore-18.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 1st June 1982

Ref No. F. 11693.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No TS 111475 situated at Trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5652/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Coimbatore on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at TS 111475, Trichy Road, Coimbatore. (Doc. 5652/81).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 1-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

(1) Shri Louis Andrew D Silva 60, Dr. Rajarathnam St., Kallur, Coimbatore-9.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Coimbatore-18.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 1st June 1982

Ref. No. F. 11693.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 11475 situated at Trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5651/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Coimbatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Death-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at TS 11475, Trichy Road, Coimbatore. (Doc. 5648/81)

R. P. PILLAI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-2, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1982  
Seal :



## FORM I.T.N.S.—

(1) Shti Antony Joseph, 86, Secretariat 7th St., Madras.  
(Transferor)(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Coimbatore.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
(INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961))

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 1st June 1982

Ret. No 1 11693—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. TS 1/1475 situated at Trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5650/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on Oct 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore. (Doc 5650/81).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 1-6-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Jaresa Rosario, 117, Railway Quarters, Podanur,  
Coimbatore-23.

(Transferor)

(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road, Coimbatore-18.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 1st June 1982

Ref No. F 11693—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 1/1475 situated at Trichy Road, Coimbatore, (Doc. 5649/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore. (Doc. 5649/81).

R. P. PILLAI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 1-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Josephine Panchout, C/o Kenneth D  
Silva, 3, Hill Haven Mount Road, Coonoor  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S Krishnaswamy 257, Trichy Road, Coimbatore-18  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2,  
12<sup>3</sup> MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 1st June 1982

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

Ref No F. 11693—Whereas, J. R. P. PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the said Act) have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. TS 1/1475 situated at Trichy Road, Coimbatore,  
(Doc 5648/81)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Coimbatore on Oct 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore.  
(Doc 5648/81)

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-2, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 1-6-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) SHRI Kenneth Michael D Silva Hill Haven,  
Mount Road, Coonoor

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S Krishnaswamy, 257, Trichy Road Coimbatore-18  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned .—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE 2  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6 the 1st June 1982

Ref No F 11693 —Whereas, I, R P PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No TS 1/1475 situated at Trichy Road Coimbatore,  
(Doc 5647/81)

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Coimbatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceed the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed up between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore  
(Doc 5647/81)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date . 16-1982

Seal :

R P PILLAI  
Competent Authority,  
Inspecting Asst Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range 2, Madras-6

## FORM ITNS—

(1) Taisa Rosario, 117, Railway Quarters, Podanur,  
Coimbatore 23

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S Krishna-swamy, 257, Trichy Road Coimbatore-18  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras 6, the 1st June 1982

Ref No F 11693 —Whereas, I, R P PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No TS 1/1475 situated at Trichy Road, Coimbatore,  
(Doc 5658/81)

(and more fully described in the schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Coimbatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-  
Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore.  
(Doc 5658/81)

R P PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range 2, Madras 6

Date 1-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Louis Andrew D Silva, 60, Dr. Rajarathnam St.,  
Kattoor, Coimbatore-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Krishnaswamy 257, Trichy Road Coimbatore-18  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS 6

Madras-6, the 1st June 1982

Ref. No. F. 11693.—Whereas, I. R. P. PILLAI,  
being the competent authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 1/1475 situated at Trichy Road Coimbatore,  
(Doc 5659/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore on Oct 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

\* (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore.  
(Doc. 5659/81)

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of the Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6

## FORM IT NS.—

1) Josephine Panchout, C o. Kenneth Micheal D. Silva,  
3 Hill Heaven Mount Road Coimpor  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Krishnaswamy 257 Trichy Road Coimbatore 18  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE 2,  
123 MOUNT ROAD MADRAS 6

Madras-6 the 1st June 1982

Ref No F 11693—Whereas I R P PILLAI,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-  
and bearing

No 15 F 1475 situated at Trichy Road Coimbatore  
(Doc 5660/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Coimbatore on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,

(b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land and building at 8/258 Trichy Road Coimbatore  
(Doc 5660/81)

R P PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range 2, Madras 6

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
person namely

Date 1-6-1982  
Seal

## FORM TINS

(1) Joseph Andrew D Silva  
24, Chettipalayam Road,  
Podanur, Coimbatore-23

(Transferor)

(2) S. Krishnaswamy,  
257, Trichy Road,  
Coimbatore-18.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-2  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6  
Madras-6, the 1st June 1982

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

Ref. No. F.11693.—Whereas, I R. P. PILLAI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. TS 1/1475 situated at Trichy Road, Coimbatore  
(Doc No. 5661/81)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Coimbatore on October, 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at TS 1/1475, Trichy Road, Coimbatore  
(Doc. 5661/81)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2,  
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 1-6-1982  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 4th June 1982

Ref. No. F.11705.—Whereas, I, R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No TS 328/7/2 situated at Lakshminagar Main Road Tiruppur (Doc. 287/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruppur on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

- (1) Senbahavalli, Thangammal, Muthuswamy Subramaniam, N. Krishnan, N. Muralidharan, N. Senthil, Partners, Jayalakshmi Cotton Textiles and Muthukumar, Cotton Textiles, Tiruppur (Transferor)
- (2) N. Piliappan S/o Nachimuthu Udayar Tobacco Stalks Merchant, Avanashi Road, Annur-638 653 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at TS No 328/7/812 Lakshminagar Main Road, Tiruppur. (Doc. 2874/81)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-2,  
Madras-6

Date : 4-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-----

(1) S. Pathy. Rasokondalu,  
Circuit House Road,  
Coimbatore-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. Narayanaswamy,  
198, Bharathiyar Road,  
Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th June 1982

Ref. No. F.11698.—Whereas, I. R. P. PILLAI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. SF 23/1/24 and 25 Part situated at Chinnanadampattu  
(Doc 4786/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Gandhipuram on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at SF 23/1, 24 and 25 part, Simmanadampattu village,  
(Doc. 4786/81).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

R. P. PILLAI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2,  
Madras-6

Date : 9-6-82  
Seal :

## FORM INS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 8th June 1982

Ref No F 16731.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. 36 situated at Wallers Road, 9, Richie St., Mount Road, Madras-2 (Doc. 923/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) G. Murugesan, G. Yuvaraj,  
K. Gangadharan Chettiar,  
103, Kalava Chetty St.,  
Chintadripet Madras-2.

(Transferor)

(2) Kunjilal Bhaiya  
295, Mowbrays Road,  
Madras-600 018  
and Narayan Prakash Bhaiya  
24, Neelakanta Mehta St.,  
Madras-17.

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 36, Wallers Road and 9, Richie St.,  
Mount Road, Madras-2.  
(Doc 923/81)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2,  
Madras-6

Date : 8-6-1982

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1 P. ESTATE, ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-81, 6025 —Whereas, I, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1927);

Now therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

(1) Shri Jagmal Singh  
S/o Shri Khazan Singh,  
R/o Vill. Haiderpur,  
as GA of Shri Neki Ram  
S/o Shri Udm  
R/o Vill Siraspur, Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Savita Devi  
w/o Shri Hira Lal  
d/o Late Guri Lal  
r/o 2131 Mukampura, S. Mandi,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. 1 Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 588 Vill Siraspur, Delhi.

NARINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXG-13 GROUND FLOOR CR GUILDING, I.P. ESTATE,  
ACQUISITION RANGE-II  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-II/10-81/6026.—Whereas, I,  
NARINDER SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on October, 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction of avasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—(1) Shri Jagmal Singh  
s/o Shri Khazan Singh,  
R/o Vill. Haider Pur, Delhi  
as GA of Neki Ram  
s/o Shri Udmi  
R/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Jain  
s/o Shri Gopi Ram Jain  
R/o 5288, Kothapur, House  
S. Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later:(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 588 Vill.  
Siraspur, Delhi.NARINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi New DelhiDate : 21-6-1982  
Seri :

FORM NO. I.T.N.3.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
ACQUISITION RANGE-II  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC[Acq.II][SR-II][10-81][6018.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Shasapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—176 GI/82

- (1) Shri Attar Singh, Kartar Singh  
Shri Daryao Singh s/o Shri Dharma  
Shri Rajinder s/o Sardar Singh,  
Shri Mukhtiar Singh, Shri Mohinder Singh  
Shri Nafesingh s/o Shri Data Ram,  
Vill Saraspur, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Shyam Lal s/o Shri Matura Prashad &  
Gordhan Dass s/o Baru Singh  
R/o Shastri Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas 10 Biswas Vill. Sarapur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi| New Delhi

Date : 21-6-1982

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
ACQUISITION RANEG-II  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6020.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Holambi, Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Jagjit Singh  
s/o Ram Sarup  
R/o VPO Holambi Khurd, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Shakuntla Rani  
w/o Shri Guru Dutt  
R/o K-4, Model Town, Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bigha 16 Biswas Vill, Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi| New Delh

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/6058.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Saraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shyam Lal  
s/o Shri Mathura Parshad and  
s/o Shri Baru Ram  
Gordhan Dass  
R/o Shastri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi  
w/o Pt. Gian  
R/o Meerut, UP.

(Transferee)

Objections, if any, or the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha Vill. Saraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi| New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal:



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/5973.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Khera Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhartu s/o Shri Sudhan r/o Khera Khurd, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Baljit Singh s/o Shri Kewal Ram r/o Samepur, Delhi & Shri A. C. Dua s/o Shri Ladha Ram r/o R-524, New Rajinder Nagar, N. Delhi. Shri Devinder Kumar Vij s/o Shri M. R. Vij r/o Multani Dhanda, Paharganj, New Delhi. Shri Amit Goel s/o Shri J. P. Goel R/o D-13A/8 Model Town, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 11 Biswas, Vill. Khera Khurd, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal .

## FORM ITNS—

(1) Shri Ram Lal s/o Rewa Ram  
R/o Todapur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subash Chand Jain  
S/o Madan Mohajan  
R/o 196/4, Sadar Bazar,  
Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC[Acq.II|SR-II|10-81|6024.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearingPlot of land situated at Hospital Road, Chanan Singh Park,  
Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on October 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 217½ sq. yds. Hospital Road, Chanan  
Singh Park, Delhi.NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/8503.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGHas the Competent Authority under Section 266B of  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
₹25,000/- and bearing No.situated at Adarsh Nagar, Delhi  
(more fully described in the Schedule annexed  
to), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on October 1981  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid prop-  
erty, and have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
stated to between the parties has not been truly stated in the  
instrument of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);I therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
said property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—(1) Shri Virender Kumar and  
Smt. Sunanda,  
E-6, Rajan Babu Road, Adarsh Nagar,  
Delhi-33.

(Transferor)

(2) Shri Bhup Singh and  
Smt. Murti Devi,  
Both r/o 810/48, Tri Nagar,  
Delhi-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of the publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in the  
Chapter.

## THE SCHEDULE

E-6, Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, Delhi-33 in the  
possession of Bharola, Delhi.NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New DelhiDate : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC[Acq.II|SR-II|10-81|6022.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.Agricultural land situated at Village Holambi Kalan, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
on October 1981for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(17 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Shri Beg Raj s/o Kalu  
R/o VPO Holambi Kalan,  
Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Davinder Singh s/o Mangal Singh  
R/o A/2 Swaran Singh Road, Adarsh Nagar,  
Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 6 Bighas 6 Biswas Village Holambi  
Kalan, Delhi.NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New DelhiDate : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Beg Raj s/o Kalu  
R/o Holambi Kalan,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Rani w/o Late Guru Dutt,  
R/o K-4, Model Town,  
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/ACQ/II/SR-II/10-81/6021.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH  
being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and being

Agricultural land situated at Village Holambi Kalan, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexd hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
situated at Mohalla Shrikishnapuri, Patna morefully des-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publications of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 8 Bighas 12 Biswas of Village  
Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

OF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

No. IAC[Acq.II|SR-II|10-81|6057.—Whereas, I, J.DAR SINGH, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 000/- and bearing natural land situated at Village Nangli Sakrawati, Delhi (more fully described in the Schedule annexed hereto), is transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981

at an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as ascertained exceeds the apparent consideration therefor by more than 20 per cent of such apparent consideration and that the transaction for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16 GI/82

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) Shri Sube Singh s/o Har Lal Singh<br>R/o Village Ker,<br>Delhi.                               | (Transferor) |
| (2) Shri Ishwar Singh Sharma<br>S/o Chhattar Singh<br>R/o RZ-22, Naya Bazar, Najafgarh,<br>Delhi. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 1 Bigha 5 Biswas Mus. 32, Killa No. 21/1, Nangli Sakrawati, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Gurbachan Singh s/o Randhu Singh  
R/o Station Road, Patna-81.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/5871.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.Plot No. J-10/13 situated at Rajouri Garden,  
Village Tatarpur, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on October 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-  
ing persons, namely:—

- (2) Shri Subhash Chander Kathuria HUF,  
Through its Karta Subhash Chander Kathuria and  
M/s. Ramesh Chander Kathuria & Sons HUF  
Through its Karta Shri Ramesh Chander at R-47,  
Kirti nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. J-10/13, Mg. 272 sq. yards Rajouri Garden,  
Village Tatarpur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-6-1982

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th June 1982

Ref. No. IAC[Acq.II|SR-II|10-81|6070.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. WZ-64-A/5 situated at Mukerjee Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Beant Kaur w/o Prem Singh  
R/o 141 S.P. Mukherjee Park,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagan Nath Sharma  
S/o Sant Ram Sharma  
R/o WZ-46, Vishnu Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. WZ-64-A/5, Mg. 233-1/3 sq. yards Mukherjee Park, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-6-1982  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) S. Gian Singh s/o S. Kanshi Singh  
of No. 14/22, Tilak Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Inderjit Kaur w/o S. Harpal Singh  
of No. 208-H, MIG Flats, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-II[10-81]6044.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. E-2 situated at Fateh Nagar, Mohalla Guru Nanak  
Pura, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45  
days from the date of publication of this notice in the  
Official Gazette or a period of 30 days from the  
service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. E-2, Mg. 200 sq. yards Khasra No. 454 Fateh  
Nagar, Mohalla Guru Nanak Pura, New Delhi.

NARINDAR SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II

Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Madan Mohan Jain s/o L.C. Jain,  
R/o 196/4, Sadar Bazar,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vasudev Jain s/o Madan Mohan Jain,  
R/o A-2/287 Pankha Road, Janakpuri,  
Delhi.

(Transferee)

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

FIGE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th June 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/5916.—Whereas, I,  
RINDAR SINGH

g the Competent Authority under Section 269B of  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
: property, having a fair market value exceeding  
25,000/- and bearing No.

t of land situated at Pankha Road, Delhi

d more fully described in the Schedule annexed hereto),  
been transferred under the Registration Act, 1908  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
v Delhi on October 1981

an apparent consideration which is less than the fair  
ket value of the aforesaid property, and I have reason to  
eve that the fair market value of the property as aforesaid  
eds the apparent consideration therefor by more than  
en per cent of such apparent consideration and that the  
sideration for such transfer as agreed to between the  
ies has not been truly stated in the said instrument of  
sfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
resaid property by the issue of this notice under sub-  
sion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 351 sq. yards, Pankha Road, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-6-1982  
Seal :

## FORM IINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th June 1982

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-II|10-81|5795.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8-64 situated at Inderpuri Colony, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on October 1981

for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) South Asia Industries Pvt. Ltd.,  
10, Darya Ganj,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Dalmia Biscuits Pvt. Ltd.  
Rajpura—Patiala  
(Delhi Office 10, Darya Ganj, New Delhi).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. B-64, Inderpuri Colony, New Delhi Mg. 256.68 (306½ sq. yards).

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-6-1982

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. I-C[Acq.-II][SR-II]10-81/6063.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, by force of sub-section (1) of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Laxmi Narain Sharma s/o Ramji Lal r/o A-229 Shashtri Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Saran Jit Singh Sodhi s/o Late Raghbir Singh Sodhi r/o A-E-1, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 14 Biswas (700 sq. yds.) Kh. No. 215, Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 25-5-1982.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Jai Parkash, Prem Parkash and Om Parkash  
sons of Piare Lal r/o Vill. Mukhmelpur, Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhim Singh s/o Ram Mehar  
r/o Singhola, Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/10-81/5814.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Agri. land situated at Vill Qadipur, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-  
teen per cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 14 Biswas Vill. Qadipur, Delhi

NARINDAR SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 25-5-1982.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Laxmi Narain Chaturvedi s/o Ramji Lal  
r/o A 229 Shastri Nagar Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Jagdish Parshad s/o Late Shri Latch Chand  
r/o C 3/30 Ashok Vihar, Delhi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1<sup>st</sup> FSTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref No IAC/Acq-II/SR-II/10-81/6064—Whereas, I,  
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-  
and bearing No

Agri. land situated at Vill Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on October, 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

28—176 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri land 14 Biswas (700 sq yds.) Kh. No. 215, Vill.  
Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982.  
Seal :

## FORM INS—

(1) Shri Sudhish Kumar Gupta - c/o Ansal Road, Darvaganj, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Devinder Singh s/o S. Kartar Singh  
r/o Guru Nanakpura, Bhat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/6079 —Whereas,  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 91 Biswas Vill, Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982,  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Umrao Singh s/o Neki Ram  
r/o Shahabad PO Palam, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Veena Kakkar w/o Haider Kakkar  
R/o B J032 Janakpuri, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-81/5835.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Kakrola, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 8 Bigha 8 Biswas Kh. No. 29/16, 17 Vill. Kakrola, Delhi.

NARINDAR SINGH.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5 1982.

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(2) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/6061.—Whereas J. NARINDAR SINGH

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ishwar Singh s/o Surat Singh  
R/o B-1447, Shashtri Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Kamal Kumar Mittal s/o Late Sh. Bhagwati Pd. Mittal R/o 553 Joshi Road, Karol Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 400 sq. yds Kh. No. 32 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date: 21-6-1982.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Attar Singh, Daryao Singh, Kartar Singh sons of Dharma, Mukhtiar Singh, Mahinder Singh, Nafesingh s/o Data Ram Rajinder Singh s/o Sardar Singh R/o Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Lal s/o Mathura Prashad and Gurdhan Dass Sharma s/o Baru Singh R/o Shastri Nagar, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-81/6019.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas 10 Biswas Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 21-6-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-81/6027.—Whereas I,  
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing No

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on Oct 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

- (1) Shri Jagmal Singh s/o Khazan Singh,  
R/o Vill. Haider Pur, Delhi as GA to Neki Ram  
s/o Udmi r/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Jai Gopal s/o Lazmi Narain r/o 23/3 Shakti  
Nagar, Delhi, (2) Lalit Kr. Jain s/o Trilok Chand  
Jain r/o 4494 Gali Raja Patnawali, Pahari Dhiraj,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha (1000 sq. yds) Kh. No. 588, Vill.  
Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH.  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5 1982  
Seal :

## FORM ITNS—

UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

No IAC[Acq II]SR-II/10-81/6049.—Whereas I,  
DAR SINGH

the Competent Authority under Section 269B of the  
tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
said Act'), have reason to believe that the immovable  
, having a fair market value exceeding  
00/- and bearing No.

land situated at Vill. Libaspur, Delhi  
are fully described in the Schedule annexed hereto)  
transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
the Office of the Registering Officer at  
1 Oct 1981

apparent consideration which is less than the fair  
value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
the apparent consideration therefor by more than  
percent of such apparent consideration and that the  
transaction for such transfer as agreed to between the  
has not been truly stated in the said instrument of  
with the object of :—

facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269D of the said  
hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
property by the issue of this notice under sub-  
(1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Shiv Raj, Mani Ram sons of Mangat Ram, Daya  
Chand Hans Raj, Ved Raj, sons of Bhoji Ram  
Mangat Ram Bhoji Ram sons of Hardev all r/o VPO  
Libaspur, Delhi,

(Transferee)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Ram Parash r/o 109/2-H,  
Block 'A' C. C. Colony, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 679 sq. yds, Kh. No. 30/5 Vill. Libaspur,  
Delhi.

NARINDAR SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi,

Date : 21-6-1982.  
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Ashwani Sharma s/o Harbans Lal Sharma  
r/o Vill. Samapur, Delhi for himself G.A. Sh. Man-  
phool Singh s/o Deep Chand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satish Kumar s/o Ram Ladhaya  
r/o 9635 Gali Neem Wali, Nawab Ganj, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NFW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/6013.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Plot of land situated at Vill. Libaspur, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 12 Biswas (600 sq. yds) Kh. No. 27/25  
Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 21-6-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ishwar Singh s/o Surat Singh r/o B-1447,  
Shastri Nagar, Delhi

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babu Lal and Shankar Lal sons of Maman  
Chand r/o C-107, Ashok Vihar, Phase I, Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/6065.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
in October 1981,

for an apparent consideration which is less than fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 32 Vill.  
Siraspur, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, in the following persons  
namely :—  
29—176 GI/82

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Narinder Kumar s/o Behari Lal Sachar  
R/o 29/5 East Patel Nagar New Delhi through  
Shri Behari Lal s/o Kishan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chind Sachar s/o 29-E 5 East Patel Nagar  
New Delhi M/s Asa Ram Muland Lal, 5583, Naya  
Bazar Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, TP ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi the 21st June 1982

Ref No IAC Acq II/SR II/10 81/6030 —Whereas I  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No Agri land situated at Vill Bakauli near Alipur, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at Delhi  
in October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transferor,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely —

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agri land Mg 4 Bighas 18 Biswas Kh No 183, Vill  
Bakauli near Alipur Delhi

NARINDAR SINGH  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date 21-6-1982  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-81/5981.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Vill. Libaspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohan Lal s/o Net Ram r/o Libaspur, Delhi  
GA Sheo Raj Singh, Mani Ram s/o Mangat Ram,  
Daya Chand, Ved Raj, Girraj Hans Raj sons of  
Bhoj Ram all R/o Libaspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bal Krishan Handa s/o Lala Guru Sahai Handa,  
Anil Kumar Handa, Sunil Kumar Handa, Pardeep  
Kumar Handa sons of Bal Krishan Handa all r/o  
5C/99, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 750 sq. yds. Khastia No. 24/23, Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 21-6-1982

Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Mohan Lal s/o Net Ram R/o Samepur, Delhi  
GA Shiv Raj etc.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Din Dayal s/o Jyoti Pd. R/o 92-Viveka Nand  
Puri, Delhi and Pritam Parshad Jain s/o Suraj Bhan  
Jain 2904/7 Gali No. 165, Ganesh Pura, Tri Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/5957.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Vill. Libaspur, Delhi,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 750 sq. yds. Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/6116.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. A-5 situated at Inderpuri Colony, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. R. Krishnamurthy s/o K. Rangaswami R/o E-6A, D.D.A. (MIG Elat) Maya puri, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Narendar Kumar Khanna s/o L. Sh. Ram Gopal Khanna R/o A-5, Inderpuri, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H No. A-5, Inderpuri Colony, Vill. Naraina, Delhi Mg. 200 Sq yds. Kh. No. 1607

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mir Singh s/o Pat Ram R/o Vill. Palam, Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kanta Kathuria w/o T. K. Kathuria D-153, E.O. Kailash, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC[Acq-II]SR-II[10-81]6046.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Palam, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 18 Biswa, Kh. No. 84/18, 17/2 Vill. Palam, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date : 15-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Hoshiar Singh s/o Bhartv R/o Vill. Palam, Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Veena Kathuria w/o Krishan Kathuria R/o D-133 E.O. Kailash, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/6047.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Palam, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 17 Biswa Kh. No. 84/18, 17/2 Vill. Palam, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 15-6-1982  
Seal

## FORM ITNS—

(1) Shri Bham and Lachhe Ram sons of Bhawal Singh  
R/o Vill. Palam, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Darshan Arora w/o I. K. Arora R/o D-  
133, E.O. Kailash, New Delhi.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/6048.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,being the competent authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.No. Agri. land situated at Vill. Palam, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on October 1981,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 17 Biswas Kh. No. 84/17/2 and 84/18 Vill.  
Palam, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 15-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Hoshiar Singh s/o Bhartu R/o Vill. Palam, Delhi,

(Transferor)

(2) Auto Seeds Corp 26F Conn. Place, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING 1P, 1-STATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/5922.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Palam, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

30-176 GJ/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Me. 17 Biswa, Kh. No. 84/18, 17/2 Vill. Palam, Delhi

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New DelhiDate : 15-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-II 10 81 5900.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Tibaspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar s/o Hote Chand R/o 21 East Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sunder Lal s/o Lal Ram o/o Lala Ram Sunder Lal R/o Smalkha Mandi, Distt. Karnal, Haryana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 1 Bigha 6 Biswas Kh. No. 30/14 Vill. Tibaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date : 15-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Ram Jiwan s/o Nihal Singh R/o VPO Tikri  
Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar Gupta s/o Tulsi Ram R/o 58  
Model Basti, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
3-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. JAC/ACQ/II/SR-II/10-81/6055.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi,  
and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
on 10th October 1981,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
twenty per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Me. 14 Bigha 15 Biswas Kh. No. 41/1 (4-16),  
9 (5-1) 10 (4-18) Vill. Tikri Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-6-1982  
Seal:



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Jai Parkash, Piem Prakash, Om Prakash sons of Piare Lal R/o Mukhmelpur, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Bhim Singh s/o Ram Mehar R/o Singrola, Delhi  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. IAC\Acq.II\SR-II\10-81\5815.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Qadipur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- Agri. land Mg. 16 Bigha 18 Biswas Kh. No. 1149, 1150  
2 1157, 1158 Vill. Qadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi|New Delh

Date : 15-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/8462.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 296B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. Agri. land situated at Vill. Azadpur, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on October 1981,  
for an apparent considerationwhich is less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty, and have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Narina Singh s/o Roop Chand R/o 317 Neemri  
Colony, Delhi as Attorney of Anant Singh s/o  
Manohar Singh R/o 318, Neemri Colony, Delhi.  
(Transferor)  
(2) Smt. Sandhya Kharnolelwal w/o Shri Suresh  
Kharnolelwal, B/52, C.C. Colony, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

49 (Now known as 49/57) area of land underneath 250  
sq. yds. situated at Kewal Park Extn., Kh. No. 63, Vill. Azad-  
pur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1P, ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II 10-81/5851.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vill. Siraspur, Delhi in October 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shyam Lal s/o Mathura Pd. R/o A-465, Shastri Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurdhan Dass s/o Basu Singh R/o A-465, Shastri Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bigha 10 Biswas Kh. No. 53 (2-0) 159 (4-16) 54 (3-4) 47 (2-14) 46 (2-10) Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 25-5 1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Roohi Lal -/- Bihari Singh R/o Najafgarh  
Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ranjeet Singh s/o Atma Singh Mehar Singh &  
Kuldeep Kumar Jukha R/o F 37 Rajouri Garden,  
New Delhi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
3-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th June 1982

Ref No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/5913 —Whereas J,  
ARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing a plot No. 10, Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1981

on an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg 1 Buzha 17 2/3 Biswas Kh. No. 11/8 Vill  
Najafgarh, Delhi

NARINDAR SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 15-6-1982  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 15th June 1982

Ref. No. LAC/Acq-II/SR-II/10-81/5912 --Whereas, I, New Delhi on Oct. 1981 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Roshan Lal S/o Bishan Singh R/o Najafgarh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjeet Singh S/o Atma Singh, Mehar Singh and Kuldeep Kumar R/o F-37, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha 17.2/3 Biswas Kh. No. 11/8, Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 15-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ramji Nand & Roop Chand sons of  
Budha Lal  
Vill Sirasput, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Narain Sharma So  
Ramji Lal Ro  
229 Shastri Ne Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II  
G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1 P ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi the 25th May 1982

Ref No IAC/Acq II/SR II/10 81 6054 —Whereas I  
NARINDAR SINGH  
being the Competent Authority under Section  
269(B) of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs 25000 and bearing No

Agri land situated at Vill Sirasput, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

31—176 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri land 3 Bigha 19 Biswas Kh No 39 Vill Sirasput  
Delhi

NARINDAR SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax

Acquisition Range II

Delhi New Delhi

Date 25.5.1982  
Seal

**FORM INS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I P ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref No IAC Acq-II/SR-II/10 81/6036 —Whereas I  
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Agri land situated at Vill Siraspur, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
on October 1981,for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaidproperty and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely,—

(1) ~~Shri Shyam Lal S/o Mathura Pd. and~~  
Goudhan S/o Bori Singh,  
Vill Siraspur,  
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Pishori Lal S/o Des Roul R o  
Siraspur  
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## III SCHEDULE

Agri land Mg 1 Bigha 10 Biswas Vill Siraspur Delhi

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal.

## FORM IINS

(1) Shri Mahinder Yadav S/o  
Naidar Singh R/o  
Vill Samepur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Avanti Lal S/o  
Chatur Bhuj Ram R/o  
Part II, 121 Gujarwala Town,  
Delhi-33.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1 P ESTATE  
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC[Acq-II]SR-II/10-81/6041—Whereas, I  
NARINDAR SINGH

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette

being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 -  
and bearing No

Agri. land situated at Mill. Samepur Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Agri. land Mg. 2 Bighas 6 Biswas (2300 sq vds) Kh  
No. 34/12 34/13 Vill. Samepur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated 15-5-1982

Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE  
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/6033.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Ram Kanwar S/o Roop Chand,  
Shanti Devi & Chand Kaur  
D/o Jia Lal R/o  
Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s K. B. S. Associates,  
25-Deputy Ganj, Delhi  
through its all four partners.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg 8 Bighas 16 Biswas Kh. Nos. 1430 & 1434 2 Vill. Alipur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81,5943.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Libaspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohan Lal S/o  
Net Ram R/o  
Vill. Samepur,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan S/o  
Munshi Lal R/o  
E-10, C. C. Colony,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 990 Sq. yds. Vill. Libaspur, Delhi

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21 June 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/5978.—Whereas, I.  
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Libaspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on Oct. 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Lal S/o Net Ram,  
Shri Birbal Singh S/o Digha Ram R/o  
Samepur, Delhi  
GA of Mukhtiar S/o Tota. (Transferor)  
(Transferee)
- (2) Shri Ram Parkash Maheshwari S/o  
Kapur Chand Maheshwari R/o  
14/224 Gur Ki Mandi, Phuleti Bazar, Agra.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agri. land Mg. 1260 Sq. yds. Kh. No. 25/24 Vill. Libas-  
pur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21 June 1982

Ref. No. IAC Acq-II/SR II/10-81 6040.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Libaspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) Shri Basant Lal S/o  
Pindi Dass R/o  
Vill. Libaspur, Delhi  
GA of Sh. Nihar Singh S/o Sis Ram R/o  
Libaspur, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Shakuntla Gupta W/o  
Ram Niwas R/o  
4/47, Roop Nagar Delhi  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agri. land Me. 1 Bigha and 5 Biswas (1260 sq.yds.)  
out of Kh No 25/5 Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ETATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21 June 1982

Ref. No. LAC/ Acq-II/SR-II/10-81/6014.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill Libaspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) Shri Ashwani Sharma S/o  
Haibans R/o  
Vill. Samepur, Delhi for  
himself GA Manphool Singh S/o  
Deep Chand

(Transferor)

(2) Shri Inder Jeet S/o  
Krisan Lal R/o  
Fatak Numak,  
Hauz Qazi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land 15 Biswas (750 sq.yds.) Kh. No. 27/25 Vill.  
Libaspur, Delhi.NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New DelhiDate : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21 June 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/5972.-Whereas, I.  
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Samepur, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the registering Office at Delhi  
in Oct. 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely:—

32—176 GI/82

- (1) Shri Jaswinder Pal Singh S/o  
Bachitter Singh R/o  
Gujjarwal, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Gurbir Singh S/o Avtar Singh &  
Harvinder Singh S/o Avtar Singh R/o  
16/14, Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice of the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 18 Biswas (900 sq. yds.) Klt. No. 24/  
Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1 P. ESTATI  
NEW DELHI

New Delhi, the 21 June 1982

Ref No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/6003 —Whereas, I,  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Agri. land situated at Vill Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Fatheh and Hukmu sons of  
Ram Sarup and Raj Roop sons of  
Shuban R/o Vill Alipur, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Geeta Devi W/o  
Ghanshyam Dass Bajania R/o  
A-29, C. C. Colony, Delhi

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION . —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri land Mg. 1 Bigha 14 Biswas Vill, Alipur Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
6-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-10-81/6037.—Whereas, J. NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land, situated at Vill. Palam, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Raj Singh, Hukam Chand S/o  
Jag Ram R/o  
Vill. Matiala, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Charan Singh S/o  
Darbara Singh R/o  
211/4, Padam Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 13 Biswas Vill. Palam, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Sent :



FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Shiv Raj, Mani Ram s/o Mangat Ram Daya Chand, Hans Raj, Shri Ved Raj, Shri Gaj Raj s/o Shri Mangat Ram, Shri Bhoji Ram Shri Hardev all r/o VPO Libaspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parmod Kumar s/o Naresh Kumar s/o Ram Purshad, R/o 109/2/H Block-A, C.C. Colony, Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/6050. Whereas, 1.  
NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Libaspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any reason or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Measuring 1720 sq. vds. out Kh. No. 30/5, Vill. Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Man Mohan Lal s/o Ram Dass,  
r/o 14/32 Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Smt. Radha Rani w/o Shri Kashmiri Lal Aggarwal,  
R/o 2A New Gobind Garh, Jullundur, Punjab.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,  
JP ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/6011.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearingNo. Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
New Delhi, on Oct. 1981,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating of concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha 17 Biswas Kh. No 1132, Vill.  
Tikri Kalan, Delhi

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date 21-6-1982

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/6051.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Prem Wati w/o Shri Suraj Paishad,  
110 Najafgarh, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Rev. Fr. Anthony Thaiparambil SDB, S/o Mr. Varkey Thaiparambil,  
R/o Don Bosco Technical, Okhla, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg Vill. Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM IT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/6043.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Samepur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Mahender Yadav s/o L. Ch. Niader Singh  
R/o Vill. Samepur, Delhi General Attorney of Sh. Janki Dass s/o Sh. Jude Mal and Shri Om Parkash and Shri Raghbir Singh s/o Devi Dass,  
R/o Vill. Siraspur vide GPA date 31-12-80 attested by N. Public Sh. G. C. Verma.

(Transferor)

- (2) Shri Bhanut Ram s/o Shri Persadi Ram,  
R/o 121 Part II, Gujranwala Town, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 34/12 and 13 in the area of Vill. Samepur, Delhi.

NARINDAR SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range II

Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

(1) Shri Shanti Swarup s/o Sh. Shiv Dayal,  
R/o Burari, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kailash Chand Gupta s/o Sh. Sheo Pd.  
R/o C-5/4, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the under signed :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
IP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/5823.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi, on Oct 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration, therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land 18 Biswas. Kh. No. 475, Vill. Burari, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—Date : 25-5-1982  
Sent :NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

## FORM ITNS

(1) Shri Piare Lal s/o Sh. Ravi Datt,  
R/o Vill. Ghewra, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ganga Bishan Gupta S/o Shri Kali Ram,  
F-38 Rajouri Garden, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/6056.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Bhewra, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. 8 Bighas 12 Biswas Vill. Ghewra, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—176 GI/82

Date : 25-5-1982

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Usha Rani Khanna w/o Shri Brij Mohan Khanna, R/o WZ-40/A Meenakshi Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh Makan S/o L. Sh. Mool Raj Maman, D-78 Ajay Enclave, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|10-81|6032.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. WZ-40/A situated at Meenakshi Garden, Vill. Tihar, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981.

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 23 bearing No. WZ-40/A Mg. 133.33 sq. yds. at Meenakshi Garden, area of Vill. Tihar, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/6031.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Nawada, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981. market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Meer Singh s/o Sh. Sher Singh, Gaja Nand s/o Sh. Kishan Lal, R/o Vill. Nawada, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Raj Gupta s/o Shri R. P. Gupta and R. P. Gupta s/o Shri Fatech Chand, WZ 10 Rattan Park Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 12 Biswas, Vill. Nawada, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Jagmal Singh s/o Sh. Khazan Singh,  
R/o Taidar Pur, Delhi as GA Sh. Neki Ram s/o  
Shri Udmi, R/o Vill. Siraspur, Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Goyal s/o Kanshi Ram,  
R/o 1795 Ram Gali, Sohan Ganj, S/Mandi, Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/6029.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land Mg. 1 Bigha situated at Vill. Siraspur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 383 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Shri Jagmal Singh s/o Shri Khazan Singh,  
R/o Haidar Pur, Delhi as GA of Neki son of  
Udmi, R/o Vill. Siraspur, Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Mittar Singh s/o Shri Ram Chandar C/o Shri  
Ram Kumar Jain, R/o of 1499 Punjabi Mohalla,  
Ghanta Ghar, S. Mandi, Delhi.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE-II**  
**G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING**  
**I.P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq.II][SR-II][10-81]6028.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi, on Oct. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of his notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the followin-  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agri. land 1 Bigha (1000 sq. yds.) Kh. No. 582, Vill.  
Siraspur, Delhi.

**NARINDAR SINGH**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-II/10-81/5875.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.Agri. land situated at Vill. Rithala, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi, on Oct. 1981,for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Hari Pal, Shri Nahar Singh, Shri Dharam  
Singh,  
Shri Ram Lal, Smt. Prem Wati w/o Amar Singh.  
(Transferor)
- (2) Smt. Malti Devi w/o Shri Madan Lal and Smt.  
Asha Rani w/o Shri Bhagirth Raj r/o 1545, Rani  
Bagh, Shaker Basti, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha 2 Biswas, Kh. No. 943/1, 943/2  
Vill. Rithala, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt Basanti w/o Late Sh. Desh Ram,  
R/o Vill Palam Delhi  
(Transferor)
- (2) Smt Prabha Devi w/o Sarwan Kumar,  
R/o D-30, Ram Dutt Enclave, Uttam Nagar, New  
Delhi  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
1 P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 21st June 1982

Ref. No. IAC/ACQ II/SR II/10-81/6100—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No Agri land situated at Vill Palam, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

(i) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Date 21-6-1982  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. JAC[Acq.II][SR-II][10-81]6091.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Mirzapur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rishi Kumar, Sh. Shiv Kumar, Shri Krishan Kumar, Sh. Hari Kr. Shri Chhote Lal Sons of Chandgi Ram, Shri Amar Singh, Shri Prithvi Raj, Shri Raghbir Singh S/o Shri Tej Ram, R/o VPO Palam, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jawahara Singh s/o Shri Sahab Singh, R/o VPO Dabri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas, Vill. Mirzapur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date 21-6-1982  
Sd/-

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
1<sup>st</sup> STAFF, NEW DELHI

New Delhi the 21st June 1982

Ref. No. IAC Acq.II/SR-II/10-81/6136 —Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Mirzapur, Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—176 GJ/82

(1) Shri Khazan Singh s/o Shri Bhola Brahmo Devi d/o Smt. Chunia w/o Shri Bhagwana,  
R/o Jadhok Distt. Rohtak and Vill. Palam, New Delhi and Shri Chunilal s/o Shri Phool Singh R/o Vill. Palam, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri P. K. Samal s/o S. S. Samal,  
R/o Vanhoi 139, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4-16 of Kh. No 33/16, Vill. Mirzapur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,  
1<sup>st</sup> ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/6135.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Mrizapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Khazan Singh S/o Shri Bhola, R/o Vill. Palam, New Delhi, (2) Brahmo Devi d/o Shri Chunian w/o Shri Bhagwan, R/o Ladhok Dist. Rohtak and Palam, New Delhi (3) Shri Chunilal S/o Shri Phool Singh R/o Vill. Palam New Delhi (Transferor)  
(2) Kumari Kiran d/o Shri P. K. Samal R/o Avanboe 139, Backbay Reclamation, Bombay-21. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4-12 Kh. No. s. 32/20/4 0-19, 33/25/1 Mgl-11, 33/25/3 Mg. 1-1 33/25/4 Mg. 1-1 in Mirzapur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Umrao Singh s/o Neki Ram  
r/o Shahbad Palam, Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harbans Rani Kakkar w/o  
R. L. Kakkar r/o B1/632 Janakpuri, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No IAC/Acq II/SR-II/10-81/5836.—Whereas I. NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Kakrola, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bigha 1 Biswas Kulla No. 28/20 Vill. Kakrola, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
ACQUISITION RANGE-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :



## FORM ITNS

1.) Shri Balwan Singh s/o Ram Singh  
R/o Nawada, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suraj Bhan Goyal s/o Hari Ram

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/6039.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Kakrola, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at New  
Delhi

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas 4 Biswas Kh No. 27/17 Vill.  
Kakrola, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
ACQUISITION RANGE-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Mahinder Yadav s/o Naidar  
Singh R/o Vill. Samepur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kamal Kumar Aggarwal s/o Gokal Chand  
Aggarwal r/o 4110, Naya Bazar 1st Floor, Delhi  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq.II][SR-II][10-81]5859.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Samepur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg 3 Bighas (3000 sq. yds.) Kh No 33  
933/12 Vill. Samepur Delhi

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
ACQUISITION RANGE-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Nath & Ram Mehar s/o Salga  
both r/o VPO Khar Khari Road, Tehsil Mehrauli,  
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prem Chand s/o Charan Singh R/o  
VPO Bannouli, Delhi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. 1AC.Acq.II[SR-II]10-81/6094.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Khari Road, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 14-10-1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 44 Bighas 5 Biswas Vill. Khari Khari Road, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982  
Sd/-

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ram Narain s/o Maroo r/o  
Vill. Zatikra, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. AC Acq II SR II/10-81/5885 -Whereas, I,  
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Zatikra, Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer at  
on October 1981or an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
foresaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—(2) Shri Poona Manshani d/o N.S. Manshani  
Vill. 28 A Janakpuri New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg 13 Bighas 8 Biswas Rect. No 26 Kh. No.  
1, 2, 3 1. Rect No, 22( Kh. No. 21/3 - 22/2 Vill. Zatikra,  
DelhiNARINDAR SINGH  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II,  
Delhi/New DelhiDate - 25-5-1982  
Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
ACQUISITION RANGE II,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/10-81/6038.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Kakrola, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balwan Singh s/o Ram Singh r/o Vill. Nawada, Delhi (Transferor)  
(2) Shri Suraj Bhan Goyal s/o Hari Ram r/o WZ-13 Basaidara, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bigha 16 Biswas Kh. No. 27/18 Vill. Kakrola, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II.  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-II/10 81 6052.—Whereas I.  
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
on October 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

35—176 GI/82

- (1) Smt. Premwati w/o Suraj Prashad r/o  
Najafgarh, Delhi.

(Transferor)

- (2) Father Anthony Thaiparambil SDM s/o Mr. Varkey  
Thaiparambil R/o D. B. Technical Institute, Okhla,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publications of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg 4 Bighas 16 Biswas Vill. Najafgarh, Delhi

NARINDAR SINGH  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Bakshish Singh s/o Khudat Singh R/o C-2335,  
Janakpuri, Delhi

(Transferor)

(2) Saroj Devi w/o Subhash Jai s/o  
Shivaji Marg, Najafgarh, Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/ACR-II/SR-II/10-81/5813.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.No. Agri land situated at Vill. Rosanpura, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
on October 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe, that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely: —

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 7 Bigha 12 Biswas Vill. Roshanpura, Delhi  
Kh. No. 307, 308, 309.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jagjit s/o Ram Singh  
R/o Holambi Khurad, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Jagdish s/o Sant Ram r/o  
B-63, Indl. Area G. T. Karnal Road, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR. BUILDING, I.P. LSTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within  
period of 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette or  
a period of 30 days from the service of notice on  
the respective persons whichever period expires  
later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

Ref. No. IAC[Acq.II][SR-II][10-81]6023.—Whereas I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated Vill. Holambi Kalan, Delhi Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 7 Bighas 17 Biswas Vill. Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/II/10-81/5788.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Rithala, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rameshwar and Ram Mohar  
Bal Want r/o Rithala, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Om prakash s/o Late Sh. Ram Gopalji R/o C-151 Naraina, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10 Bighas 4 Biswas Vill. Rithala, Delhi

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date 25.5.1982  
Seal.

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq.II][SR-II]10-81/6106.—Whereas J. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Palam New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfereed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chano w/o Late Sh. Rishal Singh and Smt. Krishna Devi w/o Satvir Singh r/o WZ-619, Vill. Palam, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Daya Nand Dahiya, Om Parkash, Dharam Pal r/o Shop No. 15, Ex-Servicemen, Store, Satya Niketan, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10½ Biswas. Mustatil No. 59 Killa No. 20/2 Vill. Palam, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date 25-5-1982  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq.II|SR-II|10-81|6105.—Whereas 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Kadipur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Shri Bhuru s/o Net r/o VPO Samepur, Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Prem Kanta Bhatia w/o Surinder Kt. Bhatia  
r/o D-C/3, New Rohtak Road, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 8 Acre Vill. Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Basanti w/o Late Desh Ram r/o  
Vill. Palam, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Shohai Ram s/o Hazara Ram, r/o  
RZ-58 Uttam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. AC/Acq.II/SR-II/10-81/6102.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri land situated at Vill. Palam, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10 Biswas Vill. Palam, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Basanti w/o Late Sh. Desh Rani  
10 Vill. Palam, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Chanchal Arora w/o K. J. Arora r/o  
R. A. Bazar, Rurki Cant. UP.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/6101.—Whereas J.  
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. Agri. land situated at Vill. Palam, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi  
on October 1981for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe, that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparnt econsideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transferffl  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Setction 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested ni the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning is given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10 Biswas Vill. Palam, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New DelhiDate : 25-5-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Rama Nand and Roop Chand s/o  
Sh. Budha r/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Narain Sharma s/o Ramji  
Lal r/o A-229, Shastri Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-II|10-81|6092.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi.(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi  
on October 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration thereby by more than fifteen per cent  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

36—176 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land. 1 Mg. 4 Bigha 16 Biswas Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority.Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New DelhiDate : 25-5-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/6082.—Whereas I, NARINDAR SINGH

Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Beg Raj s/o Kalu  
r/o Holambi Kalan,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh s/o Ram Sarup,  
r/o Holambi Khurd, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 18 Bighas 3 Biswas Vill, Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/6074.—Whereas, I.  
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on Oct. 1981,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Mange Ram & Ram Pat sons of,  
Sh. Mukh Ram r/o Vill. Alipur, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Joginder Kaur w/o Sadhnam Singh  
r/o 9603 Azad Market, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the said immov-  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 2 Bighas 6 Biswas Vill. Alipur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 25-5-1982  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/6073/10-81.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mange Ram & Ram Pat sons of  
Mukh Ram r/o Vill. Alipur, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Kunti Rani r/o 4583  
Arya Pura Roshanara Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 2 Bighas 8 Biswas Vill. Alipur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Date : 25-5-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-/10-81/5792.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bir Singh s/o Shri Hukam Chand,  
r/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Rama Sharma w/o S. K. Sharma and  
Dr. P. C. Yagnik s/o P. D. Yagnik,  
r/o B/M-145 (Paschim) Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. (0-10) Biswas Kh. No. 634 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Ram Kishore s/o Vidya Sagar  
r/o Vill. Burari Delhi through his attorney  
Sh. Parveen Kr. Jain.  
(Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar Sharma s/o S. N. Sharma  
r/o 1576/30, Nalwa Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5810.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bigha, Kh. No. 798 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mohan Lal s/o Gobind Sahai  
r/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Santosh Kumar Agarwal s/o Ram Karan Dass  
r/o R-54 Model Town, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5845.—Whereas I,  
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Delhi on Oct. 1981,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer,
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for the
- 
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
- 
- 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
- 
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days
- 
- from the service of notice on the respective persons,
- 
- whichever period expires later.
- 
- 
- (b) by any other person interested in the said immov-
- 
- able property within 45 days from the date of the
- 
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri land. Mg. (1-8) Kh. No. 46/6/1 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New DelhiDate : 21-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5857.—Whereas I.  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on Oct. 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Tara Gupta w/o O. P. Gupta,  
5439 Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Surinder Kumar Anand s/o Ram Lal Anand  
r/o A-11-12, Malka Ganj,  
D/S Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land (0-15) Biswas Kh. No. 830/1 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5861.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

37—176 GI/82

- (1) Shri Paras Ram s/o Khem Chand GA of Rajender Singh, Bijender Singh, Chandbir, Bhurat Singh sons of Shri Jee Ram all r/o Siraspur, Delhi

(Transferor)

- (2) Smt. Shanti Devi w/o L. Sadhu Ram, r/o 14/38, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agri. land. Mg. 1 Bigha and 6 Biswas Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-1982

Seal :

## FORM IT.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II  
G. 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC Acq II SR-II/10-81/5940—Whereas I,  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Narela, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Narain Ram Kishan & Ram Nages all sons of Bhagwan Dass, Manohar Lal s/o Ram Sarup, Ram Kumar s/o Ram Pat, Manoj Ram s/o Bhukha Mal, Kanhi Ram, Ram Chander, Shiv Lal all sons of Godha Ram all s/o Narela, Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Joginder Singh Vijender Singh, s/o Rasal Singh Dhatam Pal, Pethiad Singh, Mahabir Pal, Satbir, Jagbir Singh Ranbir Singh all sons of Nihal Singh s/o Pana Udhayam, Narela, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 43 Bighas 15 Biswas Kh No. 1/13-18, 19, 22, 23/1, 2, 4/2, 3, 8, 9, 27 13, 14, 17, 18, 23/1, Vill. Narela, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II  
Delhi New Delhi

Date 21-6-1982  
Sd/-

## FORM LT.N.S. \_\_\_\_\_

(1) Shri Baljit & Amar Singh s/o Tika  
r/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Ram Dulari Goel w/o Prahlad Rui Goel  
r/o F-2/12 Model Town, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE II  
G-13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/10-81/5827.—Whereas I,  
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons;  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 10 Biswas, Kh. No. 874/4 Vill. Burari,  
Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons namely :—

Date : 21-6-1982  
Sd/-



FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR. BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC[Ac-II]SR-10-81 5858.—Whereas, I  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Samepur, Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is more and exceeds the apparent consideration therefor by more than twenty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahinder Yadav S/o Naidar Singh,  
R/o Vill. Samepur, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Kailash Chand Aggarwal S/o  
Shiv Nath Aggarwal R/o  
4110, Naya Bazar, 1st Floor, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 3 Bighas, 6 Biswas (3300 sq. yds.) Kh.  
No. 33/9, 33/12 Vill. Samepur Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21.6.1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref No IAC/Acq-II/SR II/10 81/6083 —Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No Agri land situated at Vill Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), **has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)** in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Oct 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid would be the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt Pushpa Rani w/o Ram Parkash, R/o Kothi No. 14 Rd No 53, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)  
(2) Smt Nirmal Verma w/o Vidya Bhushan, R/o C/o Bharat Bhushan Mehdiratta, 16/63 Punjabi Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property No 14, Road No 53, Class 'C' Punjabi Bagh, Delhi Area 555 55 sq yds

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date 21-6-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/6098.—Whereas, J. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Harveli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kahl Ram S/o Jai Ram R/o Vill. Harveli, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder S/o Ram Chander, Pawan Kumar S/o Ram Chander R/o Kamanthdha, Distt. Rohtak (Haryana)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 37 Bighas 8 Biswas Vill. Harveli, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21.6.82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1 P L STATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

No. Ref. IAC Acq-II/SR-II/10 81/5863—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri. Paras Ram S/o Khem Chand and others R/o Vill. Siraspur, Delhi. (Transferor)  
(2) Smt. Sushila Jain w/o Sagar Chand Jain R/o 240 Chirag Delhi, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha 2 Biswas (1100 sq. yds.) Kh. 643, Vill. Siraspur Delhi

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-82

Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1<sup>ST</sup> FLOOR STATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

RS. No. IAC Acq-II/SR-II/10-81 5826.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Hastal, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Yad Ram S/o Budh Ram R/o Vill. Hastal, Delhi

(2) Shri Anant Ram Mato S/o Laddha Ram, C-67/2 Meenakshi Garden Delhi

(Transferee)

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas 15 Biswas Vill. Hastal, Delhi  
Mustail No. 54, Kila No. 8.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-82

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/5837.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

38—176 GI/82

- (1) Shri Surjit Singh S/o Putam Singh R/o Burari, Delhi through his attorney Dhan Singh S/o Khacharu. (Transferor)  
(2) Shri Mahesh Prasad S/o Late Sh. Asrey Rai R/o M-19, Police Line, Kingsway Camp, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 13 Biswas Kh. No. 671 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-82  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/10-81/5860.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Oct. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Paras Ram S/o Khem Chand self and on behalf of Sh. Rajender Singh, Bijender Singh, Chandbir and Bharat Singh S/o Jeet Ram, Vill. Siraspur, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rajesh Gupta (M) S/o Bimla Devi, 3968 Naya Bazar, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXO of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land 14 Biswas (700 sq. yds.) Kh. No. 643 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 21-6-82  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri S. Sajjah Singh Sethi Sfflo S. Mehar Singh  
R/o 67/5, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jai Ram Malik  
2. Som Nath Malik son of Late Shri Karam Chand Malik R/o  
57, Basti Harphool Singh, Delhi  
3. Krishan Lal Malik, and  
4. Dharamvir Malik sons of Uttam Chand R/o  
1/13, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CK BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 21st June 1982

Ref No. IAC/Acq-II/SR-II/11-81/6173 -Whereas, I,  
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 15 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 15, on Road No. 41, situated at Punjabi Bagh, area of Village Madipur, Delhi State, Delhi. Built on a plot measuring 2195.37 sq. yds.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New DelhiDate : 21-6-82  
Seal :



**FORM ITNS—**

1. (1) Shri Kunjosam Marakkarakathu Mohamedkutty Haji (2) Smt. Pathummabi, Kasba Kayakunnu, Calicut.

(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

2. Krithakkantakathu Moideen Koya H. No. 17/530, Puthivara Kozhikodu.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE  
"ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 24th June 1982

Ref. L.C. No. 583/82-83.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY, being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Calicut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 30-10-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

20 3/4 cents of land with a building in Sy. No. 51/11A-T.S. No. 17-10-599 of Kalathil kunnu village.

**P. J. THOMASKUTTY**  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-6-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-----

(1) Mr. I. Ramachandran, Lt. Colonel, (Commanding Officer) C.O. 5 Maratta L.I. C/o 56 A.P.O.  
(Transferor)

(2) Sri K. Abdul Aleem, S/o Mohammed Hassan, Kacheri P.O. Nadakkavu, Calicut.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE  
"ANUPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682-016**

Cochin-682 016, the 24th June 1982

Ref. L.C. 584/82-83.—Whereas, I,  
J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Calicut, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 6-10-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

12 3/4 cents of land with a building in T.S. No. 614/1A and 614/1B of Calicut.

**P. J. THOMASKUTTY**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 24-6-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana the 25th June 1982

Ref. No. KHR/13/81 82.—Whereas J,  
SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 503, Phase 1, situated at Mohali Teh. Kharar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tara Chand Rana s/o Shri Ishwar Rajdhan r/o 14/4, Sector 4, Nawa Nangal Distt. Ropar.  
(Transferor)
- (2) Shri Mangal Dass s/o Shri Krishan Lal r/o H No. 3220, Sector 23-D, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 503, Phase 1, situated in Mohali Teh Kharar.

(The property as mentioned in the registered deed No. 3918 of October 1981 of the Registering Authority, Kharar.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 25-6-1982  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE  
LUDHIANA

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD/167/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share of Plot No. 77, situated at Industrial Area, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Dilbagh Singh and Shri Bahadur Singh s/o Shri Sant Singh, R/o II. No. 285, Sec. 18C Chandigarh through their attorney Sh. Om Datt Kaushal s/o Sh. Bira Chand Kaushal, R/o SCF-1, Sec. 27C, Chandigarh.

(Transferors)

(2) Shri Pritam Singh Bharaj & Shri Santokh Singh Bharaj, sons of Shri Bawa Singh Bharaj R/o 16/3, WEA, Karol Bagh, New Delhi now at Plot No. 17, Sector 6, Faridabad.

(Transferees)

(3) Shri Krishan Malhotra, Plot No. 77, Indl. Area, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of plot No. 77, Indl. Area, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1203 of October 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 25-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
LUDHIANA

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD/156/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.C.F. No. 415, situated at Sector 35C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amar Kaur W/o Sh. Uttam Singh, Sh. Uttam Singh S/o Sh. Sunder Singh, Sh. Gurcharanjit Singh S/o Sh. Uttam Singh, Sh. Rajdeep Singh and Sh. Manpreet Singh Minor sons of Sh. Gurcharan Singh, Smt. Rajpal Kaur W/o Sh. Gurcharan Singh, all residents of House No. 1627, Sec. 7C, Chandigarh.

(Transferors)

- (2) Smt. Rajni Sethi W/o Sh. Pritpal Singh Sethi Master Shellu Sethi, Master Bobby Sethi and Master Sumeet Sethi minor sons of S. Pritpal Singh Sethi, all residents of R-38, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S.C.F. No. 415, Sec. 35C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1100 of October 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 25-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
LUDHIANA

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD/183/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bungalow No. 230, situated at Sector 9C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagat Singh, Shri Bikram Singh and Smt. Gurmel Kaur w/o Shri Jaydev Singh A.C.O. 8-9, Sector 17B Chandigarh

(2) Shri Harmohan Dhawan s/o Sh. S. R. Dhawan, Shri Harish Dhawan, Smt. Ram Parkash Dhawan residents of House No. 2027, Sector 21-D, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow No. 230, Sector 9C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1180 of October 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 25-6-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref No CHD/152/81-82.—Whereas I, SUKHEDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing Plot No 516, Sector 33-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

- (1) Smt Vimaljit Bains-  
R/o 43/6 Behl Consultant Quarters, Rampur  
(Hardwar) through Shri Ram Kanwar Gupta  
S/o Shri Tikka Ram  
R/o H No 401 Sector 20-A,  
Chandigarh  
(Transferor)
- (2) Shri Manmohan Singh s/o Shri Hukam Singh  
Smt. Daljit Kaur w/o Shri Manmohan Singh  
Through Shri Manmohan Singh  
R/o H No 727, Sector 11,  
Chandigarh  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No 516 situated in Sector 33B, Chandigarh

(The property as mentioned in the registered deed No 1091 of October, 1981 of the Registering Authority Chandigarh)

SUKHEDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Ludhiana

Date 25th June 1982

Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD/161/81-82—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P. No. 1686, Sector 34-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Om Parkash Virmani  
S/o Shri Radha Krishan Virmani  
Through Shri Ashwani Kumar  
R/o 1686, Sector 34-D,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Lajwanti  
R/o 1686, Sector 34-D,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1686 situated in Sector 34-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1135 of October, 1981 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 25th June 1982  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD/158/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3407, Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kehar Singh s/o Shri Harnam Singh  
R/o Chandigarh through spl. Power of Attorney  
Shri Vijay Kumar Bhalla s/o Late Shri J. B. Bhalla  
R/o House No. 624, Phase-I, Mohali (S.A.S. Nagar)  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri B. S. Chabria s/o Shri Balkrishan Chabra &  
Smt. Pushpa Chabra,  
R/o 3209, Sector 23-D,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3407, situated in Sector 35-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 1112 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date 25th June 1982  
Sd/-

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD/164/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 26-C (New No. 107), Sector 10-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Jaswant Kaur w/o Shri Kirpal Singh Lamba R/o 4/55, WEA, Karol Bagh, New Delhi through Mrs. Laxmi Mishra w/o Lt. Col. Mankameshwar Mrs. Laxmi Mishra w/o Lt. Col. Mankameshwar Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Lt. Col. Mankameshwar Mishra S/o Lt. Shri Harish Chander Mishra R/o 283, Sector 11-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 26-C (New No. 107), Sector 10-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1181 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 25th June 1982

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD/168/81-82.—Whereas, I, SUKHDDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 612, Sector 36-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surjit Singh Danewalia  
S/o Shri Gurbax Singh  
R/o 25 P.S. Rai Singh Nagar, Distt. Ganga Nagar  
(Rajasthan).  
(Transferor)

(2) Smt. Vandeet Kaur Ahluwalia  
W/o Harvinder Singh  
R/o E-12, Kailash Colony,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 612, situated in Sector 36-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1215 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 25th June 1982  
Seal

## FORM ITNS—

UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

No. CHD/166/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1000/- and bearing Plot No. 211, Sector 37-A, situated at Chandigarh (hereinafter referred to as the 'said property'), is fully described in the Schedule annexed hereto), is being transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid is more than the apparent consideration therefor by more than 20 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

and, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Sarup Leekha s/o Sh. Kanshi Ram Leekha  
R/o 286, Sector 33-A,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Dhan Kaur w/o Shri Karnail Singh Manku  
Through Shri Rakha Singh s/o Shri Rulia Singh,  
R/o House No. 3284, Sector 15-D,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 211, Sector 37-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1190 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 25th June 1982

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD/165/81 82 - Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 325, Sector 21-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Jaspal Kaur W/o Sh. Bakhsish Singh  
R/o Vill. Manswall, Teh. Garshankar  
Dist. Hoshiarpur, (Transferor)
- (2) Mrs. Harwinder Kaur W/o Sh. Joginder Singh  
Chawla through her attorney Sh. Parduman Singh  
Chawla S/o Sh. Karam Singh Chawla R/o House  
No. 1067, Sector 15-B Chandigarh, (Transferee)
- (3) Central Bank of India  
House No. 325, Sector 21-A, Chandigarh  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 325, situated in Sector 21-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1183 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date, 25th June 1982  
Seal:

## FORM ITNS— -

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 25th June 1982

Ref. No. CHD/159/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Booth No. 56, Sector 16-D, situated at Chandigarh

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on October, 1981

at an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jai Kishan Dass Aggarwal S/o Sh. Chandar Bhan R/o C-33, North Ghonda through Genl. Power of Attorney Sh. Kuldeep Singh S/o Sh. Narinder Singh R/o 3247, Sector 16-D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Jasinder Kaur W/o Shri Kuldeep Singh R/o 3247, Sector 15-D, Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. M/s. Bakshi Sound Services  
Booth No. 56, Sector 16-D,  
Chandigarh.  
2. M/s Kuldeep Property & Auto Dealers  
3. M/s Chappa Khanna  
R/o Booth No. 56, Sector 16-D, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Booth No. 56, situated in Sector 16-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1114 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh,

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 25th June 1982  
Seal :

FORM I.T.N.S. \_\_\_\_\_

(1) Sh. Sarup Singh and Sujit Singh through Smt. Ram Piari R/o 2865, Sector 22C, Chandigarh.  
(Transferor)

(2) Shri Teekam Chand Balint EXN Co. No. 2,  
PWD B&R, Ludhiana.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 30th June 1982

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD/162/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House 3331, situated at Sector 21-D, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3331, situated in Sector 21-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registered deed No. 1164 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30th June 1982  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 30th June 1982

Ref. No. CHD/154/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV  
HAND,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 11P, situated at Sector 28A, Chandigarh  
and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in office of the Registering Officer  
Chandigarh in October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration, therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269 D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Mrs. Rajinder Kaur Dhillon W/o Major Genl.  
G. S. Dhillon through Sh. Ravi Kumar, SCF No.  
33, Sec. 7C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Krishna Devi Aggarwal & Mr. Pardeep Kumar  
R/o House No. 126, Sec. 28A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publications of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from this  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given

## THE SCHEDULE

Plot No. 11-P, Sector 28A, Chandigarh,  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1096 of  
October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated : 30th June 1982  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 30th June 1982

Ref. No. CHD/153/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

bearing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 302, situated at Sector 35A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Wing Commander G. B. Singh (Retd.) S/o Dr. Narain Singh,  
Resident of House No. 302, Sec. 35A,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) 1. Dr. (Mrs.) Parvathi Bai Nair,  
2. Dr. (Mrs.) Leila Ramakumar &  
3. Dr. Keshavan Nair  
all residents of House No. 302, Sec. 35A,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 302, Sec. 35A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1094 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated : 30th June 1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 30th June 1982

Ref. No. CHD/169/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. H. No. 105, situated at Sector 18-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jagdish Kaur W/o Sh. Jasmer Singh  
R/o H. No. A-1/67, Safdarjang Enclave New Delhi,  
H. No. 105, Sector 18-A, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri Shiv Pal Talwar R/o  
H. No. 50-51, Sector 27-A, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovables defined in Chapter XXA of the said publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 105, Sector 18-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registering Deed No. 1220 of October, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 30th June 1982  
Sent :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV  
CALCUTTA

Calcutta, the 25th May 1982

Ref. No. AC-9[Acq.-RIV/Cal]82-83.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. , situated at Gobindpur P. S. Sonarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Diamond Harbour on 30-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Gouri Prosad Chakraborty Village Gobindpur, P. S. Sonarpur (Dist. 25-Pgs.)  
(Transferor)  
(2) Sri Abdul Hasan Gharami Vill. Panchghara, P. S. Barulpur, Distt. 24-Parganas.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE:

Land 49.31 cottabs with building address Mouza Gobindpur, P. S. Sonarpore, Dist. 25-Parganas (Deed No. 6011) of 1981.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range IV, Calcutta.

Date : 25-5-1982  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Hanuman Mal, S/o Mahal Chand Chandaliya,  
R/o Sardar Sahar, P/o M. K. C. P. Textiles Pali,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Nahta Fabrics(P) Ltd., Pali.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1213.—Whereas, I. V. K.  
AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot E-2 & E-1 situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Pali on 16-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. E-1 & E-2, Industrial Area II Phase, Pali and  
more fully described in the sale deed registered by D. R.,  
Pali vide Registration No. 39/81 dated 16-10-1981.

V. K. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 22-5-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th June 1982

Ref. No. JDR/66/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 71 kanal 8 marla with house situated at Bhilchhpar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Jagadhari in Oct. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tara Singh S/O Shri Dhan Singh  
Village & P.O. Bhilchhpar Teh. Jagadhari.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh, Charan Kunal Singh,  
Sewa Singh R/O Bhilchhpar Teh. Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 71 kanal 8 marla with house at Bhilchhpar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4124 dated 1-10-81 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-6-82

Seal :